उड़ता तीर और प्रेम मोल लिया के बाद डार्क थ्रिलर के सीक्वल में नजर आएंगे आयुष्मान, डायरेक्टर ने लगाई मुहर?

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 30
न्यूनतम - 27

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 271 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर बुधवार 30 सितम्बर 2026 ● भाद्रपद शुक्ल 18 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रुपया

संक्षिप्त समाचार

अरुणाचल में भारत-म्यांमार सीमा पर उग्रवादी हमला

● असम राइफल्स का जवान हो गया शहीद, 4 घायल

इटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में मंगलवार को उग्रवादी हमले में असम राइफल्स का एक जवान शहीद हो गया। 4 अन्य जवान घायल हो गए। हमला भारत-म्यांमार सीमा

के पास नामपोंग सर्कल में सुबह करीब 6.30 बजे हुआ। शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार हमला नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड का (युंग आंग गुट) के उग्रवादियों ने किया है। गश्त के दौरान गोलीबारी में हवलदार जानखोकाई कुकी (42) शहीद हो गए। हमला नामपोंग नाले के पास हुआ। इस इलाके में सीमा पर बाड़ लगाने का काम चल रहा है।

सोशल मीडिया अकाउंट बनाने के लिए 18 की उम्र जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र की सरकार से नियम बनाने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सरकार से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 18 साल से कम उम्र के बच्चों के अकाउंट को लेकर कानून बनाने पर विचार करने को कहा। कोर्ट ने कहा कि नाबालिगों से जुड़े भारतीय कानूनों का पालन सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म्स को करना होगा। नाबालिग 18 साल से कम उम्र के होते हैं और खुद कानूनी अनुबंध नहीं कर सकते। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में सुरक्षा की मांग की गई है।

रामद्रोहियों को अयोध्या का वैभव बर्दाश्त नहीं हो रहा

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर में सीएम योगी मंगलवार को महंत दिग्विजयनाथ की 57वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह में शामिल हुए। गोरखनाथ

मंदिर में सीएम योगी ने कहा- आज अयोध्या में रामलला का भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है। 500 वर्ष के बाद अयोध्या एक बार फिर से हर सनातन धर्मावलंबी को गौरव की अनुभूति कराती है। उन्होंने कहा- आज जब अयोध्या स्थित भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर भव्य मंदिर बन गया है तो रामद्रोहियों को अयोध्या का वैभव बर्दाश्त नहीं हो रहा है। राम द्रोही भ्रम पैदा करेंगे।

10 दिन पहले अस्पताल में थी, मंगलवार को कर दिया कमाल

एशियाड में ट्रैप शूटिंग जीतने वाली पहली भारतीय महिला

एशियन गेम्स में नीरू ढांडा का 'गोल्ड' पर निशाना

नगोया (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाज नीरू ढांडा ने एशियन गेम्स में विमेंस ट्रैप शूटिंग का गोल्ड मेडल जीत लिया है। नीरू एशियाड में इस इवेंट का गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी हैं। नीरू 10 दिन पहले तक दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती थीं। उन्हें फ्लू हुआ था और चार दिन तक वह गन उठाने की स्थिति में भी नहीं थी। उन्होंने तेज रिकवरी की और आज भारत के लिए गोल्ड जीतकर इतिहास रच दिया है। नीरू की इस कामयाबी की बदौलत भारत के नाम अब तक 6 गोल्ड सहित 50 मेडल हो गए हैं। हालांकि, भारत अब भी मेडल टेबल के टॉप-10 में नहीं आ पाया है। टीम 11वें स्थान पर है। नीरू 10 दिन पहले हॉस्पिटल में एडमिट थीं। उन्हें तेज फ्लू था। वे 5 दिनों तक कुछ खा-पी नहीं पाई थीं। तब उनके कोच मनशेर सिंह ने उन्हें बीमारी भुलाकर अपना सब कुछ झोंक देने के लिए प्रेरित किया था। जीत के बाद नीरू ने कहा, 'मनशेर सर ने कहा था निशाने पर ध्यान लगाओ।

भारत को 6वां गोल्ड मिला, शूटिंग में दूसरा

यह भारत का एशियन गेम्स 2026 में 6वां गोल्ड है। यह व्यक्तिगत स्पर्धा का पहला गोल्ड है। शूटर्स ने भारत को दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया है। पहला गोल्ड पिस्टल शूटिंग के मिक्स्ड इवेंट में आया। इससे पहले 8 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल दिला चुके हैं। शूटिंग में अब तक 14 मेडल आ चुके हैं।

भारत की महिलाओं ने किया कमाल, दिलाया छठवां गोल्ड

एशियन गेम्स 2026 में भारत को दिन का दूसरा और कुल छठा गोल्ड मेडल मिल गया है। महिलाओं की 4×400 मीटर रेस में भारत ने चीन को मात देते हुए गोल्ड पर कब्जा जमाया। विथ्या रामराज, किरण, प्राची और पूवम्मा की भारतीय चौकड़ी ने इस रेस में भारत के लिए हिस्सा लिया। इसके साथ ही भारत के मेडल की कुल संख्या भी 50 हो गई है।

2700 वाली कैंसर दवा की एमआरपी 27 हजार

'सुप्रीम' सवाल-16 फीसदी से ज्यादा मार्जिन क्यों

कहा-प्राइवेट अस्पताल इंडस्ट्री की तरह काम कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार से पूछा कि दवाओं की एमआरपी, रिटेल कीमत से 16 फीसदी से ज्यादा क्यों होनी चाहिए।

कोर्ट ने सवाल किया कि सभी दवाओं पर अधिकतम 16 फीसदी मार्जिन की सीमा क्यों नहीं तय की जा सकती। दवाओं के लिए अलग-अलग नियम क्यों हैं। कोर्ट ने कैंसर की एक दवा का उदाहरण दिया, जिसकी रिटेल कीमत करीब 2,700 थी, लेकिन एमआरपी 27 हजार थी। कोर्ट ने पूछा कि यदि मरीज सरकारी योजना में इलाज करा रहा है तो इतनी बढ़ी कीमत का भुगतान कौन करता है। इसका बोझ सरकारी खजाने और टैक्सपेयर्स पर ही पड़ता है।

डीपीसीओ 2013 के तहत दवा की कीमत तय करने की प्रक्रिया

ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर सरकार का आदेश है, जिसका मकसद जरूरी दवाओं की कीमत नियंत्रित रखना है, ताकि कंपनियां मनमानी कीमत न वसूल सकें। डीपीसीओ 2013 के तहत नेशनल लिस्ट ऑफ एसेंशियल मेडिसिन्स में शामिल जरूरी दवाओं की अधिकतम कीमत सरकार तय करती है। इसके लिए बाजार में बिक रही दवाओं की औसत कीमत के आधार पर सीलिंग प्राइस (अधिकतम सीमा) तय की जाती है। इस कीमत से ज्यादा पर दवा बेचना गैरकानूनी है। स्वास्थ्य मंत्रालय की विशेषज्ञ समिति दवाओं की कीमत को देखे।

सुप्रीम कोर्ट ने 10 गुना मुनाफे पर सवाल उठाए

कोर्ट ने दवाओं पर 10 गुना या उससे ज्यादा मुनाफे के आरोप और डीपीसीओ, 2013 के तहत जरूरी व गैर-जरूरी दवाओं के अलग-अलग नियमों पर भी सवाल किए। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने माना कि यह गंभीर मुद्दा है। उन्होंने कहा कि ऐसा समाधान जरूरी है, जिसमें मरीजों, सरकार और फार्मा कंपनियों सभी के हितों का संतुलन रहे। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, जिन दवाओं की कीमत सरकार तय करती है, उनका बाजार में हिस्सा कम है। वहीं, जिनकी कीमत सरकार की तरफ से तय नहीं की गई है, उनका बाजार में करीब 80 फीसदी या उससे ज्यादा हिस्सा है। उनकी शुरुआती एमआरपी तय करने में कंपनियों को ज्यादा छूट मिलती है।

सौरभ भारद्वाज-विधायक जरनैल पर एफआईआर

हेड कांस्टेबल केजरीवाल का बना रहा था वीडियो

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के तिलक नगर में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर आरोप है कि उन्होंने सादे कपड़ों में मौजूद दिल्ली पुलिस के एक हेड कॉन्स्टेबल को घेरकर मारपीट की। अरविंद केजरीवाल सोमवार को यहां दौरे पर थे और पुलिसकर्मी मोबाइल से

केजरीवाल की रिकॉर्डिंग कर रहा था। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने सौरभ भारद्वाज, जरनैल सिंह, साहिब सिंह और एएपी कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। वहीं, सौरभ भारद्वाज और विधायक जरनैल सिंह को पुलिस ने पुलिस हेडक्वार्टर के बाहर प्रदर्शन के दौरान हिरासत में ले लिया।

बांग्लादेश के आतंकी संगठन से पश्चिम बंगाल को खतरा!

● आतंकी मॉड्यूल और स्लीपर सेल बनाने की है तैयारी ● एनआईए ने 5 जगहों पर मारी रेड, एक युवक हिरासत में

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में कथित तौर पर आतंकी मॉड्यूल और स्लीपर सेल बनाने की कोशिश कर रहे आतंकी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश की जांच-पड़ताल में एनआईए ने पश्चिम बंगाल के विभिन्न जगहों पर छापेमारी अभियान चलाया है। असम में दर्ज एक केस के आधार पर, इन्वेस्टिगेटर ने मंगलवार सुबह पश्चिम बंगाल में डायमंड हार्बर, बर्दवान और दक्षिण दिनाजपुर समेत कुल 5 इलाकों में एक साथ सर्च ऑपरेशन शुरू किया। सूत्रों के मुताबिक दक्षिण दिनाजपुर जिले के बंशीहारी थाने के कुशकारी मुंडेहार गांव में छापा मारा।

एक युवक को हिरासत में लिया

उधर जांच एजेंसी अधिकारी सुबह पूर्वी बर्दवान के मंगलकोट पहुंचे। उन्होंने वहां एक युवक को हिरासत में लिया। एनआईए का दावा है कि इस व्यक्ति के बांग्लादेश में प्रतिबंधित संगठन जमातुल मुजाहिदीन से संबंध हैं। अधिकारी अब उससे पूछताछ कर रहे हैं। दूसरी ओर, जांचकर्ताओं ने दक्षिण दिनाजपुर जिले के बंशीहारी थाने के कुशकारी इलाके में मुजीबुर रहमान नाम के व्यक्ति के घर में भी छापेमारी की। 5 लोगों का एक दल इलाके में उसके घर पर पहुंचे।

देश के पिछले कई चुनावों में हुई है फिक्सिंग

● राहुल बोले-मुख्य चुनाव आयुक्त समझौता कर चुके हैं ● कांग्रेस की आयोग-सरकार के खिलाफ रणनीति पर बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की मंगलवार को ढाई घंटे बैठक हुई। इसमें राहुल गांधी ने कहा, मुख्य चुनाव आयुक्त पूरी तरह समझौता कर चुके हैं और देश की चुनाव व्यवस्था 'फिक्स' है। हाल के सभी चुनाव अवैध हैं। राहुल ने कहा, चाहे एसआईआर हो या मतदाता सूची, दोनों से छेड़छाड़ की गई है। दोनों का इस्तेमाल भाजपा चुनाव जीतने की रणनीति के तौर पर कर रहे है। बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तत्काल इस्तीफा दें। एसआईआर तत्काल रोकी जाए। हटाए गए 13 करोड़ 30 लाख नाम बहाल किए जाएं, प्रस्ताव पास किए गए। बैठक में 68 सदस्यों ने हिस्सा लिया। कांग्रेस ने कहा कि उनकी पार्टी वोटर लिस्ट और चुनाव प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी के मुद्दों को संसद में उठाएगी और प्रदर्शन करेगी।

पीएम मोदी ने युवाओं को वोट देने से रोकने की साजिश रची

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार मोदी सरकार की कठपुतली बन गए हैं। उन्हें तुरंत हटाया जाना चाहिए। मोदी सरकार ने व्यवस्थित रूप से उस मजबूत लोकतांत्रिक नींव को खोखला कर दिया है जिसे हमारे पूर्वजों ने बनाया था। युवाओं को वोट देने से रोकने की साजिश- पीएम मोदी ने युवाओं को वोट देने से रोकने की साजिश रची है। फॉर्म 6 से जुड़े नियमों में गैरकानूनी तरीके से बदलाव किया गया।

आतंकवाद पर सहानुभूति नहीं, तो रिश्ते प्रभावित होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिका दौरे के दौरान भारत-अमेरिका संबंधों में पिछले डेढ़ वर्षों से चले आ रहे तनाव पर खुलकर बात की। एशिया सोसायटी में सोमवार को हुए कार्यक्रम में उन्होंने साफ कहा कि व्यापार मतभेद और पाकिस्तान-पोषित आतंकवाद, ये दोनों मुद्दे भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने संकेत दिया कि अगर साझेदार देश भारत की प्रमुख संवेदनाओं का ख्याल नहीं रखते, तो उसका असर द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ेगा।

एससीओ की बैठक में शामिल हुए, पीएम मोदी को न्योता दे सकता है इस्लामाबाद

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार पाक पहुंचा भारतीय दल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के करीब डेढ़ साल बाद भारत ने एससीओ की बैठक में शामिल होने के लिए अपना एक सीनियर अधिकारी पाकिस्तान भेजा है। विदेश मंत्रालय के एडिशनल सेक्रेटरी और भारत के एससीओ को-ऑर्डिनेटर आलोक डिमरी सोमवार से इस्लामाबाद में शुरू हुई बैठक में भारतीय टीम की अगुवाई कर रहे हैं।

यह बैठक बुधवार तक चलेगी। बैठक में पाकिस्तान की अध्यक्षता में होने वाले एससीओ के कार्यक्रमों, आने वाली बैठकों की तैयारियों और संगठन से जुड़े दूसरे मुद्दों पर चर्चा होगी। पाकिस्तान में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को न्योता दिए जाने की भी संभावना है।

● **पाकिस्तान से द्विपक्षीय बातचीत नहीं करेगा भारत-** भारत ने साफ किया है कि पाकिस्तान में एससीओ की बैठक में शामिल होने का मकसद सिर्फ संगठन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करना है। भारत एससीओ के मंच पर पाकिस्तान के साथ सहयोग जारी रखेगा, लेकिन दोनों देशों के बीच अलग से द्विपक्षीय बातचीत नहीं होगी। भारत का रुख रहा है कि पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए आतंकवाद से मुक्त माहौल जरूरी है। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले और इसके बाद मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुए सैन्य टकराव के बाद भारत ने कहा था कि आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर अक्टूबर 2024 में एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल होने पाकिस्तान गए थे। वे करीब 9 साल बाद पाकिस्तान जाने वाले पहले भारतीय विदेश मंत्री थे।

दिल्ली की जज ने रेप पीड़ित बच्ची को लिखा 'स्पेशल' लेटर

रजनी रंगा ने लिखा-हम तुम्हारा बचपन लौटा नहीं सकते

लेकिन साहस याद रखेंगे, दोषी कभी आजाद नहीं होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की ट्रायल कोर्ट जज रजनी रंगा ने 10 साल की रेप पीड़ित बच्ची के लिए फैसला सुनाने के बाद एक खास लेटर लिखा। इसमें उन्होंने कहा- हम तुम्हारा बचपन तो नहीं लौटा सकते, लेकिन तुम्हारी हिम्मत याद रखेंगे। जिसने तुम्हें चोट पहुंचाई, वह अब कभी जेल से बाहर नहीं आ पाएगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने अब इस लेटर को बच्ची या उसके परिवार तक पहुंचाने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने इसे 'करेज नोट' यानी साहस का संदेश बताया। नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को इसे प्रिंट कर दो हफ्ते में बच्ची तक पहुंचाने को कहा गया है। मामला 23 जुलाई 2023 का है। उस समय बच्ची 7 साल की थी। उसके माता-पिता ने सुमित शक्य के खिलाफ रेप की शिकायत की थी। बच्ची उसे अंकल कहती थी। पीड़ित ने कोर्ट से कहा था कि अंकल को छोड़ना नहीं।

अनमोल वचन

चलती चक्की में कीली के निकट जो दाने लगे रह जाते हैं वे साबुत बचे रहते हैं, परन्तु जो कीले से इधर उधर रहते हैं अथवा हट जाते हैं वे पिस जाते हैं। ऐसे ही संसार रूपी चक्की के पाटो के मध्य परमात्मा रूपी कीले के निकट जो रहता है, उसको अपने को जोड़े रखता है वह बच जाता है। स्वयं को प्रकाशित करने के लिये प्रभु के प्रकाश से निकटता बहुत जरूरी है। अति निकटता से ही उसके ताप का अनुभव होगा, दूर से तो उसके अस्तित्व का बोध ही हो सकता है। जब प्रभु की निकटता प्राप्त होगी अन्तर में उसका प्रकाश उतरेगा। हमारे भीतर भी प्रभु के गुण आने लगेंगे। प्रभु को पाना है तो उससे प्रेम करना सीखो। विशुद्ध प्रेम बिना छल कपट के, बिना स्वार्थ के; फिर प्रभु नहीं देखते कि कौन किस पंथ का है, कौन उन्हें किस रूप में भजता है। कौन पढ़ा लिखा है, कौन अनपढ़ है; कौन किस जाति का है, किस लिंग का है, किस सम्प्रदाय का है, काला है या गोरा है। वह अपना स्नेह उड़ेल देते हैं जिससे भक्त निहाल हो जाता है। परन्तु स्मरण कि निष्पाप, निष्कलंक हुए बिना प्रभु की निकटता प्राप्त नहीं की जा सकती।

एशियन गेम्स में भारत को स्वर्ण दिलाने वाले अर्जुन देशवाल का मुजफ्फरनगर में जोरदार स्वागत

पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान के पिता समेत गणमान्य लोगों ने किया सम्मान, अर्जुन की उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी की लहर

मुजफ्फरनगर। जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन गेम्स-2026 में भारतीय पुरुष कबड्डी टीम के स्वर्ण पदक जीतने के बाद मुजफ्फरनगर के लाल अर्जुन देशवाल का जनपद में पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। अर्जुन देशवाल भारतीय टीम की स्वर्ण पदक विजेता टीम का हिस्सा रहे और फाइनल मुकाबले में उनके प्रदर्शन की भी अहम भूमिका रही। भारत ने फाइनल में ईरान को 40-34 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अर्जुन देशवाल की इस उपलब्धि से उनके पैतृक गांव बसेड़ा समेत पूरे मुजफ्फरनगर में खुशी का माहौल है। विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों से जुड़े लोगों ने अर्जुन को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसी क्रम में पूर्व मंत्री संजीव बालियान के पिता डॉ. सुरेंद्र सिंह, शंकर सिंह भोला, हिंदू संघर्ष समिति के संयोजक नरेंद्र पवार उर्फ साधु गुर्जर, भाजपा नेता हरेंद्र शर्मा, अमित राठी सहकारी समिति के अध्यक्ष, नरेश गुर्जर, राजवीर ठेकेदार, अजय पवार, सचिन प्रधान धमात समेत अन्य लोगों ने अर्जुन देशवाल का स्वागत किया।

फाइनल में ईरान को हराकर जीता स्वर्ण

एशियन गेम्स-2026 के पुरुष कबड्डी फाइनल में भारत और ईरान के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ईरान को 40-34 से पराजित किया। मुकाबले में भारत की ओर से अर्जुन देशवाल ने आक्रामक खेल के साथ टीम के लिए महत्वपूर्ण अंक जुटाए। इस जीत के साथ भारत ने एशियन गेम्स में पुरुष कबड्डी का अपना नौवां स्वर्ण पदक हासिल किया। अर्जुन देशवाल को भारतीय टीम के प्रमुख रेडरों में शामिल किया गया था।

आधिकारिक प्रो कबड्डी रिपोर्ट के अनुसार फाइनल में अर्जुन देशवाल और देवांक दलाल ने भारत के आक्रमण की कमान संभाली, जबकि भारतीय डिफेंस ने भी निर्णायक मौकों पर महत्वपूर्ण प्रदर्शन किया।

बसेड़ा से शुरू हुआ कबड्डी का सफर

मुजफ्फरनगर के बसेड़ा गांव निवासी अर्जुन देशवाल ने बेहद कम उम्र में कबड्डी खेलना शुरू किया था। स्थानीय मैदान से शुरू हुआ उनका सफर आगे चलकर भारतीय सेना और प्रो कबड्डी लीग तक पहुंचा। अर्जुन प्रो कबड्डी लीग में भी खेल चुके हैं और उनके प्रदर्शन ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। जानकारी के अनुसार अर्जुन ने छह वर्ष की उम्र में कबड्डी खेलना शुरू किया था। गांव के मैदान में अभ्यास के बाद उन्होंने स्कूल स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाई और आगे चलकर प्रदेश तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में स्थान बनाया।

भारतीय सेना में चयन के बाद बढ़ता गया कद

अर्जुन देशवाल का चयन खेल कोटे के माध्यम से भारतीय सेना में भी हुआ। इसके बाद उन्होंने सर्विसेज टीम के लिए खेलते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रो कबड्डी लीग में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में अपनी जगह बनाई। 2024 में उन्हें खेल कोटे के तहत पुलिस उपाधीक्षक के पद पर नियुक्ति मिली थी और वर्तमान में उनकी तैनाती मुरादाबाद में बताई गई है।

एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बड़ी उपलब्धि

अर्जुन देशवाल इससे पहले 2022 में चीन के हांगझोउ में हुए एशियन गेम्स में भी भारतीय स्वर्ण पदक विजेता टीम का हिस्सा रह चुके हैं। 2026 में जापान में आयोजित एशियन गेम्स में उन्होंने एक बार फिर भारतीय टीम के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। इस तरह एशियन गेम्स में यह उनका लगातार दूसरा स्वर्ण पदक है।

स्वागत करने पहुंचे लोगों ने बढ़ाया हौसला

अर्जुन के स्वागत के दौरान मौजूद लोगों ने उनकी उपलब्धि को मुजफ्फरनगर और पूरे उत्तर प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया। स्वागत करने वालों ने कहा कि अर्जुन ने अपनी मेहनत और खेल प्रतिभा के दम पर देश और जनपद का नाम रोशन किया है। लोगों ने उन्हें भविष्य में भी इसी तरह देश के लिए पदक जीतने और नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को प्रेरित करने की शुभकामनाएं दीं। अर्जुन देशवाल की सफलता से बसेड़ा और आसपास के क्षेत्र में भी उत्साह का माहौल है। उनके गांव में परिजन और ग्रामीण पहले ही भारत की जीत के बाद मिठाई बांटकर खुशी मना चुके हैं।

घर में घुसकर परिवार पर लाठी-डंडों व धारदार हथियारों से हमला, युवती से छेड़छाड़

मुजफ्फरनगर। सिखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव भटौड़ा में पुरानी रंजिश को लेकर एक परिवार के घर में घुसकर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि हमलावरों ने परिवार के लोगों के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और परिवार की एक युवती के साथ छेड़छाड़ की। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि घटना की सूचना पर डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन पुलिस की मौजूदगी में भी आरोपितों ने मारपीट जारी रखी। शोर-शराबा होने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और परिवार को बचाया। मामले में सिखेड़ा पुलिस ने तहरीर के आधार पर आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव भटौड़ा निवासी अनिल पुत्र ओमपाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गांव के ही सुखपाल पुत्र महेन्द्र, जयदीप पुत्र सुखपाल, शुभम पुत्र प्रमोद, विनोद पुत्र विक्रम, शेखर पुत्र सुशील, पंकज पुत्र ज्ञानसिंह, अरुण पुत्र कल्लू और छोटू पुत्र शिवकुमार से उसकी और उसके परिवार की काफी समय से रंजिश चली आ रही है। तहरीर के मुताबिक अनिल और उसके परिवार के लोग अपने घर पर बैठे हुए थे। आरोप है कि इसी दौरान सभी नामजद लोग हाथों में लाठी-डंडे और धारदार हथियार लेकर जबरन घर में घुस आए। घर में घुसते ही आरोपितों ने परिवार के लोगों के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और उन पर हमला कर दिया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान परिवार की लड़की शिवानी के साथ भी छेड़छाड़ की गई। घटना से परिवार में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद अनिल और उसके परिवार के लोगों ने पुलिस को डायल-112 पर सूचना दी।

अनिल का आरोप है कि सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन पुलिस की मौजूदगी में भी विपक्षी पक्ष के लोगों ने उसके और परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट शुरू कर दी। इससे मौके पर हंगामा और शोर-शराबा होने लगा। शोर सुनकर मोहल्ले के चांदपाल पुत्र कालू, राजवीर पुत्र अतर, मनोज पुत्र अतर, पवन पुत्र चमन, रोहताश पुत्र कल्लीराम और सूरजमल पुत्र ओमपाल सिंह समेत कई अन्य लोग मौके पर पहुंच गए। तहरीर के अनुसार, ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर किसी तरह अनिल और उसके परिवार को हमलावरों से बचाया। पीड़ित का आरोप है कि यदि आसपास के लोग समय पर मौके पर नहीं पहुंचते तो आरोपित उसके और उसके परिवार के साथ गंभीर घटना कर सकते थे। आरोप है कि मौके से जाते समय भी हमलावरों ने धमकी दी कि आज तो मोहल्ले के लोगों ने उन्हें बचा लिया, लेकिन आगे मौका मिलने पर जान से मार देंगे।तहरीर में अनिल ने आरोपितों को दबंग और झगड़ालू बताते हुए कहा कि घटना के बाद उसका परिवार डरा हुआ है। उसने पुलिस से मुकदमा दर्ज कर आरोपितों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने तथा अपने और परिवार के जान-माल की सुरक्षा की मांग की। पीड़ित की तहरीर पर सिखेड़ा पुलिस ने आठ नामजद आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मोरना में भारी बारिश से गन्ना व धान की फसलें तबाह: किसानों के सामने गहराया आर्थिक संकट, मुआयने और मुआवजे की उठी मांग

खड़ी धान की फसल पानी के तेज बहाव और हवा के कारण खेतों में ही बिछी

मोरना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र में बीते तीन दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने किसानों की कमर तोड़ दी है। रिकॉर्ड बारिश के कारण खेतों में जलभराव हो जाने से धान, गन्ना और हरे चारे की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। कई स्थानों पर पककर तैयार खड़ी धान की फसल पानी के तेज बहाव और हवा के कारण खेतों में ही बिछ गई है। इस प्राकृतिक आपदा से किसानों के सामने भारी आर्थिक संकट खड़ा हो गया है, जिसके चलते पीड़ितों ने शासन-प्रशासन से सर्वे कराकर जल्द मुआवजा देने की गुहार लगाई है।

मोरना ब्लॉक क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानी जाने वाली फसलों पर इस बारिश का सबसे बुरा असर पड़ा है। भोकरहेड़ी के मोहल्ला कुआंपट्टी निवासी किसान विनोद कुमार ने अपना दर्द साझा करते हुए बताया कि उनकी पांच बीघा धान की फसल पूरी तरह पककर तैयार थी। लगातार तीन दिनों की बारिश से पूरी फसल खेत में गिरकर बर्बाद हो गई है, जिससे अब फसल की लागत निकाल पाना भी नामुमकिन नजर आ रहा है।

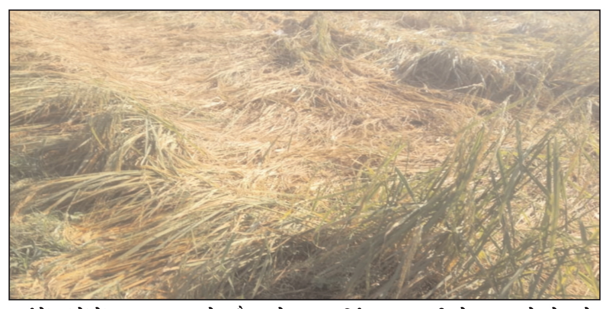

दर्जनों गांवों में जलभराव, चारे और गन्ने की फसल को भी भारी नुकसान

बारिश का प्रकोप केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। क्षेत्र के गाँव शुक्रताल, फिरोजपुर, बिहारगढ़, योगेंद्र नगर, मजलिसपुर तौफीर, महाराज नगर, खैर नगर, सीताबपुरी, रुड़कली और तिस्सा आदि सभी गांवों के निचले इलाकों में पानी भर जाने से गन्ने, धान और पशुओं के चारे की फसलें पूरी तरह डूब गई हैं। किसानों का कहना है कि खेतों में पानी रुकने से पौधे सड़ने लगे हैं, जिससे उन्हें लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

राजस्व टीम से सर्वे कराकर मुआवजा देने की उठाई मांग

आर्थिक बदहाली से जूझ रहे क्षेत्र के पीड़ित किसानों ने शासन व जिला प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि प्रभावित गांवों में राजस्व विभाग की टीमों को तुरंत भेजा जाए। फसलों के नुकसान का स्थलीय निरीक्षण व सर्वे कराकर पीड़ितों को उचित आर्थिक मुआवजा दिया जाए, ताकि वे इस संकट से उबर सकें। वहीं भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय मंत्री अमित राठी ने बताया कि बारिश से हुए नुकसान का आकलन कराने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों से बात की गई है और जल्द ही किसान प्रतिनिधिमंडल अधिकारियों से मिलकर राहत राशि की मांग रखेगा।

दीवार के विवाद में घर में घुसकर मारपीट का आरोप, पिता-पुत्र घायल; पति-पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

जानसठ में पड़ोसी से चल रहा है दीवार को लेकर विवाद, तहरीर में हाकी-डंडे से हमला करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप; बेटे के हाथ में फ्रैक्चर

मुजफ्फरनगर। जानसठ कस्बे के मोहल्ला मिश्राण में दीवार को लेकर चल रहे पुराने विवाद ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया। एक पक्ष ने अपने पड़ोसी दंपती पर घर में घुसकर गाली-गलौज करने, हाकी और डंडे से पिता-पुत्र के साथ मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी पति-पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मारपीट में घायल पिता-पुत्र का पुलिस द्वारा चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया, जिसमें बेटे के हाथ में फ्रैक्चर की बात सामने आने का तहरीर में उल्लेख किया गया है।

जानसठ कोतवाली में दी गई तहरीर के अनुसार मोहल्ला मिश्राण निवासी सुदेश कुमार शर्मा का अपने पड़ोसी विनोद पुत्र समय सिंह से दीवार को लेकर विवाद चल रहा है। तहरीर में बताया गया कि इस विवाद से संबंधित वाद न्यायालय में विचाराधीन है। आरोप है कि इसी विवाद को लेकर विनोद और उसकी पत्नी अलका आए दिन सुदेश शर्मा और उनके परिवार के साथ विवाद करते रहते हैं।

गली में कूड़ा फेंकने को लेकर शुरू हुआ विवाद

सुदेश शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया की सुबह करीब साढ़े नौ बजे वह गली से होकर जा रहे थे। इसी दौरान विनोद ने अपनी छत से उनके ऊपर कूड़ा फेंक दिया। सुदेश के अनुसार उन्होंने इसका विरोध किया तो मामला बढ़ गया। आरोप है कि इसके बाद विनोद हाथ में हाकी और उसकी पत्नी अलका डंडा लेकर उनके घर में घुस आए।

घर में घुसकर गाली-गलौज और मारपीट का आरोप

तहरीर में सुदेश शर्मा ने आरोप लगाया कि आरोपी दंपती ने घर में घुसकर गाली-गलौज की और परिवार के लोगों को बाहर निकलने के लिए कहा। आरोप है कि इसके बाद दोनों ने सुदेश शर्मा और उनके पुत्र दीपांशु के साथ हाकी और लात-घूंसों से मारपीट की। मारपीट में सुदेश के हाथ, कोहनी के पास तथा अंगूठे में गंभीर चोट आने की बात तहरीर में कही गई है।

बेटे के हाथ में फ्रैक्चर का दावा

सुदेश शर्मा के अनुसार घटना के बाद पुलिस ने उनका और उनके पुत्र दीपांशु का चिकित्सकीय परीक्षण कराया। तहरीर में दावा किया गया है कि एक्सरे रिपोर्ट में दीपांशु के हाथ में फ्रैक्चर सामने आया है। घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कराया, जिसके बाद मामला शांत हुआ।

परिवार को जान से मारने की धमकी देने का आरोप

तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि मारपीट के दौरान आरोपी पक्ष ने सुदेश शर्मा और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित पक्ष ने पुलिस से कहा है कि वह आरोपी पति-पत्नी से भयभीत है और भविष्य में परिवार के साथ किसी गंभीर घटना की आशंका है।

ट्रक से कार में टक्कर के बाद लोहे की रॉड से हमला करने का आरोप

वेदांता फार्म के पास कार सवार युवक पर हमले का मामला, कान और हाथ पर चोट आने का दावा; कार के शीशे तोड़े, जान से मारने की धमकी देने का आरोप, खालापार पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया

मुजफ्फरनगर। खालापार थाना क्षेत्र में वेदांता फार्म के निकट राणा चौक के पास कार में पीछे से ट्रक की टक्कर मारने के बाद कार सवार युवक के साथ कथित तौर पर मारपीट करने और लोहे की रॉड से हमला करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने ट्रक चालक और उसके दो अज्ञात साथियों पर जानबूझकर कार में टक्कर मारने, लोहे की रॉड से कान और हाथ पर वार करने तथा कार के शीशे तोड़ने का आरोप लगाया है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर खालापार पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

वेदांता फार्म के पास पीछे से ट्रक ने मारी टक्कर

शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव काकड़ा निवासी गौरव सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 27 सितंबर 2026 की रात करीब साढ़े आठ बजे वह अपनी मारुति इग्निस कार संख्या यूपी-12 सीए-2964 से अपने साथी काश मलिक पुत्र जगदीश मलिक निवासी ककड़ा के साथ जा रहे थे। जब वह वेदांता फार्म के निकट राणा चौक के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे ट्रक ने उनकी कार में टक्कर मार दी।

गौरव सिंह का आरोप है कि ट्रक चालक ने उनकी कार में एक बार नहीं, बल्कि बार-बार जानबूझकर टक्कर मारी। तहरीर में ट्रक का नंबर यूपी डीटी-4445 और चालक का नाम जावेद त्यागी पुत्र सईदू त्यागी निवासी सुजड़ू बताया गया है। आरोप है कि टक्कर के बाद मामला सड़क पर ही विवाद में बदल गया और ट्रक चालक के साथ मौजूद दो अज्ञात व्यक्ति भी वहां पहुंच गए।

लोहे की भारी रॉड से कान और हाथ पर वार करने का आरोप

तहरीर के अनुसार, ट्रक चालक और उसके दोनों साथियों ने गौरव सिंह के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि दोनों अज्ञात व्यक्तियों ने लोहे की भारी रॉड से उनके कान और हाथ पर प्रहार किए। हमले में कान और हाथ में चोट लगने की बात तहरीर में कही गई है। गौरव सिंह के अनुसार, उनके साथ मौजूद काश मलिक ने बीच-बचाव कर उन्हें बचाने का प्रयास किया।

कार के शीशे तोड़ने का भी आरोप

पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने उनकी कार को भी निशाना बनाया। तहरीर के मुताबिक, तीनों आरोपियों ने लोहे की रॉड से कार के सामने का शीशा और आगे की दोनों खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए। इसके बाद आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए।

साथी ने बचाया, फिर थाने पहुंचे

घटना के बाद गौरव सिंह अपने साथी काश मलिक के साथ थाना खालापार पहुंचे और पुलिस को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। उन्होंने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच

पुलिस ने तहरीर के आधार पर ट्रक चालक जावेद त्यागी और दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब घटना की परिस्थितियों, मौके पर मौजूद लोगों और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर सकती है। इसके अलावा ट्रक और क्षतिग्रस्त कार से जुड़े साक्ष्यों को भी जांच में शामिल किया जाएगा।

भोपा गंग नहर में कार सवार ने किया छलांग लगाने का प्रयास: ट्रक चालक की देवदूत बन बचाई जान

मुजफ्फरनगर के नई मंडी थाना क्षेत्र का रहने वाला था शख्स

मोरना (मुजफ्फरनगर)। पारिवारिक कलह और गुस्से में आकर उठाए गए एक खौफनाक कदम के बीच एक अनजान ट्रक चालक देवदूत बनकर सामने आया। मुजफ्फरनगर जिले के थाना व गांव भोपा क्षेत्र स्थित गंग नहर पुल पर मंगलवार तड़के उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कार से पहुंचे एक व्यक्ति ने नहर में छलांग लगाकर जान देने की कोशिश की। ऐन वक्त पर पत्नी की चीख-पुकार सुनकर वहां से गुजर रहे एक ट्रक ड्राइवर ने बहादुरी दिखाते हुए व्यक्ति को दबोच लिया और एक हंसता-खेलता परिवार उजड़ने से बचा लिया।

तड़के कार से गंग नहर पुल पहुंचे थे पति-पत्नी

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुजफ्फरनगर के नई मंडी थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले दंपति के बीच बीती रात किसी बात को लेकर तीखी बहस और विवाद हो गया था। विवाद इतना गहरा गया कि मंगलवार की अलसुबह पति अपनी कार में पत्नी और दो मासूम बच्चों–तीन वर्षीय बालिका तथा नौ माह के दूधमुहे पुत्र को लेकर घर से निकल गया। भोपा में गंग नहर पुल पर पहुंचकर उसने कार रोक दी और अचानक नहर की ओर दौड़ पड़ा। पति को नहर की ओर जान देने के इरादे से बढ़ता देख पत्नी बदहवास होकर जोर-जोर से चिल्लाने लगी। बच्चों के रोने और महिला के चीखने से इलाके में हड़कंप मच गया।

ट्रक चालक की फुर्ती से टला बड़ा हादसा

जिस समय यह घटनाक्रम चल रहा था, ठीक उसी वक्त पुल से एक ट्रक गुजर रहा था। महिला का शोर और स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए ट्रक चालक ने बिना एक पल गंवाए ट्रक को आनन-फानन में बीच रास्ते रोक दिया। चालक ने दौड़कर नहर की रेलिंग की तरफ बढ़ रहे व्यक्ति को ऐन मौके पर कसकर पकड़ लिया और खींचकर सुरक्षित दूरी पर ले आया। शोर-शराबा सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर भी मौके पर एकत्र हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने ट्रक चालक की इस सूझबूझ और तत्परता की जमकर सराहना की।

पुलिस ने परिजनों को बुलाकर व्यक्ति को सौंपा

घटना की सूचना तुरंत स्थानीय भोपा थाना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम दंपति और उनके दोनों बच्चों को सुरक्षित थाने ले आई। थाने में पुलिस अधिकारियों ने दंपति की काउंसलिंग की और घटना की जानकारी उनके परिजनों को दी। सूचना पाकर थाने पहुंचे परिजनों के सामने पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर शांत कराया। आवश्यक कागजी कार्रवाई और परिजनों द्वारा दिए गए आश्वासन के बाद व्यक्ति को परिजनों के सुपुर्द कर घर भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि समय रहते स्थिति पर काबू पा लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

मोरना में कम्हेड़ा नहर पुल से बाइक चोरी: मूल दस्तावेजों से भरा बैग भी पार, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

ककरौली पुलिस ने अज्ञात चोरों की तलाश कर जांच शुरू की

मोरना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के कम्हेड़ा नहर पुल के पास से अज्ञात बदमाशों ने एक युवक की खड़ी मोटरसाइकिल और उस पर रखा बैग पार कर दिया। बैग में बाइक के मूल दस्तावेज भी रखे हुए थे। पीड़ित की तहरीर के आधार पर ककरौली पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर घटना के खुलासे के प्रयास तेज कर दिए हैं।

काम से गए पीड़ित की गायब हुई बाइक

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुरकाजी थाना क्षेत्र के गांव गोधना निवासी परवेज आलम पुत्र अज्ञात बीते 8 सितंबर की दोपहर अपनी मोटरसाइकिल से मोरना क्षेत्र में आए थे। कम्हेड़ा नहर पुल के पास बाइक खड़ी कर वह किसी व्यक्तिगत काम से पास में ही गए थे। थोड़ी देर बाद जब वे वापस लौटे, तो मौके से मोटरसाइकिल गायब थी और उस पर टंगा बैग भी नदारद था।

बैग में रखे थे बाइक के जरूरी कागजात

पीड़ित परवेज आलम ने बताया कि चोरी हुए बैग में बाइक के मूल कागजात (आरसी आदि) रखे हुए थे। आसपास के इलाके और स्थानीय लोगों से काफी पूछताछ व खोजबीन के बाद भी जब बाइक का कोई सुराग नहीं लगा, तो उन्होंने ककरौली थाना पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने शुरू की सीसीटीवी कैमरों की जांच

ककरौली थाना पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर संज्ञान लेते हुए अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कम्हेड़ा नहर पुल व आसपास के प्रमुख मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि संदिग्धों की पहचान कर बाइक की जल्द से जल्द बरामदगी की जा सके।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222, मो. 9412211222
e-mail Address : royalbulletin@gmail.com

कार्यालय नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर

पत्रांक: 2414 / सा०प्र० / 2026-27 दिनांक: 29/09/2026

ई-निविदा सूचना।

नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर के मार्ग प्रकाश विभाग द्वारा नगर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर 16 मी० हाईमास्ट लगाये जाने के कार्य को कराये जाने हेतु व्यापार कर / आयकर / जी०एस०टी० पंजीकृत अनुभवी विक्रेता अथवा निमार्ता कम्पनी से ई-निविदा दिनांक 21-10-2026 की अपराह्न 3:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। वेबसाईट https://etender.up.nic.in/nicgep/app पर निविदा फार्म ऑनलाईन दिनांक 30-09-2026 की प्रातः 10 बजे से दिनांक 21-10-2026 की अपराह्न 3:00 बजे तक डाउनलोड तथा अपलोड किया जा सकता है। साथ ही निविदादाता को स्वघोषणा पत्र देना अनिवार्य होगा, यह स्वघोषणा पत्र अंकन रू० 100/- के स्टॉम्प पेपर पर नोटरी द्वारा सत्यापित होना आवश्यक है। कार्य की 10 प्रतिशत धरोहर राशि एफ०डी०आर० / एन०एस०सी० आदि के रूप में जो अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर के नाम बन्धक होगी जो निविदा के समय स्कैन की जानी आवश्यक है। तथा निविदा मूल्य (जी०एस०टी० सम्मिलित करते हुए) का ड्राफ्ट नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर के पक्ष मे जारी कराते हुए दिनांक 21-10-2026 की प्रातः 10 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक कार्यालय मार्ग प्रकाश विभाग में रखे बॉक्स में जमा किया जाना अनिवार्य है। प्राप्त ई-निविदाओं को दिनांक-21-10-2026 को सायं 04:00 बजे अधिशासी अधिकारी के समक्ष खोला जायेगा। यदि निविदा तिथि को अवकाश होता है, तो निविदा अगले कार्यदिवस को सायं-04:00 बजे खोली जायेगी। उक्त कार्य पालिका निधि / राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत स्वीकृत है।

मार्ग प्रकाश प्रभारी
नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर

॥ ॐ शांति ॐ ॥

तेरहवीं रस्म

॥ भावपूर्ण श्रद्धांजलि ॥

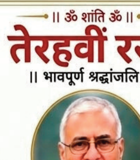

"स्मृतियाँ सदा हमारे साथ रहेंगी"

स्व. श्री राजकुमार गुप्ता
(पुत्र स्व. श्री नानूमल जी)

मान्यवर,
अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूज्यनीय श्री राजकुमार गुप्ता जी का स्वर्गवास रविवार, 20 सितम्बर 2026 को हो गया था। प्रभु की ऐसी ही इच्छा थी।
जिनकी रस्म पगड़ी बुधवार, 30 सितम्बर 2026 को निम्न कार्यक्रमानुसार होनी निश्चित हुई है।

ब्रह्म भोज	प्रातः 11 बजे
रस्म पगड़ी / शोकसभा	दोपहर 2 बजे

— शोकसभा स्थान : —
आशीर्वाद बैंक्वेट हॉल
लक्ष्मण बिहार, निकट जानसठ बस स्टैंड, मुजफ्फरनगर

लोकेशन स्कैन करें

— शोकाकुल परिवार —
गजेन्द्र गुप्ता, यशपाल गुप्ता (भाई)
अमित गुप्ता, पुनीत गुप्ता (पुत्र)
नीरज गुप्ता, प्रियंक गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, मयंक गुप्ता, विशाल गुप्ता,
विकास गोयल, अंकित गोयल (भतीजे)
अक्षत गोयल, सक्षम गोयल (पोत्र)
एवं समस्त गोयल गरिवार (नैनशोब वाले)

रॉयल बुलेटिन

मुजफ्फरनगर समाचार

बुधवार 30 सितम्बर 2026 पृष्ठ 3

काली माता मंदिर में किशोरी से छेड़छाड़ के आरोप के बाद युवक की पिटाई, चार आरोपी और बाल अपचारी गिरफ्तार

गौशाला रोड स्थित मंदिर परिसर में युवक को घेरकर लाठी-डंडों और मुक्कों से पीटने का मामला, जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल और जान से मारने की धमकी का आरोप, एससी-एसटी एक्ट समेत धाराओं में मुकदमा

मुजफ्फरनगर। शहर कोतवाली क्षेत्र के गौशाला रोड स्थित काली माता मंदिर परिसर में किशोरी के साथ कथित छेड़छाड़ के आरोप के बाद युवक को घेरकर बेरहमी से पीटने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों और एक बाल अपचारी को गिरफ्तार किया है। घटना सोमवार शाम की है। किशोरी के साथ युवक को आपत्तिजनक स्थिति में देखे जाने का आरोप लगाते हुए कुछ लोगों ने उसे पकड़ लिया था। इसके बाद मंदिर परिसर में भीड़ जुट गई और युवक के साथ मारपीट शुरू हो गई। युवक को जमीन पर गिराकर लाठी-डंडों और मुक्कों से पीटे जाने का वीडियो भी सामने आया था। पुलिस ने घायल युवक के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करने के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी की है। तीन महीने से मंदिर में सफाई का काम कर रहा था युवक

पुलिस और शिकायत में सामने आए विवरण के अनुसार गांव बामनहेड़ी निवासी फूल कुमार का करीब 20 वर्षीय पुत्र सतेन्द्र काली नदी क्षेत्र में गौशाला के पास स्थित राधा-कृष्ण मंदिर परिसर में देखरेख और साफ-सफाई का काम करता था। बताया गया कि वह करीब तीन महीने से वहां काम कर रहा था। मंदिर के आसपास रहने वाली एक किशोरी का भी मंदिर परिसर में आना-जाना बताया गया है। इसी दौरान सतेन्द्र और किशोरी के बीच बातचीत होने की बात सामने आई। सोमवार शाम करीब छह बजे सतेन्द्र को किशोरी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखे जाने का आरोप लगाते हुए परिजनों और आसपास के लोगों ने उसे पकड़ लिया। युवक के पकड़े जाते ही मंदिर में जुट गई भीड़ सतेन्द्र के पकड़े जाने

की जानकारी फैलते ही मंदिर परिसर में लोगों की भीड़ जुटने लगी। आरोपों को लेकर लोगों में आक्रोश बढ़ा और देखते ही देखते युवक को घेरकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक को जमीन पर गिरा दिया गया। इसके बाद कुछ लोगों ने उसके साथ हाथ-पैर और मुक्कों से मारपीट की, जबकि कुछ लोगों के हाथों में लाठी-डंडे दिखाई दिए। बेल्ट से मारपीट किए जाने की बात भी सामने आई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद मंदिर परिसर में हुई भीड़ की कार्रवाई चर्चा में आ गई।

पुलिस ने भीड़ से छुड़ाकर अस्पताल पहुंचाया मारपीट की सूचना मिलने पर शहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। उस समय मंदिर परिसर में काफी लोग मौजूद थे। पुलिस ने युवक को भीड़ के बीच से बाहर निकाला और एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया। जिला अस्पताल में युवक का उपचार कराया गया। उसके शरीर पर मारपीट के कारण चोटें आई थीं। पुलिस ने घटना के वीडियो और अन्य साक्ष्यों को जांच में शामिल करते हुए मारपीट में शामिल लोगों की पहचान शुरू कर दी। घायल सतेन्द्र के पिता फूल कुमार पुत्र कलीराम निवासी बामनहेड़ी ने कोतवाली नगर पुलिस को तहरीर दी। तहरीर में आरोप लगाया गया कि सतेन्द्र के साथ कुछ लोगों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए लाठी-डंडों और मुक्कों से जान से मारने की नीयत से मारपीट की। आरोप यह भी लगाया गया कि उसे जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0 428/2026 दर्ज किया। मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 191(2), 191(3), 109(1), 352 और 351(3) तथा एससी-एसटी अधिनियम की धारा 3(2)(वी) लगाई गई है।

बुढ़ाना मे स्कॉर्पियो सवारों ने कार रोककर युवक को बेरहमी से पीटा

कार के आगे स्कॉर्पियो लगाकर रास्ता रोकने का आरोप, युवक को बाहर खींचकर लात-घूंसों से पीटा, पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद, गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

बुढ़ाना । बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र में सोमवार रात युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि स्कॉर्पियो सवार कुछ लोगों ने युवक की कार के आगे अपनी गाड़ी लगाकर रास्ता रोक दिया। इसके बाद युवक को कार से बाहर निकालकर उसके साथ जमकर मारपीट की गई। घटना के बाद घायल युवक को उपचार के लिए सीएचसी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उसे मुजफ्फरनगर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस आरोपियों की पहचान में जुटी है। घटना की जानकारी स्थानीय रिपोर्ट में भी प्रकाशित हुई है। बताया गया कि सोमवार रात करीब आठ बजे युवक अपनी कार से जा रहा था। इसी दौरान स्कॉर्पियो में सवार लोग उसकी कार के आगे पहुंचे और अपनी गाड़ी लगाकर रास्ता रोक दिया। आरोप है कि स्कॉर्पियो सवारों ने युवक को उसकी कार से बाहर निकाला और सड़क पर ही उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। प्रत्यक्ष रूप से सामने आए

घटनाक्रम के मुताबिक युवक को कई लोगों ने घेर लिया और लात-घूंसों से पीटा। अचानक हुई मारपीट से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई पूरी घटना मारपीट की पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। घटना का वीडियो मंगलवार सुबह सोशल मीडिया पर भी प्रसारित होने की जानकारी सामने आई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस अब मारपीट में शामिल लोगों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि युवक के साथ मारपीट की वजह क्या थी और घटना में कितने लोग शामिल थे।

गंभीर हालत में जिला अस्पताल भेजा गया

मारपीट में युवक को गंभीर चोटें आने की बात सामने आई है। उसे पहले बुढ़ाना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी हालत को देखते हुए मुजफ्फरनगर जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

पुलिस को दी शिकायत, जांच शुरू

घटना के बाद घायल युवक ने बुढ़ाना कोतवाली में शिकायत दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के साथ-साथ घटना के संबंध में उपलब्ध अन्य साक्ष्यों को भी खंगाल रही है। फिलहाल मारपीट के पीछे का कारण और आरोपितों की पहचान पुलिस जांच का विषय है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपितों की पहचान होने के बाद पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई करेगी।

रोहन राठी हत्याकांड में परिजनों ने पुलिस जांच पर उठाए सवाल, एसएसपी कार्यालय पहुंचे पिता और चाचा

विवेक राठी बोले–वारदात में दो से अधिक लोग शामिल होने की आशंका, सीबीआई जांच की मांग; विनय राठी ने कहा–पूरी सच्चाई सामने आने तक जांच निष्पक्ष तरीके से हो

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी थाना क्षेत्र के गांव हरैटी निवासी प्रधान विवेक राठी के पुत्र रोहन राठी हत्याकांड में परिजन पुलिस की अब तक की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं। सोमवार को मृतक के पिता विवेक राठी और चाचा विनय राठी एसएसपी कार्यालय पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर मामले की जांच को लेकर अपनी बात रखी। परिजनों ने घटना में अन्य लोगों की संलिप्तता की आशंका जताते हुए मामले की गहराई से जांच कराने की मांग की। परिजनों का कहना है कि जिस तरह से रोहन की हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया, उससे उन्हें आशंका है कि घटना में पकड़े गए आरोपियों के अलावा भी अन्य लोग शामिल हो सकते हैं। पिता विवेक राठी ने कहा कि परिवार की मांग केवल निष्पक्ष और पूरी जांच की है, ताकि घटना के पीछे की पूरी सच्चाई सामने आ सके। मृतक रोहन राठी के पिता विवेक राठी ने कहा कि वारदात को जिस तरीके से अंजाम दिया गया, उससे उन्हें नहीं लगता कि इसमें केवल पकड़े गए आरोपी ही शामिल रहे होंगे। उनका कहना है कि घटना में दो से अधिक लोगों की भूमिका होने की आशंका है और इस पहलू पर पुलिस को गहराई से जांच करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पकड़े गए आरोपियों द्वारा चोरी की बाइक का इस्तेमाल किए जाने की बात सामने आई है, लेकिन केवल बाइक के इस्तेमाल से पूरी घटना की साजिश का खुलासा नहीं होता। उनका कहना है कि इस पूरे मामले

के पीछे यदि अन्य लोग हैं तो उनकी भूमिका भी सामने आनी चाहिए।

सीबीआई जांच की मांग, फिलहाल पुलिस को दिया और समय

विवेक राठी ने कहा कि परिवार इस मामले की सीबीआई जांच चाहता है। हालांकि उन्होंने बताया कि पुलिस अधिकारियों ने उनसे जांच के लिए कुछ और समय मांगा है। परिवार सच्चाई सामने आने की उम्मीद में फिलहाल पुलिस को कुछ और समय देने के लिए तैयार है, लेकिन जांच की दिशा और कार्रवाई पर उनकी नजर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि उनकी किसी से व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं थी। ऐसे में घटना के पीछे की वजह और इसमें शामिल सभी लोगों की भूमिका सामने आना जरूरी है। परिवार चाहता है कि जांच किसी भी पहलू को छोड़े बिना की जाए।

चाचा बोले–पुलिस कार्रवाई से परिवार संतुष्ट नहीं

रोहन के चाचा विनय राठी ने भी पुलिसिया जांच को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि परिवार निष्पक्ष और सही जांच चाहता है। पुलिस अधिकारियों के साथ हुई वार्ता के दौरान मामले से जुड़े दो-तीन प्रमुख तथ्यों पर जांच और आगे की प्रक्रिया जारी होने की जानकारी दी गई है। विनय राठी के मुताबिक, पुलिस द्वारा अब तक की गई कार्रवाई से परिवार और घटना से अवगत लोगों में पूरी संतुष्टि नहीं है। उनका कहना है कि पकड़े गए आरोपियों के संबंध में यदि पुलिस ने कार्रवाई की है तो संभव है कि उनका घटना से किसी न किसी रूप में संबंध हो, लेकिन उनके अलावा अन्य लोगों की भूमिका की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

मुजफ्फरनगर में टूरिस्ट बस की टक्कर से बीटेक छात्रा की मौत: बाइक सवार भाई घायल, बस चालक फरार

दिल्ली-देहरादून हाईवे पर हुआ दर्दनाक सडक हादसा

मुजफ्फरनगर। दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पर छपार थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। बढेडी चौराहे के पास तेज रफ्तार टूरिस्ट बस ने एक बाइक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार 19 वर्षीय बीटेक छात्रा की मौके पर ही हालत बिगड़ने के बाद मौत हो गई, जबकि उसका चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के तुरंत बाद चालक बस लेकर मौके से फरार होने में कामयाब रहा।

कॉलेज जाने के दौरान हुआ हादसा प्राप्त जानकारी के अनुसार, छपार थाना क्षेत्र के गाँव बरला निवासी 19 वर्षीय अलीना अपने चचेरे भाई सादिक के साथ बाइक पर सवार होकर मुजफ्फरनगर स्थित श्रीराम कॉलेज जा रही थी। अलीना बीटेक प्रथम/द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। जैसे ही दोनों बाइक से दिल्ली-देहरादून हाईवे स्थित बढेडी चौराहे के समीप

पहुँचे, तभी पीछे से (हरिद्वार की दिशा से) आ रही एक अनियंत्रित टूरिस्ट बस ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार भाई-बहन सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जिसका फायदा उठाकर बस चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर तत्काल पहुँची पुलिस ने दोनों घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुँचाया। वहाँ चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद अलीना को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल सादिक का प्राथमिक उपचार जारी है।

पुलिस की कार्रवाई और जांच

घटना के बाद छात्रा के परिवार में कोहराम मच गया है। मामले की जानकारी देते हुए सीओ सदर सुनील कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में ले लिया गया है। फिलहाल परिजनों की ओर से लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलते ही सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर फरार बस और उसके चालक की तलाश के लिए आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खालापार थाने में 26 हिस्ट्रीशीटरों की परेड, एक कतार में खड़े कर पुलिस ने दी दो टूक चेतावनी

पुलिस बोली- अपराध से दूर रहो, कानून व्यवस्था बिगाड़ी तो होगी कार्रवाई, देर रात सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

मुजफ्फरनगर। खालापार थाना पुलिस ने सोमवार शाम क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर बड़ी कार्रवाई करते हुए 26 हिस्ट्रीशीटरों को थाने बुलाकर उनकी परेड कराई। पुलिस ने सभी हिस्ट्रीशीटरों को एक कतार में खड़ा कराया और उन्हें अपराध से पूरी तरह दूरी बनाए रखने की सख्त हिदायत दी। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कोई भी व्यक्ति भविष्य में आपराधिक गतिविधि में शामिल न हो और ऐसा कोई काम न करे, जिससे क्षेत्र की शांति एवं कानून व्यवस्था प्रभावित हो। इस दौरान खालापार क्षेत्र में चर्चित चेहरे भी अन्य हिस्ट्रीशीटरों के साथ कतार में खड़े नजर आए। थाने के अंदर हुई इस कार्रवाई का वीडियो देर रात सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पूरे मामले की चर्चा शुरू हो गई। जानकारी के अनुसार सोमवार शाम करीब पांच बजे खालापार थाना पुलिस ने क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटरों को थाने बुलाया। पुलिस की ओर से करीब 26 हिस्ट्रीशीटरों को थाने में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित समय पर पहुंचे हिस्ट्रीशीटरों को थाना

परिसर में एक स्थान पर एकत्र किया गया। इसके बाद पुलिस ने सभी को एक कतार में खड़ा कराया। पुलिसकर्मियों ने उनकी मौजूदगी में उन्हें कानून व्यवस्था और भविष्य की गतिविधियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस ने हिस्ट्रीशीटरों को स्पष्ट किया कि पुराने आपराधिक रिकॉर्ड के आधार पर किसी को वर्तमान में किसी अपराध का दोषी नहीं माना जा सकता, लेकिन पुलिस उनकी गतिविधियों पर नजर रखती है। सभी को निर्देशित किया गया कि वे किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधि, विवाद, मारपीट, दबंगई या कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाले कार्य में शामिल न हों। पुलिस ने यह भी कहा कि क्षेत्र में किसी तरह की आपराधिक घटना या कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाली गतिविधि सामने आती है तो मामले की गंभीरता से जांच की जाएगी और संलिप्तता पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में खालापार क्षेत्र में चर्चित चेहरे भी अन्य लोगों के साथ कतार में खड़े दिखाई दे रहे हैं। पुलिसकर्मी सामने खड़े लोगों को आवश्यक निर्देश देते नजर आ रहे हैं। हाजी शेर का नाम स्थानीय स्तर पर लंबे समय से चर्चा में रहा है। सार्वजनिक जीवन और विभिन्न लोगों से उनके संपर्कों के कारण भी क्षेत्र में उनकी पहचान बताई जाती है। ऐसे में पुलिस द्वारा कराई गई हिस्ट्रीशीटरों की परेड के दौरान उनका अन्य लोगों के साथ एक कतार में खड़े दिखाई देना चर्चा का विषय बन गया। थाने में बुलाई गई इस परेड में चर्चित चेहरे के परिवार से जुड़े कुछ अन्य लोगों के शामिल होने की बात भी सामने आई है। हालांकि पुलिस की ओर से सभी 26 हिस्ट्रीशीटरों के संबंध में अलग-अलग विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है। पुलिस का फोकस सभी हिस्ट्रीशीटरों को अपराध से दूर रखने और उनकी गतिविधियों पर निगरानी बनाए रखने पर रहा। खालापार थाने में सोमवार शाम हुई कार्रवाई का वीडियो देर रात करीब 12 बजे सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर वायरल हुआ। वीडियो सामने आने के बाद खालापार क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। वीडियो में थाना परिसर के अंदर कई लोग एक लाइन में खड़े दिखाई दे रहे हैं, जबकि पुलिसकर्मी उन्हें निर्देश देते नजर आते हैं।

किराये पर दी स्कॉर्पियो लौटाने के बजाय कब्जाने का आरोप, तीन के खिलाफ मुकदमा

11 महीने के एग्रीमेंट पर दी गई थी लाखों की कार, पांच दिन के लिए घूमने ले गए थे, तय समय बीतने के बाद मोबाइल बंद कर हुए गायब, जीपीएस से लोकेशन मिली तो वाहन लौटाने से इनकार

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र में किराये पर दी गई स्कॉर्पियो कार को वापस न करने के मामले में नई मंडी थाना पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उसकी मां के नाम पंजीकृत स्कॉर्पियो एस-11 कार को किराये के एग्रीमेंट पर देने के बाद आरोपितों ने वाहन वापस नहीं किया। पीड़ित का कहना है कि कई बार कार मांगने के बावजूद उसे टालमटोल किया जाता रहा और बाद में संबंधित लोगों के मोबाइल फोन भी बंद हो गए।

कार से परिवार का पालन-पोषण करता है शिकायतकर्ता

शिकायतकर्ता सुशील कुमार निवासी रामपुरी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह बुकिंग पर कार चलाकर अपने और परिवार का पालन-पोषण करता है। उसकी मां के नाम काले रंग की स्कॉर्पियो एस-11 कार पंजीकृत है। वाहन को उसने 11 महीने के किराये के एग्रीमेंट पर अभिनव चौधरी पुत्र सुदेश पाल सिंह निवासी रामपुरी को दिया था। शिकायतकर्ता के अनुसार वाहन से संबंधित किरायेनामे के दस्तावेज भी उसके पास मौजूद हैं।

पांच दिन के लिए घूमने के नाम पर ले गए

तहरीर में आरोप लगाया गया है कि अभिनव चौधरी ने कार को रजत कुमार पुत्र प्रमोद कुमार निवासी बूदपुर चौहान, हरिद्वार और विकास कुमार पुत्र रफल सिंह निवासी दुकचड़ी, देवबंद के हाथों पांच दिन के लिए घूमने के लिए भेजा था। शिकायतकर्ता के अनुसार दोनों व्यक्तियों ने शुरूआत में किराये की कुछ धनराशि अभिनव चौधरी को दी थी। आरोप है कि पांच दिन की अवधि पूरी होने के बाद जब कार वापस मांगी गई तो आरोपितों ने वाहन लौटाने के बजाय तरह-तरह के बहाने बनाने शुरू कर दिए। शेष किराये की रकम देने और कार वापस करने को लेकर लगातार टालमटोल की गई। इसके बाद कथित तौर पर संबंधित लोगों के मोबाइल फोन भी बंद हो गए।

जीपीएस ने खोला कार की लोकेशन का राज

कार वापस नहीं मिलने पर सुशील कुमार ने वाहन में लगे जीपीएस की मदद ली। जीपीएस ट्रैकिंग के जरिए उसे कार की लोकेशन का पता चला। इसके बाद वह मौके पर पहुंचा और अपनी कार वापस लेने का प्रयास किया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि मौके पर पहुंचने के बावजूद रजत कुमार के लोगों ने कार वापस करने से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस से संपर्क किया। उसका आरोप है कि वाहन को वापस न करके उसके साथ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत की गई है।

एक महीने से अधिक समय से कार वापस पाने के लिए लगा रहा था चक्कर

शिकायतकर्ता के मुताबिक उसने 25 अगस्त 2026 को ही थाना नई मंडी में प्रार्थना पत्र देकर मामले की जानकारी दी थी। इसके साथ ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय में भी शिकायत देकर कार बरामद कराने और आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। पीड़ित का कहना है कि शिकायत के बावजूद उसे अपनी कार नहीं मिल सकी। लगातार प्रयास के बाद भी वाहन वापस नहीं मिलने पर उसने उच्च अधिकारियों के समक्ष शिकायत की और मामले में कानूनी कार्रवाई की मांग की।

मुख्यमंत्री को भेजी शिकायत के बाद दर्ज हुआ मुकदमा

सुशील कुमार ने 8 सितंबर 2026 को मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र भेजकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की थी। शिकायत में अभिनव चौधरी, रजत कुमार और विकास कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी तथा अमानत में खयानत के आरोप लगाते हुए कानूनी कार्रवाई और वाहन बरामद कराने की मांग की गई थी। अब पुलिस ने मामले में तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नाबालिग किशोरी को बुर्का पहनाकर ले जाने का आरोप, महिला हिरासत में

बहला-फुसलाकर घर बुलाने और जान से मारने का भय दिखाने का आरोप, ई-रिक्शा में बैठाकर ले जाते समय गांव की महिला ने पहचाना; शोर मचने पर ग्रामीण पहुंचे, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी कोतवाली क्षेत्र के गांव हरिनगर में करीब 15 वर्षीय नाबालिग किशोरी को कथित तौर पर बहला-फुसलाकर घर बुलाने और उसे बुर्का पहनाकर ई-रिक्शा से गांव से बाहर ले जाने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। किशोरी को ले जाते समय गांव की एक महिला ने उसे पहचान लिया और शोर मचा दिया। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। पुलिस के अनुसार सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने संबंधित महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पिता की तहरीर पर दर्ज हुआ मुकदमा गांव हरिनगर निवासी किशोरी के पिता ने पुरकाजी थाने में दी तहरीर में आरोप लगाया कि 28 सितंबर 2026 को दोपहर करीब एक बजे गांव की ही अफरोज पत्नी असलम उर्फ चूना उनकी करीब 15 वर्षीय नाबालिग बेटी को कथित तौर पर बहला-फुसलाकर अपने घर बुलाकर ले गई। पिता का आरोप है कि इसके बाद किशोरी को घर से बाहर ले जाने की तैयारी की गई। तहरीर के मुताबिक, किशोरी को जान से मारने का भय दिखाया गया और इसके बाद उसे बुर्का पहनाया गया। आरोप है कि अफरोज किशोरी को ई-रिक्शा में बैठाकर गांव से बाहर ले जाने का प्रयास कर रही थी। इसी दौरान गांव की रहने वाली गुड्डन की नजर किशोरी पर पड़ी। गुड्डन ने किशोरी को पहचान लिया और शोर मचा दिया। शोर सुनकर अंकित समेत गांव के कई लोग मौके पर पहुंच गए। तहरीर के अनुसार ग्रामीणों को आता देखकर आरोपी महिला वहां से फरार हो गई। इसके बाद परिजनों ने डायल-112 पुलिस को सूचना दी और किशोरी को लेकर पुरकाजी थाने पहुंचे। वहां पिता ने पुलिस को पूरी घटना की जानकारी देते हुए आरोपी महिला के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर श्री सिद्धार्थ मिश्रा ने बताया गया कि 28 सितंबर को थाना पुरकाजी पुलिस को सूचना मिली थी कि एक महिला अपने साथ एक नाबालिग बालिका को ऑटो में लेकर जा रही है। सूचना का तत्काल संज्ञान लेते हुए पुलिस मौके पर पहुंची और सूचना का सत्यापन किया। पुलिस के अनुसार संबंधित महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मुकदमा दर्ज, सभी बिंदुओं पर जांच

पुलिस ने बताया कि प्रकरण में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है। स्थानीय पुलिस द्वारा मामले से जुड़े सभी बिंदुओं पर गहनता से जांच की जा रही है और अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि किशोरी को किस उद्देश्य से महिला के घर बुलाया गया था, उसे बुर्का क्यों पहनाया गया और ई-रिक्शा से उसे कहां ले जाया जा रहा था। इसके साथ ही घटनास्थल, ई-रिक्शा, मौके पर मौजूद लोगों और घटना के समय की परिस्थितियों से जुड़े तथ्यों को भी जांच में शामिल किया जा रहा है।

मंसूरपुर में अवैध रूप से संचालित स्विमिंग पूल पर MDA की कार्रवाई, किया सील, कृषि भूमि पर कथित रूप से व्यावसायिक गतिविधि संचालित करने का आरोप

मुजफ्फरनगर। थाना मंसूरपुर क्षेत्र में बिना आवश्यक अनुमति के संचालित किए जा रहे एक स्विमिंग पूल के खिलाफ मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण (MDA) ने कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया। प्राधिकरण की कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति बनी रही। बताया गया कि शाहपुर रोड, एनएच-58 क्षेत्र में एक स्विमिंग पूल का संचालन किया जा रहा था। इसके संबंध में प्राधिकरण स्तर पर जांच की गई।

जांच के दौरान स्विमिंग पूल के संचालन के लिए आवश्यक स्वीकृतियों तथा निर्धारित नियमों के अनुपालन को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं पाई गई। इसके बाद MDA की टीम मौके पर पहुंची और स्विमिंग पूल को सील कर दिया।

बताया जा रहा है कि संबंधित स्थल पर कृषि भूमि को कथित रूप से प्लॉट एग्रीमेंट में दर्शाकर व्यावसायिक गतिविधि संचालित की जा रही थी। प्राधिकरण की टीम ने कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद लोगों को नियमों के अनुरूप ही व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने की हिदायत दी।

MDA की कार्रवाई के बाद क्षेत्र में बिना अनुमति संचालित होने वाली अन्य व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सार्वजनिक उपयोग वाले स्विमिंग पूलों के संचालन में आवश्यक अनुमति के साथ सुरक्षा मानकों तथा अन्य जरूरी व्यवस्थाओं का पालन किया जाना चाहिए। प्राधिकरण की ओर से की गई सीलिंग की कार्रवाई को क्षेत्र में अवैध अथवा नियमविरुद्ध निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ चल रही कार्रवाई से जोड़कर देखा जा रहा है।

संपादकीय

वोटर लिस्ट संशोधन और फॉर्म-6 पर क्यों उठे सवाल?

चुनाव आयोग में अंदरूनी मतभेद और 13 करोड़ वोटरों के नाम हटने से निष्पक्षता पर सवाल उठे हैं। फॉर्म-6 विवाद ने चुनावी प्रक्रिया और लोकतंत्र पर भरोसे का संकट बढ़ा दिया है। एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव केवल सरकार चुनने का माध्यम नहीं, बल्कि शासन की दिशा तय करने और राष्ट्र निर्माण में आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने का अवसर भी होता है। इसलिए चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता लोकतंत्र को जिंदा रखने के लिए बेहद जरूरी है।भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इस जिम्मेदारी का प्रमुख संस्थागत दायित्व चुनाव आयोग के पास है। मगर जब इस संवैधानिक संस्था की कार्यप्रणाली ही संदेह के घेरे में आ जाए, तो उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। आयोग के भीतर मतभेद और असहमति हाल ही में जिस रूप में सामने आई है, उसको लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर भरोसे का संकट पैदा हो गया है।विपक्ष इस मुद्दे पर हमलावर है और सत्तारूढ़ भाजपा बचाव की मुद्रा में है। मगर राजग के कुछ सहयोगी दलों के सुर अब अलग नजर आ रहे हैं। इस सब के बीच यह प्रश्न महत्त्वपूर्ण है कि चुनाव आयोग खुद आगे आकर तमाम सवालों के संतोषजनक जवाब क्यों नहीं दे पा रहा है! खबरों के मुताबिक, दो चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले दस माह में निर्वाचन आयोग के फैसलों पर चौदह बार लिखित आपत्तियां दर्ज कीं। इनमें मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और फार्म-6 में बदलावों को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए थे।

हालांकि, यह पहली दफा नहीं है, जब आयोग के भीतर मतभेद सामने आए हैं, लेकिन इस बार असहमति का संबंध सीधे तौर पर मतदाताओं के अधिकार से जुड़ा है। यह विवाद ऐसे वक्त में उजागर हुआ है, जब विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की प्रक्रिया को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, चुनाव आयोग की ओर से शनिवार को बयान जारी कर कहा गया कि एसआइआर से जुड़े सभी आदेश आम सहमति से जारी किए गए थे और मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए फार्म-6 में किए गए बदलावों को उच्चतम न्यायालय ने बरकरार रखा है।इससे पहले विपक्ष ने दावा किया था कि फार्म-6 में संशोधन करने की शक्ति सिर्फ केंद्र सरकार के पास है। ऐसे में सवाल यह भी है कि फिर चुनाव आयोग ने क्यों और किस शक्ति का इस्तेमाल करके फार्म-6 में संशोधन किया? मतदाताओं को इसका स्पष्ट जवाब अभी तक नहीं मिल पाया है।चुनाव आयोग के पक्ष में खड़ी भाजपा का तर्क है कि विचार-विमर्श के दौरान निर्वाचन आयुक्तों की ओर से अलग-अलग राय व्यक्त करना लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। मगर यहां सवाल वैचारिक मतभेदों का नहीं, बल्कि नियम-कानूनों से जुड़े प्रावधानों का है।

अशोक सिंघल जन्म शताब्दी- राष्ट्र और समाज के लिए समर्पित जीवन की प्रेरक गाथा

शुरू से ही अशोक सिंघल का झुकाव बिल्कुल अलग दिशा में था। बहुत कम उम्र में ही उनके व्यवहार में दूसरों के प्रति करुणा और सेवा की अद्भुत भावना दिखने लगी थी। वे चाहते थे कि भारत का पुनरुत्थान हो और मां भारती की संतान गौरवशाली उपलब्धियां हासिल करें। प्रयागराज में पले-बढ़े थे। वे कई घंटे संगम के तट पर बैठा करते थे। नदी के प्रति उनका स्वाभाविक आकर्षण था। वहां आने वाले साधु-संत और श्रद्धालुओं से भी उनकी बहुत आत्मीयता थी। इससे भारत के सांस्कृतिक लोकाचार की उनकी समझ और समृद्ध हुई। समाज के लिए कुछ करने का उनका संकल्प भी और दृढ़ हुआ। दूसरों के लिए जीने की यही ललक उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में ले आई। उनको जो भी जिम्मेदारी मिली, उसे उन्होंने पूरे उत्साह, अनुशासन और कर्तव्यभाव से निभाया।

(नरेंद्र मोदी)

मुझे 1981 का एक प्रसंग याद आता है। तब मैं एक युवा कार्यकर्ता के तौर पर संगठन की ओर से मिली जिम्मेदारियां निभा रहा था। मुझे उनका एक पत्र मिला। उन्होंने पत्र में एक महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम की जानकारी दी थी और मुझे कुछ जिम्मेदारियां सौंपी थीं। उस समय अशोक सिंघल से पत्र पाना, मेरे लिए बहुत विशेष और यादगार क्षण बन गया था। एक बहुत सुंदर सुभाषित है, 'वृक्ष कबहुं नहिं फल भखै, नदी न संचै नीर। परमारथ के कारने, साधुन धरा शरीर।' इसका मतलब है कि पेड़ कभी अपने फल स्वयं नहीं खाता, नदी अपना जल अपने पास नहीं रखती। इसी तरह, संत स्वभाव के लोग भी स्वयं को प्राथमिकता ना देते हुए, सदैव दूसरों की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं, अपना जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित कर देते हैं। सदियों से हमारे ऋषियों ने हमें यही सिखाया है कि मानवता के कल्याण के लिए समर्पित जीवन का महत्त्व व्यक्तिगत उपलब्धियों से कहीं अधिक होता है। अशोक सिंघल का जीवन इस भावना का पुण्य उदाहरण है। हम 27 सितंबर से अशोक सिंघल का जन्म शताब्दी वर्ष मना रहे हैं। यह एक महान विभूति के सम्मान का सुअवसर है। उन्होंने आध्यात्मिक साधना, सांस्कृतिक जागरण और दशकों तक समर्पित भाव से समाज एवं संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाया। यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मुझे उनके साथ लंबे समय तक कार्य करने, उनसे सीखने, उनसे संवाद करने और उनका स्नेह प्राप्त करने का अवसर मिला। मुझे 1981 का एक प्रसंग याद आता है। तब मैं एक युवा कार्यकर्ता के तौर पर संगठन की ओर से मिली जिम्मेदारियां निभा रहा था। मुझे उनका एक पत्र मिला। उन्होंने पत्र में एक महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम की जानकारी दी थी और मुझे कुछ जिम्मेदारियां सौंपी थीं। उस समय अशोक सिंघल से पत्र पाना, मेरे लिए बहुत विशेष और यादगार क्षण बन गया था। मैंने उन्हें कई दशकों तक दिन-रात काम करते देखा। वे देश के दूर-दराज के क्षेत्रों की लंबी और कई बार कठिन यात्राएं किया करते थे। गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में जाना उन्हें विशेष रूप से प्रिय था। वे लगातार यह चिंतन करते थे कि समाज के वंचित और अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के लिए और क्या किया जा सकता है। जब भी देश में कहीं प्राकृतिक आपदा आती, तो वे सबसे पहले वहां पहुंचने वालों में होते या फिर प्रभावित लोगों की सहायता के लिए कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देते। वर्ष 2001 में कच्छ में आए भूकंप के बाद उनके साथ का मेरा अनुभव अविस्मरणीय बन गया। वे अत्यंत प्रतिष्ठित और संपन्न परिवार से थे। उनके पिता महावीर की एक प्रशासक के रूप में पहचान थी। उनके एक भाई बीपी सिंघल पुलिस अधिकारी बने और बाद में संसद सदस्य भी रहे। दूसरे भाई वीपी सिंघल त्रिपुरा के तब मुख्य सचिव बने, जब यह नया राज्य बना था। परिवार के अन्य सदस्यों ने भी कामर्स और कृषि के क्षेत्र में सफलता हासिल की। शुरू से ही अशोक सिंघल का झुकाव बिल्कुल अलग दिशा में था। बहुत कम उम्र में ही उनके व्यवहार में दूसरों के प्रति करुणा और सेवा की अद्भुत भावना दिखने लगी थी। वे चाहते थे कि भारत का पुनरुत्थान हो और मां भारती की संतान गौरवशाली उपलब्धियां हासिल करें। प्रयागराज में पले-बढ़े थे। वे कई घंटे संगम के तट पर बैठा करते थे। नदी के प्रति उनका स्वाभाविक आकर्षण था। वहां आने वाले साधु-संत और श्रद्धालुओं से भी उनकी बहुत आत्मीयता थी। इससे भारत के सांस्कृतिक लोकाचार की उनकी समझ और समृद्ध हुई। समाज के लिए कुछ करने का उनका संकल्प भी और दृढ़ हुआ। दूसरों के लिए जीने की यही ललक उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में ले आई। उनको जो भी जिम्मेदारी मिली, उसे उन्होंने पूरे उत्साह, अनुशासन और कर्तव्यभाव से निभाया। अशोक सिंघल ने अपने निरंतर प्रयास और अथक परिश्रम से अनेक संस्थाओं और आंदोलनों को मजबूत किया। अपनी ओजस्वी वाणी और अभिव्यक्ति की अद्भुत शैली से वे पूरी सभा को मंत्रमुग्ध कर देते थे। अपने साथी कार्यकर्ताओं के प्रति वे अत्यधिक स्नेह रखते थे। जो भी उनके संपर्क में आता, वह उनकी सादगी से प्रभावित हुए बिना नहीं रहता। संत समाज के साथ उनके संबंध बहुत प्रगाढ़ थे। देश भर के साधु-संतों के बीच उनका काफी सम्मान था। संतगण उनके परामर्श को महत्त्व देते थे और उनकी बातों को आदरभाव से सुनते थे। मेरी स्मृति में ऐसी दो घटनाएं उभर रही हैं, जिनसे अशोक सिंघल के विराट व्यक्तित्व को समझा जा सकता है। पहली घटना 1993 की है। विश्व हिंदू परिषद ने स्वामी विवेकानंद के शिकागो संबोधन के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अमेरिका में एक सम्मेलन आयोजित किया था। विदेश में ऐसे भव्य सम्मेलन का विजन, उसकी प्लानिंग और विभिन्न समूहों को एक मंच पर लाने का भगीरथ प्रयास अशोक सिंघल के अद्वितीय संगठनात्मक कौशल का परिचायक था। दूसरी घटना वर्ष 2000 की है, जब त्रिनिदाद और टोबैगो के पोर्ट आफ स्पेन में विश्व हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ था। तब मैं भी वहीं था। मैंने प्रत्यक्ष देखा कि अशोक सिंघल की उपस्थिति ने अन्य प्रतिनिधियों में कितना उत्साह भर दिया था। मेरे संबोधन के बाद उन्होंने जिस तरह मेरी सराहना की, वह मेरे लिए बहुत भावुक कर देने वाला अनुभव था। मैंने एक बार फिर अनुभव किया कि उनका प्रोत्साहन किस तरह हर कार्यकर्ता को नई ऊर्जा से भर देता था। राम जन्मभूमि आंदोलन में अशोक सिंघल की ऐतिहासिक भूमिका का स्मरण किए बिना उनका कोई भी उल्लेख अधूरा है। वर्ष 1991 की बोट क्लब रैली में दिए गए उनके ओजस्वी संबोधन को कौन भूल सकता है? या आंदोलन के चरम पर लहूलुहान और घायल अवस्था में अशोक सिंघल की वह ऐतिहासिक तस्वीर भला किसकी स्मृति से मिट सकती है? आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर है तो इसके पीछे उनके जैसी विभूतियों का निस्वार्थ समर्पण है, जिन्होंने इसे संभव बनाने के प्रयास में स्वयं को पूरी तरह खपा दिया। आज यदि वे हमारे बीच होते तो अयोध्या में राम मंदिर को देखकर वो सबसे अधिक भावुक एवं प्रसन्न होते। अशोक सिंघल के विचार बहुत सुलझे हुए थे। वे स्पष्ट रूप से मानते थे कि समाज में समरसता के साथ ही भाईचारे का संदेश मजबूत होना चाहिए। उन्होंने सामाजिक एकता और समानता के लिए निरंतर कार्य किया। उनका साफ मत था कि समाज में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति समान गरिमा व सम्मान का अधिकारी है। यही वजह थी कि उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर की पहली ईंट रखने को लेकर अपने विचार को स्पष्ट रूप से रखा। उन्होंने ही कहा था कि यह पुनीत कार्य बिहार के विहिप कार्यकर्ता और वंचित वर्ग से आने वाले कामेश्वर चौपाल के हाथों से हो। काशी में एक धर्म संसद के दौरान उन्होंने डोम राजा को सम्मानित करने का फैसला किया और कई सामुदायिक अभियानों में उनके साथ मिलकर काम किया। राष्ट्र-निर्माण के साथ ही अशोक सिंघल के दो ऐसे प्रिय क्षेत्र थे, जो उनके हृदय के अत्यंत निकट थे। शिक्षा (विशेषकर वैदिक शिक्षा) और संगीत, इन दोनों से उनका गहरा लगाव था। वाराणसी के सांसद के रूप में मुझे इस बात पर अत्यंत गर्व की अनुभूति होती है कि जहां का मैं प्रतिनिधित्व करता हूं, उस शाश्वत काशी ने अशोक सिंघल के जीवन में एक अहम भूमिका निभाई। उन्होंने बीएचयू से शिक्षा प्राप्त की थी और वे एक मेधावी छात्र के रूप में जाने जाते थे। वे एकल विद्यालय की पहल से भी गहराई से जुड़े थे, जिसने दूर-दराज के गांवों, खासकर जनजातीय समुदायों तक बुनियादी शिक्षा पहुंचाने का कार्य किया। वे जितने गहरे अध्येता और उत्साही पाठक थे, उतने ही अच्छे श्रोता भी थे। वे युवा कार्यकर्ताओं को सदैव पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित करते रहते थे। उन्हें निकट से जानने वालों को पता है कि वे कितना सुंदर गाते थे। मुझे नागपुर की उन बैठकों की याद आती है, जिसमें वे 'एकल गीत' गाया करते थे। उनका गायन सभी को मंत्रमुग्ध कर देता था और पूरी बैठक में नई ऊर्जा भर जाती थी। वर्ष 2015 में उनके 90वें जन्मदिवस समारोह का एक वीडियो खूब वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने 'हे मातृभूमि मेरी, हे पितृभूमि मेरी' गाकर सभी को चौंका दिया था। अशोक सिंघल ने अपने जीवन में हर क्षण इस महान राष्ट्र के उत्कर्ष का ही स्वप्न देखा था। उनके आदर्शों से आज भी हमें ये प्रेरणा मिलती है। उनकी जन्मशती के इस पावन अवसर पर हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अधिक से अधिक युवा उनके विराट व्यक्तित्व और महानता से परिचित हों। आइए, हम अपने राष्ट्र और देशवासियों के लिए अशोक सिंघल के सपनों को साकार करने के संकल्प को फिर दोहराएं। (लेखक प्रधानमंत्री है)

नागरिकों का समय भी है अर्थव्यवस्था की पूंजी, आखिर 'टाइम टैक्स' की कीमत कौन चुका रहा है?

(अमित कुमार)

भारत में सरकारी अस्पतालों की कतारों, दफ्तरों के चक्कर और सरकारी सेवाओं के लिए इंतजार में नागरिकों का कितना समय खर्च होता है? यह सिर्फ असुविधा नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला 'टाइम टैक्स' है। इसका सबसे ज्यादा असर कम आय वाले परिवारों और महिलाओं पर पड़ता है।

किसी भी अर्थव्यवस्था की सबसे मूल्यवान पूंजी केवल धन, प्राकृतिक संसाधन या बुनियादी ढांचा नहीं होती। उससे भी अधिक मूल्यवान संसाधन उसके नागरिकों का समय होता है। धन की भरपाई की जा सकती है, खोया हुआ समय कभी वापस नहीं आता। इसके बावजूद भारत में सार्वजनिक नीति पर होने वाली बहसों में नागरिकों के समय की आर्थिक कीमत शायद ही कभी चर्चा का विषय बनती है। सरकारी अस्पतालों की कतारें, प्रशासनिक कार्यालयों के अंतहीन चक्कर, सार्वजनिक परिवहन का अनिश्चित इंतजार और साधारण सरकारी सेवाओं के लिए घंटों की प्रतीक्षा हमारे दैनिक जीवन का सामान्य अनुभव बन चुके हैं। इस सामान्यीकरण ने एक गहरी आर्थिक समस्या को लगभग अदृश्य बना दिया है।

अर्थशास्त्री गैरी बेकर के मुताबिक, प्रत्येक घंटे की अपनी अवसर लागत होती है। अगर करोड़ों नागरिक प्रतिदिन कार्यस्थल, व्यवसाय, शिक्षा या घरेलू उत्पादक गतिविधियों से समय निकालकर केवल प्रशासनिक प्रक्रियाओं में व्यस्त रहते हैं, तो अर्थव्यवस्था प्रतिदिन लाखों उत्पादक श्रम-घंटे खो देती है। इस क्षति का उल्लेख न तो बजट दस्तावेजों में मिलता है और न ही आर्थिक विकास के आंकड़ों में, लेकिन इसका प्रभाव व्यापक और स्थायी होता है।

अर्थशास्त्र में पूंजी के निष्क्रिय पड़े रहने को अक्षमता माना जाता है। यही सिद्धांत नागरिकों के समय पर भी लागू होता है। जिस प्रकार बंद पड़ा कारखाना उत्पादन घटाता है, उसी प्रकार अनावश्यक प्रतीक्षा में फंसे करोड़ों लोग राष्ट्रीय उत्पादकता को कम करते हैं। दिहाड़ी मजदूर की एक दिन की आय समाप्त हो जाती है। छोटा व्यापारी अपनी दुकान देर से खोलता है। स्वरोजगार करने वाला व्यक्ति ग्राहकों से दूर रहता है। वेतनभोगी कर्मचारी अवकाश लेने को विवश होता है। विद्यार्थी पढ़ाई का समय खो देते हैं। प्रतीक्षा का आर्थिक प्रभाव व्यक्तिगत स्तर से आगे बढ़कर श्रम बाजार और राष्ट्रीय आय तक पहुंचता है। प्रतीक्षा सामाजिक असमानता का भी एक स्वरूप है। आर्थिक रूप से संपन्न व्यक्ति निजी अस्पताल, भुगतान आधारित सेवाएं, पेशेवर एजंट या डिजिटल सहायता के माध्यम से समय खरीद लेते हैं। सीमित आय वाले परिवारों के पास यह विकल्प नहीं होता। गरीब परिवारों के लिए समय दुर्लभ संपत्ति है। जीविका और सरकारी सेवाओं के बीच संतुलन बनाना उनके लिए निरंतर संघर्ष का विषय रहता है। इसी कारण कई विद्वान प्रतीक्षा को 'टाइम टैक्स' कहते हैं। इसका भुगतान सबसे अधिक वही लोग करते हैं, जिनकी आय सबसे कम होती है।

इसका एक लैंगिक आयाम भी है। परिवार के बच्चों, बुजुर्गों और बीमार सदस्यों को अस्पताल, राशन की दुकान या सरकारी कार्यालय ले जाने की जिम्मेदारी प्राय- महिलाओं पर आती है। प्रतीक्षा का प्रत्येक अतिरिक्त घंटा उनके अवैतनिक देखभाल कार्य को बढ़ाता है। परिणामस्वरूप शिक्षा, कौशल विकास, स्वरोजगार और औपचारिक श्रम बाजार में उनकी भागीदारी प्रभावित होती है। समय का असमान वितरण आर्थिक असमानता को और गहरा कर देता है।

व्यावहारिक अर्थशास्त्र इस समस्या को एक अलग दृष्टि से देखता है। लोग केवल उपलब्ध सेवाओं के आधार पर निर्णय नहीं लेते, बल्कि उस प्रक्रिया की अनुमानित कठिनाई को भी ध्यान में रखते हैं। अगर किसी व्यक्ति को विश्वास हो जाए कि सरकारी अस्पताल में पूरा दिन लग जाएगा, तो वह उपचार टाल सकता है। किसी सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ लेने के लिए अनेक कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ें, तो पात्र नागरिक भी आवेदन करने से बच सकते हैं। इस तरह प्रतीक्षा सरकारी नीतियों की प्रभावशीलता को भी सीमित कर देती है।

यह प्रश्न लोकतांत्रिक शासन की गुणवत्ता से भी जुड़ा है। नागरिक जब बार-बार अस्पष्ट प्रक्रियाओं और प्रशासनिक विलंब का सामना करते हैं, तब सार्वजनिक संस्थाओं के प्रति उनका विश्वास धीरे-धीरे कम होने लगता है। सार्वजनिक विश्वास किसी भी अर्थव्यवस्था की अदृश्य पूंजी होता है। संस्थाओं पर भरोसा जितना अधिक होता है, नीतियों का अनुपालन उतना सहज होता है और शासन की लागत भी उतनी कम रहती है।

एस्टोनिया, सिंगापुर इत्यादि देशों में प्रशासनिक सफलता का एक महत्त्वपूर्ण पैमाना यह है कि किसी व्यक्ति को अपना वैध कार्य पूरा करने में कितनी कम ऊर्जा और कितना कम समय व्यय करना पड़ता है। भारत को भी समय को सार्वजनिक संसाधन के रूप में स्वीकार करना होगा। आर्थिक प्रगति की चर्चा तब तक अधूरी रहेगी, जब तक नागरिकों के समय को भी राष्ट्रीय संपदा के रूप में महत्त्व नहीं दिया जाएगा। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

आभासी दुनिया से जुड़कर भी अकेला क्यों हो रहा है मनुष्य? रिश्तों, पहचान और वास्तविकता का संकट

यह समाज व्यक्तित्व, चरित्र और मूल्य आधारित नहीं होकर छवियों और अवधारणाओं पर अधिक निर्भर है। मनुष्य और उसके समाज, दोनों के लिए संवाद आवश्यक है। संवाद मनुष्य के पारस्परिक संबंधों पर निर्भर करता है। मगर यह जन-समाज स्वतंत्रता और निजता के नाम पर इस संवाद को धीरे-धीरे खत्म कर देता है। संवाद के न रहने से मनुष्य की अपनी पहचान का उन्मूलन होता है और वह तकनीक द्वारा दी गई जानकारी को ग्रहण करते हुए मनुष्य से एक छवि में तब्दील होने लगता है।

(मोनिका भाम्भू कलाना)

आभासी दुनिया ने मनुष्य को दुनिया से जोड़ दिया है, लेकिन वास्तविक रिश्तों, संवाद और अपनी पहचान से उसका जुड़ाव भी प्रभावित किया है। पिछले वर्षों में 'इंटरनेट मीडिया' ने समाज की अवधारणा को काफी बदला है, जिससे वास्तविक समाज के समक्ष कई चुनौतियां खड़ी हुई हैं। इंटरनेट मीडिया पर विभिन्न माध्यमों से जुड़े लोगों के समूह को 'हाइपर-कनेक्टेड नेटवर्क सोसाइटी' कहा जाता है। डिजिटल अंतःक्रियाओं के जरिए संचालित इस समाज में भौगोलिक दूरियां कोई मायने नहीं रखती, इसे वैश्विक नागरिकता वाला समाज भी कहा जाता रहा है। मगर क्या यह समाज भी है? समाज लोगों की साझी स्मृतियों और समान परंपरा से बनता है- एक जगह खड़े होने या किसी माध्यम से जुड़ने मात्र से लोग समाज नहीं बन जाते हैं। समाज एक तरह के मूल्य, नैतिकता और परंपरा से जुड़ा होता है। तकनीक ने जो 'जन-समाज' पैदा किया है, वह उत्पादन और उपभोग पर टिका हुआ समाज है, संबंधों पर नहीं। इसे एक ही तरह की व्यवस्था के अधीन लोग मिलकर बनाते हैं। ऐसे समाज सामूहिक अस्तित्व नहीं बना पाते, बस शासन व्यवस्था या अन्य किसी समानता की वजह से एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं। इसमें मनुष्य भीड़ का एक हिस्सा भर है, अपने मनुष्यत्व की गरिमा को धारण करने वाला प्राणी नहीं। इस भीड़ का कोई व्यक्तित्व, पहचान और संस्कृति नहीं होती। वह चलन के अनुसार बदलता रहता है। इसमें लोग किसी एक के साथ और दूसरे के विरुद्ध खड़े होकर ही प्रतिबद्धता का भ्रम पाल सकते हैं।

कनेक्टिविटी बढ़ी, लेकिन संवाद घटता गया – आभासी दुनिया के जन-समाज का मनुष्य संबंधों में स्थित मनुष्य नहीं होकर निरपेक्ष स्वकेंद्रित मनुष्य होता है। आमतौर पर यह इतिहास और समाज से कटकर केवल अपने बारे में सोचता है। यह समाज व्यक्तित्व, चरित्र और मूल्य आधारित नहीं होकर छवियों और अवधारणाओं पर अधिक निर्भर है। मनुष्य और उसके समाज, दोनों के लिए संवाद आवश्यक है। संवाद मनुष्य के पारस्परिक संबंधों पर निर्भर करता है। मगर यह जन-समाज स्वतंत्रता और निजता के नाम पर इस संवाद को धीरे-धीरे खत्म कर देता है। संवाद के न रहने से मनुष्य की अपनी पहचान का उन्मूलन होता है और वह तकनीक द्वारा दी गई जानकारी को ग्रहण करते हुए मनुष्य से एक छवि में तब्दील होने लगता है। यह छवि एक ऐसी भीड़ का हिस्सा है, जहां मनुष्य से कुछ भी करवाया जा सकता है। इस भीड़ से बने आभासी समाज में बातों के अलावा ठोस कार्यों की जरूरत नहीं होती। यहां जवाबदेही से अलग हमारा दिखना और लिखना अधिक महत्त्व रखता है। हमारे शब्दों के कोई अर्थ हो या नहीं, इस बात से फर्क नहीं पड़ता। यहां किसी मुद्दे पर अपनी बात रख देने मात्र से कर्तव्य की इतिश्री समझने वाली मानसिकता अधिक होती है। इसीलिए इन माध्यमों पर सबके प्रति संवेदना जताने वाले लोग असल जिंदगी में संवेदनहीन बने रह सकते हैं। इनके मूल्यों में शब्दों को अर्थों से, कर्मों से और परिणाम से जोड़ने की बाध्यता नहीं है। यहां सिर्फ कहते जाना है। कहे-सुने का तथ्यों से कोई लेना-देना नहीं होता। यथार्थ को जानने-समझने की कोशिश करने के बजाय यहां तात्कालिकता को ज्यादा महत्त्व मिलता है। इस समाज में 'वायरल' होने की आकांक्षा ही अधिकतर लोगों को जोड़े रखती है।

आभासी स्वतंत्रता के पीछे नियंत्रण का तंत्र – वास्तविक जीवन में भावनाओं से जुड़े संबंध यहां महत्त्वपूर्ण नहीं हो सकते, क्योंकि गहरे संबंधों में कुछ भी कहना मुश्किल हो जाता है। जबकि इस दुनिया में किसी के बारे में न जानते हुए भी, कुछ भी कहना एक अतिरिक्त योग्यता है। इन माध्यमों को अपनी स्वतंत्रता के प्रतीक स्वरूप इस्तेमाल करने वाले लोग यह भूल जाते हैं कि यह सब अपने-आप नहीं चलता। यह हर जगह से नियंत्रित हो रहा है और यह नियंत्रण किसी विशेष पक्ष की ओर झुका हुआ होता है। यहां अगर हम सत्ता की वैचारिकी को आगे बढ़ा सकते हैं, तब सामाजिक, नैतिक और मानवीय होने की भी जरूरत नहीं रहती। यह दुनिया कर्म के अनुसार फल मिलने वाली अवधारणा को आधार नहीं बनाकर लॉटरी-तंत्र को आधार बनाती है। इसमें लोकप्रिय होने की भूख में लाखों लोगों से वह सब करवाया जा सकता है, जो एक निश्चित पद्धति पर चलने वाले समाज में संभव नहीं हो सकता। भीड़ होकर भी यह समाज बहुत बंद समाज है। यहां विषय, मुद्दे और पोस्ट सब कुछ तय हैं। यहां लोग उतने ही स्वीकृत हो सकते हैं, जितने से शासन को कोई खतरा नहीं हो। इस तरह यहां व्यक्तित्व के लिए जगह नहीं है। यह जगह छवि के लिए ही है। इस 'नेटवर्किंग सोसाइटी' में मनुष्य की हैसियत एक 'यूजर-आईडी' से अधिक नहीं है। समस्या यह है कि आभासी दुनिया और वास्तविक समाज के लोग एक ही हैं। उनकी अपनी पहचानें घुल-मिल गई हैं। इससे घिरे लोग वास्तविक समाज में अपनी भूमिकाएं भूलते जा रहे हैं। इन सबमें मनुष्य की चेतना बंट गई है, वह अलग-अलग जगहों पर अलग स्तरों पर जी रहा है। सही और गलत के ही नहीं, वास्तविक और आभासी के बीच की रेखाएं उसके लिए धुंधला गई हैं। वह उन चीजों से घिरा हुआ है, जिनका अस्तित्व ही नहीं है। ऐसे में वह वास्तविकता का सामना करने के लायक भी नहीं रह पा रहा। आभासी और वास्तविक समाज के बीच का यह टकराव मनुष्य की चेतना को एक गहरे मनोवैज्ञानिक संकट की ओर धकेल रहा है, जहां उसका मन-मस्तिष्क एक ही समय में दो विपरीत दुनिया को जीने के लिए मजबूर है। जिस तकनीक ने मनुष्य को पूरी दुनिया से जोड़ दिया है, उसी ने उसे आंतरिक चेतना से अलग भी किया है। आभासी और वास्तविक समाजों के बीच मनुष्य स्वयं को पहचान नहीं पा रहा है। मनुष्य कोई आभासी प्राणी नहीं है, न ही वह भ्रम में रहकर बहुत दिनों तक जी सकता है। उसे सचमुच के समाज की जरूरत होती है। उसे स्पष्ट जुड़ाव, सुरक्षा और अपनापन चाहिए, जो उसे उसके आसपास के समुदाय में ही मिल सकता है। जब यह संभव नहीं होता, तो मनुष्य अकेला पड़ता जाता है। वह बेचैन, अधूरा और भटका हुआ महसूस करता है। दोनों समाजों के बीच अपनी स्थिति की

नमो भारत यात्रियों के लिए ट्रिप पास की सुविधा शुरू
बार-बार टिकट और रिचार्ज की झंझट होगी कम

गाजियाबाद नमो भारत में नियमित सफर करने वाले यात्रियों के लिए एनसीआ-रटीसी ने नई सुविधा शुरू की है। अब एनसीएमसी कार्ड यूजर्स ट्रिप पास खर-ीदकर अपनी नियमित यात्राओं की पहले से योजना बना सकेंगे इससे यात्रियों को बार-बार टिकट खरीदने या एनसीएमसी कार्ड के ग्लोबल वॉलेट को रिचार्ज करने की जरूरत कम होगी और व्यस्त समय में समय की बचत होगी।

नमो भारत में रोजाना करीब 1.1 लाख यात्री सफर कर रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या ऐसे यात्रियों की है, जो रोजाना एक ही स्टेशन से दूसरे निश्चित स्टेशन के बीच यात्रा करते हैं ऐसे यात्रियों को ध्यान में रखते हुए ट्रिप पास की सुविधा शुरू की गई है। ट्रिप पास एनसीएमसी कार्ड पर लोड किया जाएगा इसके बाद पास में निर्धारित शुरूआती और गंतव्य स्टेशन के बीच यात्रा करने पर एक ट्रिप अपने आप कम हो जाएगी। उदाहरण के तौर पर सराय काले खां से मोदीपुरम के बीच नियमित सफर करने वाला यात्री अपनी जरूरत के अनुसार पहले से कई ट्रिप खरीद सकता हैल्लएक दिन में भी इसका कई बार इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन यात्रा उन्हीं स्टेशनों के बीच होनी चाहिए जिनके लिए पास खरीदा गया है। सराय काले खां से मोदीपुरम तक स्टैंडर्ड कोच का किराया 210 रुपये और प्रीमियम कोच का किराया 250 रुपये है। एनसीएमसी कार्ड के ग्लोबल वॉलेट में अधिकतम 2 हजार रुपये तक रिचार्ज किया जा सकता है ऐसे में नियमित रूप से आने जाने वाले यात्रियों को बार बार रिचार्ज की जरूरत पड़ सकती है ट्रिप पास से कई यात्राओं का भुगतान पहले ही किया जा सकता है। ट्रिप पास केवल उसी शुरूआती और गंतव्य स्टेशन के बीच मान्य होगा जिसके लिए उसे खरीदा गया है यदि यात्री किसी दूसरे स्टेशन के बीच यात्रा करता है तो सामान्य किराया एनसीएमसी कार्ड के ग्लोबल वॉलेट से काटा जाएगा।

मसलन यदि किसी यात्री के पास सराय काले खां से बेगमपुल का ट्रिप पास है

लेकिन वह शताब्दी नगर तक ही जाता है तो उस यात्रा का किराया ग्लोबल वॉलेट से लिया जाएगा वहीं बेगमपुल से आगे यात्रा करने पर अतिरिक्त किराया भी वॉलेट से कटेगा। इसलिए यात्रियों के लिए वॉलेट में पर्याप्त बैलेंस रखना जरूरी होगा।

यात्री अपनी जरूरत के अनुसार 1 से 40 ट्रिप तक के पास ले सकेंगे स्टैंडर्ड और प्रीमियम दोनों कोच के लिए विकल्प उपलब्ध हैं।

ट्रिपे वैधतो रिफंड
1 15 दिनल्ल नॉन रिफंडेबल
2 30 दिन नॉन रिफंडेबल
5 30 दिन नॉन रिफंडेबल
10 30 दिन नॉन रिफंडेबल
15 60 दिन 200 रुपये एडमिन फीस कटेगी
20 60 दिन 200 रुपये एडमिन फीस कटेगी
40 90 दिन 200 रुपये एडमिन फीस कटेगी

ट्रिप पास EFO यानी आमतौर पर एएफसी गेट के पास स्थित काउंटर से खरीदा जा सकता है आगे की यात्राओं के लिए पास का टॉपअप EFO या नमो भारत स्टेशनों पर उपलब्ध टिकट वेंडिंग मशीन (TVM) के जरिए किया जा सकता है। इसके अलावा एनसीएमसी कार्ड से नमो भारत में यात्रा करने वाले यात्रियों को प्रत्येक यात्रा पर 10 प्रतिशत की छूट का लाभ मिलता है। लॉयल्टी प्रोग्राम के तहत खर्च किए गए प्रत्येक एक रुपये पर एक लॉयल्टी प्वाइंट मिलता है। 300 लॉयल्टी प्वाइंट जमा होने पर उन्हें एक मुफ्त यात्रा के लिए रिडीम किया जा सकता है। एनसीआरटीसी के मुताबिक ट्रिप पास की सुविधा से स्कूल कॉलेज के छात्रों कामकाजी लोगों, व्यापारियों और अन्य नियमित यात्रियों को रोजाना के सफर में सुविधा मिलेगी। इससे टिकट खरीदने और कार्ड रिचार्ज करने में लगने वाला समय कम होगा और नियमित यात्राओं की बेहतर तरीके से योजना बनाई जा सकेगी।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर चलती बस पर ताबड़तोड़ फायरिंग, दो लोग घायल
स्कूटी सवार दो हमलावरों ने लालकुआं से किया पीछा, हाईटेक कॉलेज के सामने बरसाईं गोलियां; घायलों को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल भेजा

गाजियाबाद। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर सोमवार देर रात स्कूटी सवार दो अज्ञात हमलावरों ने एक चलती बस पर कई राउंड फायरिंग कर दी। थाना मसूरी क्षेत्र के डासना देहात स्थित हाईटेक कॉलेज के सामने हुई इस घटना में बस सवार दो लोग गोली लगने से घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, घटना 28 सितंबर की रात करीब 11:40 बजे की है। बस संख्या वढ15ऋ0038 दिल्ली के उस्मानपुर से बदायूं के उसैत जा रही थी। बस चालक सरफुद्दीन निवासी ग्राम अलापुर, बदायूं ने पुलिस को बताया कि स्कूटी सवार दो अज्ञात व्यक्ति लालकुआं से ही बस का पीछा कर रहे थे। आरोप है कि उन्होंने कई बार बस पर हमला करने का प्रयास किया। इसके बाद हा-ईटेक कॉलेज के सामने मेरठ की ओर जाने वाले मार्ग पर स्कूटी सवारों ने बस

की कंडक्टर साइड से कई राउंड फायरिंग कर दी।

गोलीबारी में बस के हेल्पर तालिब हुसैन (25) निवासी बदायूं के कंधे के पास गोली लगी, जबकि बस मालिक के दोस्त कमरुद्दीन (42) निवासी बदायूं की गर्दन पर गोली लगने से चोट आई। घटना के बाद दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल भेजा गया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बस मालिक का रुपये के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा है। पुलिस को आशंका है कि इसी विवाद के चलते बस पर हमला किया गया। हालांकि, हमले की वास्तविक वजह जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

घटना की सूचना मिलने पर थाना मसूरी प्रभारी, चौकी प्रभारी जेल और पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने बस को चौकी जेल पर खड़ा करा दिया है। पुलिस के मुताबिक, घटनास्थल पर यातायात सुचारू रहा और शांति व्यवस्था कायम है। तहरीर मिलने के बाद मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी की पहल से दिव्यांग मुकेश को तत्काल राहत पेंशन समस्या का समाधान और व्हीलचेयर प्रदान

गाजियाबाद जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ की संवेदनशील एवं जनहितपरक कार्यशैली का एक और उदाहरण जनता दर्शन के दौरान देखने को मिला। ग्राम दोसा बंजारपुर निवासी दिव्यांगजन श्री मुकेश कुमार अपने बड़े भाई के साथ दिव्यांग पेंशन संबंधी समस्या लेकर जनता दर्शन में जिलाधिकारी के समक्ष पहुंचे थे चलने-फिरने में कठिनाई के कारण उन्हें व्हीलचेयर की भी आवश्यकता थी जिलाधिकारी ने मुकेश कुमार की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए उनकी दिव्यांग पेंशन संबंधी शिकायत का तत्काल निस्तारण कराया। साथ ही उनकी शारीरिक स्थिति एवं आवश्यकता को देखते हुए मौके पर ही व्हीलचेयर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी के निर्देश पर दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग गाजियाबाद द्वारा तत्काल व्हीलचेयर की व्यवस्था कराई गई जिसे जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ द्वारा मुकेश कुमार को मौके पर ही प्रदान किया गया। तत्काल मिली सहायता पर मुकेश कुमार एवं उनके बड़े भाई ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी गाजियाबाद श्री अंशुल चौहान भी उपस्थित रहे उन्होंने मुकेश कुमार को दिव्यांगजनों के कल्याण एवं सशक्तीकरण हेतु संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं उनसे मिलने वाले लाभों के संबंध में जानकारी दी।

जिलाधिकारी द्वारा जनता दर्शन में आने वाले जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनते हुए संबंधित विभागों के माध्यम से उनके त्वरित निस्तारण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। विशेष रूप से ऐसे जरूरतमंद दिव्यांगजन जो आर्थिक अथवा अन्य परिस्थितियों के कारण आवश्यक सहायक उपकरण स्वयं प्राप्त करने में सक्षम नहीं हैं उन्हें पात्रता एवं आवश्यकता के अनुरूप विभागीय योजनाओं से जोड़कर सहायता उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं

मुकेश कुमार की पेंशन संबंधी समस्या का तत्काल समाधान तथा मौके पर व्हीलचेयर उपलब्ध कराया जाना जिला प्रशासन की संवेदनशील एवं त्वरित कार्यशैली का एक उ-दाहरण है।

महिलाओं से अभद्रता के आरोप में सभासद के खिलाफ कार्रवाई की मांग
पुलिस पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप, पीड़ित महिला ने उच्चाधिकारियों से लगाई न्याय की गुहार

शामली। नगर पालिका परिषद के वार्ड-16 में नाला निर्माण को लेकर 19 सितंबर को हुए विवाद का मामला तूल पकड़ता जा रहा है।

अब स्थानीय महिलाओं और लोगों ने वार्ड सभासद अनिल उपाध्याय के खिलाफ कथित अभद्रता और बदसलूकी के आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। इससे पहले विवाद के दौरान सभासद के साथ मारपीट होने और दोनों पक्षों की ओर से पुलिस को तहरीर दिए जाने की जानकारी सामने आई थी।

पीड़ित महिला और स्थानीय लोगों का आरोप है कि विवाद के दौरान सभासद ने महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया। उनका कहना है कि घटना के बाद उनके पक्ष की शिकायत पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई, जबकि दूसरे पक्ष की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया। महिलाओं ने पुलिस के उच्चाधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है। महिलाओं के एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा एसपी से मुलाकात किए जाने की भी रिपोर्ट सामने आई है। शिकायतकताओं ने सभासद पर राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करने का आरोप भी लगाया है। साथ ही उन्होंने सभासद के पूर्व विवादों और अन्य मामलों की भी जांच कराने की मांग की है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। महिलाओं का कहना है कि यदि उनकी शिकायत पर निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो वे उच्चाधिकारियों के समक्ष अपनी मांग आगे भी उठाएंगी। उन्होंने पुलिस प्रशासन से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

बैलेट पेपर से चुनाव हुए...तो इनकी दुकान बंद हो जाएगी

सहारनपुर में इमरान बोले-हमारा सवाल ज्ञानेश कुमार से, जवाब सरकार दे रही...पूरा गठजोड़ चल रहा

सहारनपुर में कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर दर्ज मुकदमे के बीच कांग्रेस सांसद इमरान मसूद मंगलवार को एसएसपी ऑफिस पहुंचे। कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन के दौरान पुलिस से धक्का-मुक्की, सरकारी कार्य में बाधा और सड़क पर यातायात प्रभावित होने के मामले में कांग्रेस जिलाध्यक्ष संदीप राणा, महानगर अध्यक्ष मनीष त्यागी समेत कई नेताओं और कार्यकर्ताओं पर मुकदमा दर्ज होने के बाद इमरान मसूद ने प्रदर्शन पर रोक लगाने को लेकर सरकार और प्रशासन पर सवाल खड़े किए।

इमरान मसूद ने कहा कि सरकार प्रदर्शन पर पूरी तरह रोक लगाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा-कांग्रेस का सवाल मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश गुप्ता से है, लेकिन जवाब सरकार की तरफ से दिया जा रहा है।

सांसद ने कहा कि उन्हें ऐसा दिखाई दे रहा है कि पूरा का पूरा गठजोड़ चल रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रदर्शन करेगी, क्योंकि प्रदर्शन करना उसका अधिकार है। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि प्रदर्शन के दौरान कोई अप्रिय घटना न हो, इसकी जिम्मेदारी केवल प्रदर्शनकारियों की नहीं बल्कि प्रशासन की भी है

बाईटः-इमरान मसूद
सांसद सहारनपुरं

हजारों छात्राओं की आवाज बना त्वं हि दुर्गा युवती सम्मेलन
अभाविप मेरठ महानगर के आयोजन में नारी शक्ति, शिक्षा, स्वावलंबन और नेतृत्व पर हुआ मंथन; खुले मंच पर छात्राओं ने बेबाकी से रखे विचार, तीन चरणों में हुआ कार्यक्रम का समापन

मेरठः चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के नेताजी सुभाष चंद्र बोस प्रेक्षागृह में मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप), मेरठ महानगर द्वारा ह्यत्वं हि दुर्गा झ युवती सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में मेरठ महानगर के विभिन्न महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों से बड़ी संख्या में छात्राओं ने सहभागिता की। सम्मेलन का केंद्र बिंदु नारी शक्ति, शिक्षा, आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता, स-ुरक्षा जागरूकता और सामाजिक सहभागिता रहा। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने छात्राओं से अपनी प्रतिभा एवं क्षमताओं को पहचानने तथा शिक्षा और कौशल के माध्यम से अपने भविष्य को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबिता सिंह चौहान, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला, अभाविप मेरठ प्रांत की प्रांत उपाध्यक्ष एवं मुख्य वक्ता डॉ. जूही अग्रवाल, राष्ट्र सेविका समिति की संभाग प्रचारिका सुश्री अलका सिंह, आई.आई.एम.टी. विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति एवं स्वागत समिति अध्यक्ष डॉ. मयंक अग्रवाल, स्वागत समिति मंत्री डॉ. मूल चंद सैनी, अभाविप मेरठ महानगर अध्यक्ष डॉ. नेहा गर्ग एवं महानगर मंत्री श्री अनुज बैसला सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के बाद अभाविप कार्यकर्ता अनुष्का द्वारा परिषद गीत प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं छात्र-ाओं ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया।

अधिकारों के प्रति जागरूकता जरूरी : डॉ. बबिता सिंह चौहान

मुख्य अतिथि एवं उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबिता सिंह चौहान ने महिला अधिकारों, सुरक्षा और जागरूकता से जुड़े विषयों पर छात्राओं को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि महिलाओं एवं छात्राओं के लिए उपलब्ध अधिकारों और संस्थागत व्यवस्थाओं की जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं से शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने तथा किसी भी समस्या की स्थिति में उचित संस्थागत माध्यमों का उपयोग करने की अपील की। शोध, तकनीक और प्रश-ासन में आगे आएं छात्राएं : प्रो. संगीता शुक्ला कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने छात्राओं को उच्च शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि छात्राओं के लिए शोध, तकनीक, प्रशासन और विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में आगे बढ़ने के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने छात्राओं से अपनी शिक्षा को कौशल एवं नवाचार से जोड़ने और निरंतर ज्ञान अर्जित करने का आह्वान किया।

अभाविप केवल छात्र संगठन नहीं, राष्ट्र निर्माण का माध्यम : डॉ. नेहा गर्ग

अभाविप मेरठ महानगर अध्यक्ष एवं चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के एम.बी.ए. विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. नेहा गर्ग ने सम्मेलन की प्रस्ताविकी प्रस्तुत करते हुए युवती सम्मेलन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि युवा छात्राओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विक-सित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि युवतियां शिक्षा, अनुसंधान, तकनीक, प्रशासन, उद्योग और सामाजिक क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

भारतीय संस्कृति और आत्मनिर्भरता पर सुश्री अलका सिंह ने किया संवाद

विशिष्ट अतिथि एवं राष्ट्र सेविका समिति की संभाग प्रचारिका सुश्री अलका सिंह ने अपने संबोधन में भारतीय संस्कृति, नारी सम्मान, शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर विचार व्यक्त किए।

अपनी क्षमता पहचानें और नेतृत्व के लिए आगे आएं : डॉ. जूही अग्रवाल

मुख्य वक्ता एवं अभाविप मेरठ प्रांत की प्रांत उपाध्यक्ष डॉ. जूही अग्रवाल ने युवती कार्य और छात्राओं की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

शिक्षा के साथ चरित्र और सामाजिक जिम्मेदारी जरूरी : डॉ. मयंक अग्रवाल

स्वागत समिति अध्यक्ष एवं आई.आई.एम.टी. विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति डॉ. मयंक अग्रवाल ने सम्मेलन में उपस्थित छात्राओं एवं अतिथियों का स्वागत किया।

शोभायात्रा में दिखी छात्राओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता

सम्मेलन के अवसर पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा आयोजन का प्रमुख आकर्षण रही। शोभायात्रा में छात्राओं एवं अभाविप कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा के दौरान नारी शिक्षा, आत्मनिर्भरता, सामाजिक जागरूकता एवं राष्ट्र निर्माण में युवतियों की भूमिका से जुड़े संदेशों को प्रमुखता से रखा गया।

शोभायात्रा के पश्चात छात्राएं सम्मेलन स्थल पहुंचीं और कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में सहभागिता की। आयोजकों के अनुसार, शोभायात्रा का उद्देश्य युवतियों की सामूहिक सहभागिता एवं सामाजिक जागरूकता को सामने लाना था।

खुले मंच पर छात्राओं ने रखे बेबाक विचार

सम्मेलन का विशेष आकर्षण ह्यखुला मंच झ डस्रील्ल ट्र रीर२ॠल्लह्ण रहा। इस सत्र के मुख्य अतिथि श्री अश्वनी त्यागी जी रहे। खुले मंच पर छात्राओं को अपने विचार, अनुभव, कविताएं और भाषण प्रस्तुत करने का अवसर मिला।

मेरठः केसरगंज मस्जिद विवाद को लेकर हंगामा, पिंकी चौधरी के खिलाफ कोतवाली में तहरीर

मेरठ। केसरगंज मस्जिद को लेकर चल रहा विवाद अब तूल पकड़ता जा रहा है। सोमवार को इस मामले ने नया मोड़ ले लिया जब बहुजन समाज पार्टी के नेता और पूर्व प्रत्याशी हाजी राशिद अखलाक के नेतृत्व में लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और हिंदू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी चौधरी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कोतवाली थाने में तहरीर दी।

हाजी राशिद अखलाक द्वारा थाना अध्यक्ष कोतवाली को दी गई तहरीर में कहा गया है कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें गाजियाबाद निवासी पिंकी चौधरी यह कह रहा है कि मंगलवार 29/09/2026 को वह मेरठ पहुंचेगा और पुलिस प्रशासन को धमकी भरे अंदाज में कह रहा है कि केसरगंज वाली मस्जिद को खुद तोड़ दो वरना मैं आकर तोड़ दूंगा।

तहरीर में आरोप लगाया गया है कि इस तरह के बयान से पूरे मेरठ में दहशत का माहौल है और फिजा खराब हो रही है।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पिंकी चौधरी द्वारा आज केसरगंज मस्जिद के सामने हनुमान चालीसा पढ़ने की घोषणा की गई थी, जिसके विरोध में यह प्रदर्शन किया गया है। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस-प्रशासन से मांग की है कि इसको रोका जाये और इसके खिलाफ साम्प्रदायिक दंगा भड़काने जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा कायम किया जाये ताकि शहर के अंदर अमन शांति व भाई चारा कायम रहे।

रंग संसार

उड़ता तीर और प्रेम मोल लिया के बाद डार्क थ्रिलर के सीक्वल में नजर आएंगे आयुष्मान, डायरेक्टर ने लगाई मुहर

नई दिल्ली। पिछले काफी समय से मीडिया में इस बात की चर्चा थी कि आयुष्मान खुराना की फिल्म अंधाधुन का सीक्वल आने वाला है। अब इसको लेकर लेटेस्ट में एक अपडेट सामने आया है। अंधाधुन को श्रीराम राघवन ने डायरेक्ट किया था और ये साल 2018 में रिलीज हुई थी। इसमें आयुष्मान खुराना, तब्बू और राधिका आप्टे ने लीड रोल निभाया था। अब खबर मिली है कि इसका सीक्वल आने वाला है। इवेंट में आयुष्मान ने पूछा सवाल मुंबई में एफआ-ईसीसीआई (FICCI) फ्रेम्स 2026 के दौरान, जब आयुष्मान खुराना ने डायरेक्टर श्रीराम राघवन से 'अंधाधुन 2' के बारे में सीधे सवाल पूछा, तो फिल्ममेकर ने बताया कि उन्हें किस वजह से इसे बनाने में हिचकिचाहट हो रही है।आयुष्मान ने श्रीराम राघवन से सीधे सवाल किया कि आप अंधाधुन 2 कब ला रहे हैं? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि जब एक अच्छी कहानी मिल जाएगी, कोई ऐसी स्टोरी जो पहली फिल्म की कहानी को खराब न करे तो हम इसे ले आएंगे।कब आएगा अंधाधुन का सीक्वल? बता दें कि फिल्ममेकर ने अभी सीक्वल की संभावना को पूरी तरह से नाकारा नहीं है। वो बस एक ओरिजिनल कहानी की तलाश में हैं जो पहली फिल्म के लेवल से मैच खाता हो। यह फिल्म अपने खतरनाक ट्विस्ट और डार्क ह्यूमर की वजह से खूब पॉपुलर हुई थी।आयुष्मान खुराना के वर्कफ्रंट की बात करें को एक्टर बहुत जल्द उड़ता तीर और सूरज बड़जात्या की ये प्रेम मोल लिया में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ शरवरी नजर आएंगी जोकि 27 नवंबर 2026 को रिलीज होगी। वहीं उड़ता तीर 9 अक्टूबर को रिलीज होने वाली है। इसमें उनके अपोजिट सारा अली खान को कास्ट किया गया है।

राज काज

'ब्याज दरें स्थिर रखना मुश्किल', बढ़ती महंगाई और महंगे कच्चे तेल के बीच आरबीआई पर दबाव

नई दिल्ली। बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों, महंगाई के दबाव और वैश्विक बॉन्ड यील्ड में तेजी के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (फ्इक) के लिए ब्याज दरों को मौजूदा स्तर पर बनाए रखना पहले की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है। मंगलवार को जारी बीएनपी परिबास इंडिया की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल के सप्ताहों में भारत का व्यापक आर्थिक परिदृश्य कुछ कमजोर हुआ है, जिससे मौद्रिक नीति पर दबाव बढ़ सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई हैं, जबकि अमेरिकी 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड 5 प्रतिशत के करीब पहुंच गई है। इसके साथ ही दुनिया भर में महंगाई के दबाव बने हुए हैं और कई केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में वृद्धि का रास्ता अपना रहे हैं।रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने विदेशी मुद्रा गैर-निवासी (एफसीएनआर) जमा के जरिए अपने बाहरी क्षेत्र को मजबूत किया है, लेकिन विकसित देशों में बढ़ती ब्याज दरों के कारण पूंजी निकासी का जोखिम भी बढ़ गया है। ऐसे माहौल में फ्इक के लिए नीतिगत दरों को लंबे समय तक स्थिर बनाए रखना कठिन हो सकता है।रिपोर्ट में कहा गया है कि कच्चे तेल और अन्य कमोडिटी की कीमतों में वृद्धि निकट अवधि में भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। इसी कारण रुपए पर दबाव बढ़ा है और फ्इक के पास ब्याज दरें अपरिवर्तित रखने की गुंजाइश सीमित होती जा रही है। बीएनपी परिबास इंडिया के भारतीय इक्विटी अनुसंधान प्रमुख कुणाल वोरा ने कहा कि भारत का व्यापक आर्थिक दृष्टिकोण तेल कीमतों के प्रति बेहद संवेदनशील है और पश्चिम एशिया में ताजा तनाव देश के लिए नकारात्मक संकेत लेकर आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले दो सप्ताह में रुपया लगभग 1 प्रतिशत कमजोर हुआ है। वहीं भारत की 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड 7 प्रतिशत के ऊपर पहुंच गई है और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली भी फिर शुरू हो गई है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को एफसीएनआर जमा से समर्थन मिला है। अनुमानतः लगभग 127 अरब डॉलर के एफसीएनआर प्रवाह की मदद से विदेशी मुद्रा भंडार करीब 800 अरब डॉलर तक पहुंच गया है।

दैनिक राशिफल बुधवार 30 सितम्बर 2026

मेष – सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है।

वृष – परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं।

मिथुन : विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी।

कर्क – पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होगें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है।

सिंह– दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। चिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है।

कन्या – रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

तुला – संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी।

वृश्चिक – कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

धनु – मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं।

मकर – शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा।

कुंभ – विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। नैतिक दायरे में रहें।

मीन – क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोगो को आश्चर्य में डाल देगें। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा।

दैनिक पंचांग

30 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.11 बजे से
चंद्र	मेष में	वृश्चिक	09.25 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	11.41 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.47 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	15.33 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	17.06 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.36 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.16 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.15 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.28 बजे से
12.00 से 1.30		सिंह	02.44 बजे से
बजे तक		कन्या	04.56 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 273 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 14.56 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** भरणी 07.37 बजे को समाप्त। **योग** वज्र 00.21 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 14.56 बजे तदनन्तर कौलव 01.46 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 18.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 02° 43' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872848 **जूलियन दिन** 2461313.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 18 **विशेष** मासिक कार्तिगाई।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फर्जी कॉल से डिजिटल अरेस्ट तक... साइबर ठगी के हर दांव से सावधान रहें छात्र

एसडी मैनेजमेंट कॉलेज में साइबर जागरूकता कार्यक्रम, एसपी क्राइम इन्दु सिद्धार्थ ने समझाए ठगी से बचने के तरीके–ओटीपी, बैंक डिटेल और पासवर्ड किसी से साझा न करने की अपील

मुजफ्फरनगर। एसडी मैनेजमेंट कॉलेज, भोपा रोड पर आयोजित साइबर जागरूकता कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कॉलेज प्रधानाचार्य और स्टाफ ने पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ तथा साइबर क्राइम थाना प्रभारी कर्मवीर सिंह का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद पुलिस अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं और कॉलेज स्टाफ को साइबर अपराधों के विभिन्न स्वरूपों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी।

फर्जी कॉल, लिंक और केवाईसी के नाम पर ठगी से रहें सतर्क

पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ ने बताया कि साइबर अपराधी लगातार ठगी के नए-नए तरीके अपना रहे हैं। लोगों को कभी फर्जी फोन कॉल के माध्यम से बैंक अधिकारी बनकर निशाना बनाया जाता है तो कभी व्हाट्सऐप मैसेज और फर्जी लिंक भेजकर उनके बैंक खातों तथा व्यक्तिगत जानकारी तक पहुंचने का प्रयास किया जाता है। केवाईसी अपडेट कराने, बैंक खाता बंद होने, इनाम निकलने अथवा किसी आकर्षक ऑफर के नाम पर भी लोगों से जानकारी हासिल की जाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को ऑनलाइन निवेश के नाम पर होने वाली ठगी से भी सावधान किया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर मिलने वाले निवेश संबंधी संदेशों और लालचपूर्ण ऑफर पर बिना सत्यापन के भरोसा नहीं करना चाहिए।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर भी लोगों को बनाया जा रहा शिकार

कार्यक्रम के दौरान डिजिटल अरेस्ट के नाम पर होने वाली साइबर ठगी के बारे में भी छात्र-छात्राओं को जानकारी दी गई। पुलिस ने बताया कि साइबर अपराधी खुद को पुलिस, जांच एजेंसी या अन्य सरकारी विभाग का अधिकारी बताकर लोगों को डराने का प्रयास करते हैं। इसके बाद वीडियो कॉल या फोन पर पूछताछ और कार्रवाई का भय दिखाकर धनराशि की मांग की जाती है। ऐसे मामलों में घबराने के बजाय तत्काल पुलिस को सूचना देने की सलाह दी गई।

ओटीपी और बैंक की जानकारी किसी से साझा न करें

एसपी क्राइम ने छात्र-छात्राओं से कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, एटीएम अथवा डेबिट कार्ड की जानकारी, बैंक खाता संबंधी विवरण, पासवर्ड और अन्य व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। उन्होंने संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचने तथा किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर मोबाइल में कोई एप डाउनलोड न करने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी कई बार विश्वास में लेकर जरूरी जानकारी हासिल करते हैं। इसलिए किसी भी फोन कॉल, मैसेज या ऑनलाइन ऑफर की सत्यता की जांच किए बिना कोई कदम नहीं उठाना चाहिए।

ठगी होते ही 1930 पर करें शिकायत

पुलिस अधीक्षक अपराध ने छात्र-छात्राओं को बताया कि यदि किसी व्यक्ति के साथ साइबर ठगी हो जाती है तो उसे घबराने के बजाय तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। पीड़ित राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज करा सकता है। इसके अलावा नजदीकी थाने की साइबर हेल्प डेस्क को भी सूचना दी जा सकती है।

उन्होंने बताया कि साइबर ठगी के मामलों में शिकायत करने में देरी नहीं करनी चाहिए। समय पर पुलिस को सूचना मिलने से ठगी की गई धनराशि को रोकने अथवा वापस कराने की कार्रवाई जल्द शुरू की जा सकती है।

साइबर क्राइम थाना प्रभारी ने भी बताए बचाव के उपाय

थाना प्रभारी साइबर क्राइम कर्मवीर सिंह ने भी छात्र-छात्राओं और कॉलेज स्टाफ को साइबर अपराधों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि साइबर फ्रॉड होने पर पीड़ित को घबराने के बजाय तत्काल संबंधित माध्यम से शिकायत दर्ज करानी चाहिए। उन्होंने समय रहते पुलिस को सूचना देने को साइबर ठगी की स्थिति में बेहद महत्वपूर्ण बताया।

परिवार और आसपास के लोगों को भी जागरूक करने की अपील

कार्यक्रम के अंत में पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ ने छात्र-छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं साइबर अपराधों के प्रति जागरूक रहने के साथ-साथ अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है, ऐसे में ऑनलाइन लेनदेन और सोशल मीडिया का उपयोग करते समय सावधानी बरतना बेहद जरूरी है।

एआई के दौर में साइबर सुरक्षा का पाठ, गोयनका स्कूल में शिक्षकों ने सीखी सुरक्षित डिजिटल तकनीक

मुजफ्फरनगर। जी. डी. गोयनका पब्लिक स्कूल, मुजफ्फरनगर में ऑरेंज एजुकेशन के सहयोग से शिक्षकों के लिए ह्यअ१ ॠ' क्ल्लइ'ी ल्लिू ल्ला उट्री१ उ१ेह्ल विषय पर विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। मॉन्टेसरी लैब में आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बदलते स्वरूप तथा बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यशाला का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. श्रीमती स्वाति शर्मा, उपप्रधानाचार्या श्रीमती अंजली आनंद सहित समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता प्रवीण शर्मा, शिक्षाविद्, प्रशिक्षक, शोधकर्ता एवं तकनीकी विशेषज्ञ, ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभावी उपयोग, साइबर अपराधों के बढ़ते स्वरूप, डिजिटल सुरक्षा तथा सुरक्षित एवं जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने शिक्षकों को तकनीक के सकारात्मक उपयोग के साथ-साथ उससे जुड़ी सावधानियों और संभावित साइबर खतरों से भी अवगत कराया।

कार्यशाला में शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए नवीन तकनीकों और साइबर सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं को समझा। कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्या डॉ. श्रीमती स्वाति शर्मा ने प्रवीण शर्मा एवं ऑरेंज एजुकेशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के साथ विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित एवं जिम्मेदार डिजिटल वातावरण तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एक महीने में तीन बार ट्यूबवेल पर चोरी, वृद्ध किसान परेशान

मुकंदपुर में चोरों ने किसान की ट्यूबवेल को बनाया निशाना, 150 मीटर तक केबल, मोटर और गैस सिलेंडर ले गए; थाने पहुंचकर पुलिस से लगाई गुहार

मुजफ्फरनगर। तितावी थाना क्षेत्र के गांव मुकंदपुर में ट्यूबवेलों पर लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से किसान परेशान हैं। गांव निवासी वृद्ध किसान कालूराम की ट्यूबवेल को चोरों ने करीब एक माह के भीतर तीन बार निशाना बनाया। बार-बार चोरी होने से परेशान किसान तितावी थाने पहुंचे और पुलिस को तहरीर देकर घटनाओं के खुलासे तथा आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

बार-बार निशाना बन रही ट्यूबवेल

वृद्ध किसान कालूराम का आरोप है कि चोरों ने उनकी ट्यूबवेल पर लगातार चोरी की वारदातों को अंजाम दिया। करीब एक माह के दौरान तीन बार चोरी होने से किसान की परेशानी बढ़ गई है। किसान के अनुसार, प्रत्येक घटना के बाद पुलिस को सूचना दी गई, लेकिन अभी तक चोरी की घटनाओं का खुलासा नहीं हो सका है।

केबल से लेकर मोटर और सिलेंडर तक चोरी

किसान के अनुसार, चोर ट्यूबवेल से करीब 120 से 150 मीटर केबल, एक मोटर और एक गैस

सिलेंडर चोरी कर ले गए। लगातार हो रही चोरी के कारण किसान को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। ट्यूबवेल से सामान चोरी होने के कारण खेतों की सिंचाई का काम भी प्रभावित होने की आशंका है।

थाने पहुंचकर पुलिस से लगाई गुहार

लगातार तीसरी बार चोरी की घटना के बाद वृद्ध किसान कालूराम तितावी थाने पहुंचे। उन्होंने पुलिस को तहरीर देकर चोरी की घटनाओं का जल्द खुलासा कराने और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। किसान ने क्षेत्र में ट्यूबवेलों पर लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को देखते हुए रात के समय पुलिस गश्त बढ़ाने की भी मांग की है।

किसानों में बढ़ रही चिंता

ट्यूबवेलों पर बार-बार चोरी होने से क्षेत्र के किसानों में भी चिंता बढ़ रही है। किसानों का कहना है कि खेतों पर बने ट्यूबवेल अक्सर आबादी से दूर होते हैं, जिसका फायदा चोर उठाते हैं। ऐसे में रात के समय पुलिस गश्त बढ़ाए जाने से चोरी की घटनाओं पर अंकुश लग सकता है। वृद्ध किसान ने पुलिस से अपनी ट्यूबवेल पर हुई चोरी की घटनाओं का शीघ्र खुलासा कराने की गुहार लगाई है।

स्वामी कल्याण देव विद्यालय में फिर चोरी, पंखे और पानी की मशीन समेत सामान पर हाथ साफ

भिक्की–भण्डूर के स्कूल में कमरों के ताले टूटे मिले, पानी की मशीन का अंदरूनी सामान और फिटिंग भी ले गए चोर, प्रबंधक ने सिखेड़ा थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की

मुजफ्फरनगर। सिखेड़ा थाना क्षेत्र के भिक्की-भण्डूर गांव स्थित स्वामी कल्याण देव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक बार फिर चोरी की वारदात सामने आई है। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार चोर रात के समय स्कूल परिसर में घुसे और कमरों के ताले तोड़कर पंखे, पानी पीने की मशीन का अंदरूनी सामान, फिटिंग समेत अन्य सामान चोरी कर ले गए। सुबह विद्यालय पहुंचने पर कमरों के ताले टूटे मिले तो चोरी की जानकारी हुई। लगातार चोरी की घटनाओं से विद्यालय प्रबंधन परेशान है।

विद्यालय प्रबंधक की ओर से थाना सिखेड़ा में दी गई तहरीर में बताया गया कि जब वह और विद्यालय का स्टाफ सुबह स्कूल पहुंचे तो वहां चोरी की घटना का पता चला। विद्यालय के कई कमरों के ताले टूटे हुए थे। अंदर जाकर सामान की जांच की गई तो पानी पीने की मशीन का अंदरूनी सामान, फिटिंग और अन्य सामग्री गायब मिली।

पानी की मशीन और फिटिंग का सामान भी चोरी

तहरीर के मुताबिक चोर विद्यालय में लगे पानी पीने की मशीन के अंदर का सामान तथा फिटिंग से जुड़ी सामग्री भी निकालकर ले गए। इसके अलावा विद्यालय में लगे पंखे समेत अन्य सामान भी चोरी होने की

जानकारी दी गई है। चोरी के कारण विद्यालय की व्यवस्थाएं प्रभावित हुई हैं।

पहले भी कई बार हो चुकी है चोरी

विद्यालय प्रबंधन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी विद्यालय परिसर में कई बार चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। बार-बार स्कूल को निशाना बनाए जाने से प्रबंधन में चिंता है। प्रबंधन का कहना है कि विद्यालय में रखे संसाधन विद्यार्थियों की सुविधा के लिए हैं और चोरी होने से स्कूल की व्यवस्थाओं पर सीधा असर पड़ता है। विद्यालय प्रबंधक की ओर से थाना सिखेड़ा पुलिस को तहरीर देकर चोरी की घटना में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की गई है। प्रबंधन ने पुलिस से विद्यालय में हुई चोरी की जांच कराने, चोरों की पहचान करने और चोरी गया सामान बरामद कराने की गुहार लगाई है।

रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग

विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि बार-बार चोरी की घटनाओं को देखते हुए स्कूल के आसपास रात के समय पुलिस गश्त बढ़ाई जानी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्र में स्थित विद्यालय में रात के समय पर्याप्त सुरक्षा नहीं होने के कारण चोर आसानी से वारदात को अंजाम दे देते हैं। प्रबंधन ने पुलिस से भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बढ़ी चिंता

एक ही विद्यालय में लगातार चोरी की घटनाएं सामने आने से स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। प्रबंधन का कहना है कि यदि समय रहते चोरियों पर अंकुश नहीं लगाया गया तो विद्यालय को लगातार आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। अब पुलिस द्वारा तहरीर के आधार पर जांच और आगे की कार्रवाई की जानी है।

सफलता के लिए पुरुषार्थ और प्रारब्ध दोनों आवश्यक : आचार्य अभिषेक

बुढ़ाना। गांव लुहसाना के श्रीसीताराम मंदिर में आयोजित श्रीमद् देवीभागवत कथा के सप्तम दिवस पर आचार्य अभिषेक शुक्ल ने कहा कि शास्त्रों में पुरुषार्थ को क्षेत्र और प्रारब्ध को बीज कहा गया है। क्षेत्र और बीज के संयोग से ही अनाज समृद्ध होता है। इसलिए संसार में सफलता प्राप्ति के लिए पुरुषार्थ और प्रारब्ध दोनों का महत्त्व है।

उन्होंने कहा कि प्रबल पुरुषार्थ करें, भगवान से प्रार्थना करें और कार्यसिद्धि की प्रतीक्षा करें। कल्याण की कामना से भगवान का आश्रय ग्रहण करना चाहिए। जैसे पक्षी आकाश में कितना भी भ्रमण करता रहे, पर क्षुधा निवृत्ति के लिए उसे भूमि पर आना ही पड़ता है। वैसे ही

सुख, शांति और कल्याण की प्राप्ति के लिए जीव को भगवान की शरण ग्रहण करनी ही पड़ती है।

आचार्य ने स्पष्ट किया कि चक्रपाणि भगवान का आश्रय लेने से ही जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्ति प्राप्त होती है। कथा के दौरान उन्होंने महिषासुर वध, गायत्री महिमा आदि का भी वर्णन किया। कथा के उपरांत भजन कीर्तन पर श्रद्धालु झूम उठे। आरती कर प्रसाद वितरण किया गया। आयोजक स्वामी राकेश, दयाचंद सैनी, संजीव पाल, सुनील, डॉ. परविंदर, बलवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

मोरना में नशा मुक्ति जागरूकता रैली: वीरपाल निर्वाल ने दिखाई हरी झंडी, भोपा थाने तक गूंजे नशा विरोधी नारे

हरबीरी देवी भोपाल सिंह डिग्री कॉलेज ने किया रैली का आयोजन

मोरना (मुजफ्फरनगर)। युवा पीढ़ी को नशे की गर्त में धकेलने वाले घातक व्यसनों से बचाने और एक स्वस्थ व खुशहाल जीवनशैली के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से क्षेत्र के प्रतिष्ठित हरबीरी देवी भोपाल सिंह डिग्री कॉलेज की छात्राओं ने विशाल नशा मुक्ति जागरूकता रैली का आयोजन किया। रैली का औपचारिक शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष एवं प्रशासक डॉ. वीरपाल निरवाल ने कॉलेज प्रांगण से हरी झंडी दिखाकर किया।

हाथों में तख्तियां और बुलंद नारों से दिया जागरूकता का संदेश

जागरूकता रैली के दौरान छात्राओं के हाथों में नशे के दुष्प्रभावों को दशार्ती बेहद आकर्षक पेंटिंग्स, पोस्टर और संदेशपरक तख्तियां थीं। पूरे रास्ते छात्राओं ने गूंजदार नारों और नारों वाली पट्टिकाओं के माध्यम से आमजन और युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने का आह्वान किया। रैली के भोपा थाना पहुंचने पर पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों ने भी छात्राओं के इस सामाजिक सरोकार की सराहना की। रैली कॉलेज परिसर से प्रारंभ होकर क्षेत्र के विभिन्न प्रमुख मार्गों एवं बाजारों से गुजरती हुई भोपा थाना परिसर तक पहुंची।

छात्राओं ने भाषणों से बताए नशे के गंभीर दुष्परिणाम

रैली के दौरान आयोजित संवाद कार्यक्रम में कॉलेज की प्रतिभाशाली छात्राओं शिवानी, शगुन, अलिना, नीलोफर, महक, वंशिका, प्रिंसी, आँचल और आफरीन ने अपने-अपने ओजस्वी एवं प्रभावी भाषणों के माध्यम से नशे के सामाजिक, आर्थिक और शारीरिक दुष्परिणामों पर गहनता से प्रकाश डाला। नशा न केवल एक व्यक्ति की सेहत और उसके भविष्य को बर्बाद करता है, बल्कि पूरे हंसते-खेलते परिवार और समाज की नींव को खोखला कर देता है। युवाओं को अपनी ऊर्जा देश निर्माण में लगानी चाहिए, न कि व्यसनों में हो।

कॉलेज स्टाफ और शिक्षकों की रही सराहनीय भूमिका

इस विशाल जागरूकता अभियान को अनुशासित और सफल बनाने में डिग्री कॉलेज के समस्त शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ का विशेष योगदान रहा। इस दौरान आशीष कुमार, रोहिताश, सतेंद्र, अमित, अंकित, परमिंदर, अरविंद, नेहा, चेतन लता, सोफिया और कोमल सहित भारी संख्या में शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे।

एटीएम में मदद के बहाने कार्ड बदला, खाते से 22 हजार रुपये उड़ाए

पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम में पहले से मौजूद थे दो युवक, पिन देखने के बाद वारदात को दिया अंजाम; पीड़ित की तहरीर पर शाहपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की

मुजफ्फरनगर। शाहपुर कस्बे में पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम पर रुपये निकालने पहुंचे एक व्यक्ति का एटीएम कार्ड बदलकर उसके खाते से 22 हजार रुपये निकालने का मामला सामने आया है। एटीएम में पहले से मौजूद दो युवकों ने कथित तौर पर उसका पिन देख लिया और मौका पाकर उसका कार्ड बदल दिया। इसके बाद आरोपियों ने दूसरे एटीएम कार्ड के सहारे पीड़ित को भ्रमित किया और उसके कार्ड से दो बार में 22 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ित की तहरीर पर शाहपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी तहरीर में कस्बा शाहपुर निवासी अजय कुमार ने बताया कि वह पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम से रुपये निकालने के लिए गया था। एटीएम के अंदर पहले से ही दो लोग मौजूद थे। अजय कुमार के अनुसार, जब वह एटीएम से रुपये निकालने की प्रक्रिया कर रहा था, तभी दोनों युवकों

ने उसका एटीएम पिन देख लिया या उसे याद कर लिया।

पिन देखने के बाद बदल दिया एटीएम कार्ड

आरोप है कि इसी दौरान दोनों युवकों ने चालाकी से अजय कुमार का एटीएम कार्ड बदल दिया। उसके स्थान पर आरोपियों ने किसी अन्य व्यक्ति का एटीएम कार्ड उसे दे दिया। अजय कुमार को इसकी जानकारी उस समय नहीं हुई और वह एटीएम से बाहर चला गया। कुछ समय बाद जब खाते से रुपये निकाले जाने की जानकारी हुई तो उसे अपने साथ हुई ठगी का पता चला। तहरीर के मुताबिक, आरोपियों ने अजय कुमार के असली एटीएम कार्ड का इस्तेमाल करते हुए पहली बार 15 हजार रुपये और दूसरी बार सात हजार रुपये, यानी कुल 22 हजार रुपये निकाल लिए।

दूसरे व्यक्ति का कार्ड थमाकर हुए फरार

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि आरोपियों द्वारा उसे जो एटीएम कार्ड दिया गया था, वह भी किसी दूसरे व्यक्ति के नाम का था। इससे आशंका जताई जा रही है कि आरोपी एटीएम में पहले से लोगों को निशाना बनाने की फिराक में मौजूद थे और मौका मिलते ही कार्ड बदलकर वारदात को अंजाम देते थे। अजय कुमार ने शाहपुर थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने और कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

एटीएम की सीसीटीवी फुटेज खंगालेगी पुलिस

मामले में पुलिस एटीएम के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल सकती है। फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही खाते से निकाली गई रकम के लेनदेन का विवरण और एटीएम से हुई निकासी की जानकारी भी जांच का हिस्सा होगी। पुलिस आरोपियों तक पहुंचने के लिए उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई कर रही है।

बुढ़ाना में सपा प्रतिनिधिमंडल को रोका, बाद में पीड़ित परिवार को सौंपा एक लाख का चेक

पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे नेताओं ने पुलिस–प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप, आरोपियों की गिरफ्तारी और शस्त्र लाइसेंस की मांग

बुढ़ाना। जय सिंह कश्यप की पीट-पीटकर हत्या के मामले में पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल को बुढ़ाना में पुलिस-प्रशासन द्वारा रोके जाने का मामला सामने आया। इस दौरान सपा नेताओं ने पुलिस-प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राजपाल कश्यप ने आरोप लगाया कि जय सिंह कश्यप की पीट-पीटकर हत्या के बाद सपा का प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिलने जा रहा था, लेकिन पुलिस-प्रशासन ने उन्हें बुढ़ाना में रोक दिया। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग के लोगों की हत्या हो रही है और उन्हें न्याय नहीं मिल पा रहा है। सपा नेता ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल परिवार के दुख-दर्द में शामिल होने और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा भेजी

गई आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए पहुंचा था। राजपाल कश्यप ने प्रशासन की कार्रवाई को लेकर अघोषित इमरजेंसी जैसा बताते हुए मांग की कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाए, हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए, परिवार को आर्थिक सहायता दी जाए तथा उनकी सुरक्षा को देखते हुए शस्त्र लाइसेंस जारी किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता संरक्षित लोगों को अपराध करने की छूट दी जा रही है, जबकि पीड़ित परिवार के साथ खड़े होने वाले लोगों को रोका जा रहा है। उन्होंने विनोद साहनी हत्याकांड का भी उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि उस मामले में चार घंटे तक पोस्टमार्टम नहीं हुआ था।

सपा जिलाध्यक्ष जया चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा भेजी गई आर्थिक सहायता का चेक पीड़ित परिवार को सौंपने के लिए प्रतिनिधिमंडल पहुंचा था, लेकिन लॉ एंड ऑर्डर का हवाला देकर उन्हें रोक दिया गया। उन्होंने बताया कि जय सिंह कश्यप हत्याकांड में पांच आरोपियों में से तीन को जेल भेजा जा चुका है, जबकि दो आरोपी अभी फरार हैं। उन्होंने प्रशासन से फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा पीड़ित परिवार को सुरक्षा और न्याय उपलब्ध कराने की मांग की। इसके बाद सपा प्रतिनिधिमंडल ने कस्बे के निरीक्षण भवन में पीड़ित परिवार से मुलाकात की और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर से भेजी गई एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक परिवार को सौंपा। नेताओं ने परिवार को भरोसा दिलाया कि पार्टी उनके साथ खड़ी है और न्याय की लड़ाई में हरसंभव सहयोग करेगी। इस अवसर पर पूर्व सांसद हाजी फजलुर्रहमान, पूर्व राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त मांगेराम कश्यप, प्रदेश सचिव विनय पाल, धनवीर सिंह कश्यप और विधानसभा अध्यक्ष अकरम खान सहित सपा के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सपा नेताओं ने प्रशासन से अपील की कि पीड़ित परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, फरार आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए और हत्याकांड में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए परिवार को न्याय दिलाया जाए।

खतौली मेला श्रावणी छड़ियांन में कवियों ने बांधा समां: भोर तक गूंजती रहीं तालियां, गंगा-जमुनी तहजीब और सौहार्द का दिया संदेश

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन

खतौली (मुजफ्फरनगर)। ऐतिहासिक मेला श्रावणी छड़ियांन के पावन अवसर पर नगर पालिका परिषद खतौली के तत्वाधान में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। देर रात से प्रारंभ हुआ यह सांस्कृतिक मंच भोर की पहली किरण तक लगातार जगमगाता रहा। सम्मेलन में देश के कोने-कोने से आए प्रख्यात कवियों एवं कवयित्रियों ने हास्य, व्यंग्य, श्रृंगार, देशभक्ति और सामाजिक सरोकारों से ओत-प्रोत रचनाएँ प्रस्तुत कर पंडाल में मौजूद हजारों श्रोताओं को भोर तक बांधे रखा। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता श्यामलाल उर्फ बच्ची सैनी ने फीता काटकर किया, जबकि अध्यक्षता नगर पालिका चेयरमैन हाजी शाहनवाज लालू ने की। मंच का संचालन बनारस से पधारे प्रसिद्ध हास्य कवि 'दमदार बनारसी' ने अपने चुटीले और प्रभावशाली अंदाज में किया। उन्होंने अपनी प्रस्तुति में सोशल मीडिया के दौर में बढ़ते दिखावे और लोकप्रियता की होड़ पर तीखा कटाक्ष करते हुए श्रोताओं को लोटपोट कर दिया।

खतौली की गंगा-जमुनी तहजीब को मिली सराहना

मेरठ से आए कवि डॉ. प्रतीक गुप्ता ने अपनी पंक्तियों के माध्यम से खतौली के गौरवशाली इतिहास और यहाँ की गंगा-जमुनी तहजीब को पिरोया। उन्होंने खतौली को हिंदू-मुस्लिम एकता और सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल के रूप में रेखांकित किया, जिस पर पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

श्रृंगार और भावनाओं का अद्भुत संगम

श्रृंगार रस के लोकप्रिय कवि मोहन

बिष्ट ह्यमुंतज़िरह्ल ने प्रेम और दीवानगी से जुड़ी हास्य-व्यंग्य मिश्रित रचनाओं से माहौल को बेहद खुशनुमा बना दिया। वहीं, कवयित्री डॉ. शिखा दीप्ति दीक्षित ने अपनी भावपूर्ण और श्रृंगारिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। उनकी रचनाओं के दौरान पंडाल में गहरा सन्नाटा छाया रहा और पंक्तियाँ पूरी होते ही दाद देने वालों की होड़ लग गई।

बेटी और पारिवारिक रिश्तों पर भावुक हुए श्रोता

कवयित्री राधिका मित्तल ने बेटी की महिमा और पारिवारिक संवेदनाओं से जुड़ी पंक्तियाँ सुनाकर पंडाल में मौजूद लोगों की आँखें नम कर दीं। श्रोताओं की विशेष मांग पर उन्होंने प्रेम और विरह की रचनाएँ भी प्रस्तुत कीं। इसके अलावा कवि फैसल स्योहारवी ने प्रेम, त्याग और मानवीय रिश्तों की गहराई को अपनी कलम से जीवंत किया।

भोर तक बना रहा श्रोताओं का उत्साह

कवि सम्मेलन की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि देर रात से लेकर भोर होने तक श्रोताओं की संख्या और उनके उत्साह में कोई कमी नहीं आई। आमतौर पर देर रात कार्यक्रमों में भीड़ घटने लगती है, लेकिन यहाँ हर एक रचना के साथ तालियों का शोर बढ़ता ही चला गया।

आयोजकों ने प्रतीक चिन्ह देकर किया सम्मानित

कार्यक्रम के समापन अवसर पर संयोजक सभासद अमित अहलावत, विशाल तोमर तथा मास्टर सत्तार ने आए हुए सभी अतिथि कवियों को स्मृति चिह्न व शॉल भेंटकर सम्मानित किया और भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिए खतौली की जनता का आभार व्यक्त किया।

शुकतीर्थ गंगा घाट पर स्वच्छता अभियान: स्कूली बच्चों ने किया श्रमदान, संतों और अधिकारियों ने दिया स्वच्छता का संदेश

जिलाधिकारी के निर्देश पर 'जिला गंगा समिति' ने चलाया अभियान

मुजफ्फरनगर। नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत मुजफ्फरनगर के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल शुकतीर्थ स्थित गंगा घाट पर एक विशेष स्वच्छता अभियान एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह अभियान जिलाधिकारी उमेश मिश्रा के निर्देशों तथा प्रभागीय निदेशक (सामाजिक वानिकी प्रभाग) अभिनव राज के मार्गदर्शन में 'जिला गंगा समिति' मुजफ्फरनगर द्वारा संपन्न कराया गया। इस स्वच्छता अभियान में स्वामी कल्याण देव इंटर कॉलेज एवं महर्षि शुकदेव इंटर कॉलेज, मोरना के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक श्रमदान करते हुए गंगा घाट और उसके आसपास के पूरे परिसर की साफ-सफाई की तथा एकत्र कचरे का निस्तारण किया। पूज्य संतों का मिला पावन सानिध्य कार्यक्रम में आध्यात्मिक जगत से जुड़े पूज्य संतों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि के रूप में महामंडलेश्वर गोपाल दास जी महाराज (पूर्णागिरी मंदिर) एवं विज्ञानानंद जी महाराज (सरस्वती हनुमान धाम) मौजूद रहे। संतों ने श्रद्धालुओं व स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए गंगा मैया की पवित्रता और निर्मलता बनाए रखने पर बल दिया और सभी से घाटों को स्वच्छ

रखने का आह्वान किया। अधिकारियों ने समझाया 'नमामि गंगे' का उद्देश्य

कार्यक्रम के दौरान जिला परियोजना अधिकारी हर्ष कुमार ने छात्र-छात्राओं को स्वच्छता के सामाजिक महत्व और नमामि गंगे मिशन के मूल उद्देश्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं क्षेत्रीय वन अधिकारी (मोरना रेंज) रविकांत चौधरी ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के महत्व के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन जिला गंगा समिति के सदस्य डॉ. राजीव कुमार ने किया। सामाजिक संगठनों व वन विभाग का रहा विशेष सहयोग

अभियान को सफल बनाने में गंगा सेवा समिति के महामंत्री महकार जी तथा गंगा विचार मंच के जिलाध्यक्ष श्रवण कुमार की महत्वपूर्ण व सक्रिय सहभागिता रही। इसके अलावा वन विभाग से वन दरोगा सुनील कुमार, नंदकिशोर सहित वन विभाग के अन्य कर्मचारियों ने भी श्रमदान कर सफाई व्यवस्था में अपना योगदान दिया।

जिला गंगा समिति के अधिकारियों ने बताया कि नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत गंगा नदी और इसके तटवर्ती घाटों को स्वच्छ, निर्मल एवं सुंदर बनाए रखने के लिए नियमित रूप से ऐसे अभियान आयोजित किए जा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों, श्रद्धालुओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से गंगा स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश व्यापक स्तर पर फैल रहा है।

मुजफ्फरनगर में एडीएम प्रशासन रह चुके हरीश चंद्र चार हजार करोड़ के लीजबैक मामले में बर्खास्त

नोएडा प्राधिकरण के तत्कालीन सचिव पर शहदरा की जमीन में नियमों के उल्लंघन के आरोप; 2013 से चल रही थी विभागीय जांच, शासन ने 28 सितंबर को जारी किया सेवा से बर्खास्तगी का आदेश

मुजफ्फरनगर। नोएडा की हजारों करोड़ रुपये की जमीन से जुड़े चर्चित लीजबैक प्रकरण में उत्तर प्रदेश शासन ने बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया है। नोएडा प्राधिकरण के तत्कालीन सचिव और वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी हरीश चंद्र को सरकारी सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। शासन ने यह कार्रवाई ग्राम शहदरा की जमीन के लीजबैक में नियमों के उल्लंघन, कथित तौर पर भ्रामक रिपोर्ट प्रस्तुत करने और पात्रता से बाहर के लोगों तथा निजी कंपनियों को जमीन लीजबैक किए जाने से जुड़े विभागीय आरोपों के आधार पर की है। बर्खास्तगी का आदेश 28 सितंबर 2026 को नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग की ओर से जारी किया गया। बर्खास्तगी के समय हरीश चंद्र पश्चिम बंगाल के कोलकाता में खाद्य एवं रसद विभाग के स्थानिक प्रतिनिधि के पद पर तैनात थे। नोएडा के चर्चित लीजबैक प्रकरण में बर्खास्त किए गए पीसीएस अधिकारी हरीश चंद्र का मुजफ्फरनगर से भी प्रशासनिक जुड़ाव रहा है। वह मुजफ्फरनगर में अपर जिलाधिकारी प्रशासन (एडीएम प्रशासन) के पद पर तैनात रह चुके हैं। इसके अलावा वह गौतमबुद्धनगर की दादरी तहसील में उपजिलाधिकारी (एसडीएम) और नोएडा विकास प्राधिकरण में सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। मुजफ्फरनगर में एडीएम प्रशासन के पद पर उनकी तैनाती के कारण शासन की ओर से हुई मौजूदा कार्रवाई स्थानीय स्तर पर भी चर्चा का विषय बनी है। हालांकि, उनकी मुजफ्फरनगर में तैनाती का वर्तमान लीजबैक मामले से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं बताया गया है। यह कार्रवाई नोएडा प्राधिकरण में उनके तत्कालीन कार्यकाल से जुड़े शहदरा लीजबैक प्रकरण में हुई विभागीय जांच के आधार पर की गई है। विभागीय जांच का केंद्र गौतमबुद्धनगर के ग्राम शहदरा से जुड़ी वह जमीन रही, जिसे नोएडा विकास प्राधिकरण ने अधिग्रहित कर अपने कब्जे में लिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट के 3 सितंबर 2026 के आदेश में दर्ज विभागीय आरोपों के अनुसार नोएडा प्राधिकरण में सचिव पद पर तैनाती के दौरान हरीश चंद्र से संबंधित कार्रवाई

सेक्टर 140-ए, 141, 142 और 143 में प्राधिकरण के कब्जे वाली करीब 3,81,527 वर्गमीटर भूमि के लीजबैक से जुड़ी थी। जांच में आरोप लगाया गया कि आबादी के निर्धारण के लिए जिस प्रक्रिया का पालन किया जाना था, उसमें सैटेलाइट इमेजिंग का इस्तेमाल नहीं किया गया। विभागीय आरोपों के मुताबिक सर्वे में गांव के बाहर के लोगों, निजी कंपनियों और ऐसे लोगों को भी शामिल कर लिया गया, जिन्हें आबादी विनियमों के तहत लीजबैक का पात्र नहीं माना गया था। विभागीय आरोपों का एक प्रमुख हिस्सा लीजबैक के लिए निर्धारित भूमि की सीमा से जुड़ा था। हाईकोर्ट के आदेश में दर्ज आरोपों के अनुसार संबंधित आबादी विनियमों के तहत गांव के मूल निवासियों को अधिकतम 450 वर्गमीटर तक भूमि के नियमितीकरण/लीजबैक का प्रावधान था। आरोप है कि इसके बावजूद बाहरी व्यक्तियों और निजी कंपनियों के पक्ष में बड़े भूखंडों के लीज डीड कराए गए। हाईकोर्ट के रिकॉर्ड के मुताबिक 7 अक्टूबर 2011 को हरीश चंद्र की ओर से अधीनस्थ नायब तहसीलदार को लीज डीड निष्पादित करने का निर्देश दिया गया। इसके बाद उसी दिन कई लीज डीड की कार्रवाई हुई। न्यायालय के आदेश में विभागीय आरोपों के हवाले से निजी कंपनियों, गांव के बाहर के लोगों और ऐसे स्थानीय लोगों के नाम भी सामने आने की बात दर्ज है, जो कथित तौर पर निर्धारित पात्रता पूरी नहीं करते थे। हाईकोर्ट के आदेश में दर्ज विभागीय आरोपों के अनुसार सर्वे रिपोर्ट में भी कई महत्वपूर्ण तथ्यों को दर्ज नहीं किया गया। आरोप था कि एक कॉलम में मूल काश्तकारों के नाम दर्ज नहीं किए गए और दूसरे में उस भूमि का क्षेत्रफल नहीं बताया गया, जिसे विनियमन समिति के समक्ष रखा जाना था। जांच में यह भी आरोप लगाया गया कि संबंधित समिति, नोएडा प्राधिकरण बोर्ड और अन्य अधिकारियों के समक्ष ऐसी रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसमें महत्वपूर्ण तथ्यों का कथित रूप से उल्लेख नहीं था। विभागीय पक्ष के अनुसार इससे लीजबैक की प्रक्रिया में ऐसे लोगों और कंपनियों को लाभ मिलने का रास्ता बना, जो नियमों के तहत पात्र नहीं थे। शासन की कार्रवाई से जुड़ी प्रकाशित रिपोर्टों में लीजबैक के दायरे में आई करीब 4,00,447 वर्गमीटर भूमि का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 4,000 करोड़ रुपये बताया गया है। यही आंकड़ा इस मामले को बड़े भूमि प्रकरण के रूप में चर्चा में लाता रहा है। हालांकि, चार हजार करोड़ रुपये का आंकड़ा संबंधित कार्रवाई में बताए गए अनुमानित बाजार मूल्य के रूप में सामने आया है। इसे किसी न्यायालय द्वारा अंतिम रूप से सिद्ध आपराधिक घोटाले की राशि के रूप में प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा।

जनपद स्तरीय अंडर-17 क्रिकेट प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

चारों तहसीलों की टीमों ने किया प्रतिभाग, चयनित खिलाड़ी मंडल स्तर की प्रतियोगिता के लिए रवाना

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर क्षेत्र में श्री अरविंद इंटर कॉलेज पुरा में मंगलवार को जनपद स्तरीय अंडर-17 बालक वर्ग क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जनपद की चारों तहसीलों जानसठ, खतौली, सदर एवं बुढ़ाना की टीमों ने प्रतिभाग करते हुए अपनी खेल प्रतिभा और दमखम का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह के साथ मुकाबलों में भाग लिया। प्रतियोगिता के उपरांत बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन किया गया। चयनित खिलाड़ियों की टीम जनपद का प्रतिनिधित्व करते हुए मंडल स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए रवाना हुई। इस दौरान खिलाड़ियों में खासा उत्साह नजर आया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रबंधक नरेश कुमार त्यागी ने की। मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक हरिकेश यादव ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के जीवन में पढ़ाई के साथ-

साथ खेलों का भी विशेष महत्व है। खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि जिस क्षेत्र में उनकी रुचि और प्रतिभा है, उसी क्षेत्र में आगे बढ़कर अपना करियर बनाने का प्रयास करें।

उन्होंने खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने तथा खेल भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों ने भी अपने शानदार खेल से मौजूद अतिथियों एवं शिक्षकों का ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, खेल शिक्षक, जिला क्रीड़ा सचिव सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य कपिल देव त्यागी एवं खेल शिक्षक वीरेंद्र कुमार के निर्देशन में प्रतियोगिता का सफल संचालन किया गया।

आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त स्टाफ एवं कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा। प्रतियोगिता के समापन पर चयनित खिलाड़ियों को आगामी मंडल स्तरीय प्रतियोगिता के लिए रवाना किया।

खतौली में गणेश प्रसाद 'वर्णी' की जयंती: अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला आज, देश-विदेश के विद्वान करेंगे मंथन

कॉलेज के हिन्दी विभाग एवं भारतीय भाषा, कला एवं संस्कृति प्रकोष्ठ की बैठक में बनी रणनीति

खतौली (मुजफ्फरनगर)। कस्बा खतौली स्थित श्री कुन्द कुन्द जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय में महाविद्यालय के संस्थापक क्षुल्लक गणेश प्रसाद ह्यवर्णीह्ल जी की 153वीं जयंती के अवसर पर आगामी 30 सितंबर को एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष कार्यशाला का आयोजन कॉलेज के हिन्दी विभाग एवं भारतीय भाषा, कला एवं संस्कृति प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हो रहा है।

वर्णी जी के शिक्षा-दर्शन और योगदान पर होगा विमर्श

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. नीतू वशिष्ठ ने कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में देश एवं विदेश के मूर्धन्य विद्वान भाग लेंगे। कार्यशाला के दौरान वर्णी जी के

जीवन, ज्ञान-दर्शन, शिक्षा-दृष्टि तथा सामाजिक एवं शैक्षणिक क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा।

एमएसयू सहारनपुर की कुलपति होंगी मुख्य अतिथि

आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर की माननीय कुलपति प्रो. विमला वाई शिरकत करेंगी। इसके अलावा कार्यशाला में प्रो. वीर सागर जैन, प्रो. अनेकान्त जैन, प्रो. दिनेश कुमार, डॉ. सोनू जैन के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर डॉ. जिनेश शेठ (बर्मिंघम, इंग्लैंड) तथा श्री अनुभव जैन (लंदन) जैसे प्रख्यात विद्वान अपनी सहभागिता दर्ज कराएंगे।

दो तकनीकी सत्रों में आयोजित होगी कार्यशाला

यह अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला वर्चुअली (ऑनलाइन) दो सत्रों में आयोजित की जाएगी। पहला सत्र प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक आयोजित होगा, जबकि दूसरा सत्र दोपहर 1:45 बजे से 3:30 बजे तक चलेगा। आयोजन का मुख्य ध्येय वर्णी जी की महान शिक्षा-परंपरा और भारतीय ज्ञान परंपरा में उनके ऐतिहासिक योगदान पर उच्च स्तरीय अकादमिक विमर्श को आगे बढ़ाना है। प्रबुद्ध निर्देशन में हो रहा आयोजन कार्यक्रम के कुशल संचालन के लिए डॉ. मनीष कुमार जैन को संयोजक तथा डॉ. राजीव कौशिक को सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष योगेश चंद्र सर्राफ और सचिव मुकेश कुमार जैन एडवोकेट के कुशल निर्देशन में किया जा रहा है।

खतौली के गबरू का बैंकॉक में जलवा: एशियन बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में पाया 5वां स्थान

रायपुर नंगली लौटने पर विशाल चौधरी का ढोल-नगाड़ों और फूल-मालाओं से हुआ जोरदार अभिनंदन

खतौली (मुजफ्फरनगर)। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में आयोजित 58वीं एशियन बॉडी बिल्डिंग एवं स्पोर्ट्स फिजिक चैंपियनशिप-2026 में मुजफ्फरनगर जिले के खतौली स्थित रायपुर नंगली निवासी विशाल चौधरी ने देश का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। कड़े मुकाबले के बीच विशाल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पांचवां स्थान हासिल कर पूरे जनपद और प्रदेश का मान बढ़ाया है। सोमवार को प्रतियोगिता समाप्त होने के बाद जब विशाल चौधरी अपने गृह क्षेत्र खतौली पहुंचे, तो उनके स्वागत में जनसैलाब उमड़ पड़ा। स्थानीय निवासियों, खिलाड़ियों और जनप्रतिनिधियों ने उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया।

युवाओं के लिए बताया प्रेरणा स्रोत

विशाल चौधरी (पुत्र सुनील कुमार

सिंह) के खतौली स्थित आवास पर आयोजित स्वागत समारोह में राजनीतिक व सामाजिक संगठनों के प्रमुख लोग शामिल हुए। भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजू अहलावत, भाकियू नेता सचिन चौधरी तथा रालोद नेता धर्मेंद्र तोमर ने विशाल को माल्यार्पण कर उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि सीमित संसाधनों और कड़े परिश्रम के बल पर अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचना कोई साधारण बात नहीं है। विशाल ने अपनी निरंतर मेहनत, अनुशासन और लगन से न केवल अपने गांव रायपुर नंगली, बल्कि खतौली और मुजफ्फरनगर का नाम विश्व स्तर पर रोशन किया है। उनकी यह उपलब्धि क्षेत्र के उन तमाम युवाओं के लिए एक मिसाल है जो खेल और फिटनेस की दुनिया में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं।

आगामी प्रतियोगिताओं के लिए दी शुभकामनाएं

स्वागत समारोह के दौरान जसवीर राणा, नरेश चौधरी, डॉ. रजनीश, मांगेराम, विनीत, बॉबी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे। सभी ने विशाल के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उम्मीद जताई कि आने वाले समय में वह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतकर लाएंगे। समारोह के अंत में विशाल चौधरी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्रवासियों का यह स्नेह और आशीर्वाद ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का झंडा फहराने की ऊर्जा देता है।

खतौली में शिक्षक संघ का चुनाव: संजय कुमार 5वीं बार बने ब्लॉक अध्यक्ष, बबीता मंत्री और प्रवीण बने कोषाध्यक्ष

पर्यवेक्षकों की देखरेख में सर्वसम्मति से हुआ चुनाव

खतौली (मुजफ्फरनगर)। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ ब्लॉक खतौली की कार्यकारिणी का चुनाव मंगलवार को जीटी रोड स्थित एक बैंक्वेट हॉल में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया के दौरान शिक्षकों ने संघ के प्रति अपनी अटूट निष्ठा दिखाते हुए वरिष्ठ शिक्षक नेता संजय कुमार को सर्वसम्मति से पांचवीं बार ब्लॉक अध्यक्ष की कमान सौंपी है।

वार्षिक चुनाव प्रक्रिया शाहपुर से आए चुनाव पर्यवेक्षक अजय कुमार तथा बुढ़ाना से आए आदेश कुमार शर्मा की देखरेख में संपन्न कराई गई। बैठक में उपस्थित सभी शिक्षकों ने सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए संजय कुमार को ब्लॉक अध्यक्ष, बबीता को ब्लॉक मंत्री तथा प्रवीण कुमार को ब्लॉक कोषाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का संघ के नेताओं और शिक्षकों ने फूल-

मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

व्यवधान डालने की कोशिश पर सख्ती

चुनाव प्रक्रिया के दौरान माहौल पूरी तरह लोकतांत्रिक रहा। हालाँकि, कुछ असमाजिक तत्वों द्वारा चुनाव प्रक्रिया में व्यवधान डालने का प्रयास किया गया, जिन्हें चुनाव पर्यवेक्षकों और संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सख्त रुख अपनाते हुए तत्काल प्रभाव से कार्यक्रम स्थल से बाहर का रास्ता दिखा दिया। इसके बाद शांतिपूर्ण तरीके से निर्वाचन की प्रक्रिया पूर्ण की गई।

संघ के वरिष्ठ नेता रहे मौजूद

इस महत्वपूर्ण चुनावी कार्यक्रम में शिक्षक हितों की लड़ाई लड़ने वाले कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजवीर सिंह मलिक, जिलाध्यक्ष संजीव बालियान, प्रदेश प्रवक्ता कंवर पाल बालियान, महामंत्री राजन वशिष्ठ और कोषाध्यक्ष हरपाल सिंह सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे और नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं।

किसी बिरादरी के प्रति विरोध या भेदभाव हुआ तो राजनीति छोड़ दूंगा : अनिल कुमार

समरसता सम्मेलन के बाद सोशल मीडिया पर छिड़े विवाद पर कैबिनेट मंत्री का स्पष्टीकरण

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय लोकदल की ओर से आयोजित सामाजिक समरसता सम्मेलन के बाद सोशल मीडिया पर चल रही चचाओं और विवाद के बीच कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए स्थिति स्पष्ट करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि रालोद के सभी नेता और कार्यकर्ता एक मंच पर मिलकर पार्टी को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। राजनीति में विचारों की अभिव्यक्ति अलग-अलग हो सकती है, लेकिन ऐसी किसी भी बात को बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए, जिससे समाज या संगठन के बीच दूरी पैदा हो। कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने अपनी पोस्ट में स्पष्ट शब्दों में कहा कि वह किसी भी बिरादरी का अपमान नहीं करते और सभी समाज एवं बिरादरियों का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि रालोद का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलना और संगठन को मजबूत करना है। सम्मेलन के बाद सोशल मीडिया पर सामने आई चचाओं के बीच उनकी यह पोस्ट महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ह्यहम सभी जयंत चौधरी जी के सिपाही हैं अनिल कुमार ने कहा कि वह स्वयं, रालोद जिलाध्यक्ष संजय राठी, चेयरमैन कृष्ण पाल राठी और सुधीर भारती समेत सभी नेता राष्ट्रीय लोकदल के लिए एक मंच पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी की प्राथमिकता रालोद को मजबूत करना है और संगठन के भीतर किसी भी प्रकार की दूरी पैदा करना पार्टी के हित में नहीं है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि, ह्लहम सभी लोग जयंत चौधरी जी के सिपाही हैं, चाहे स्वयं मैं हूं, जिला अध्यक्ष संजय राठी जी हों, चेयरमैन कृष्ण पाल राठी जी हों या सुधीर भारती जी हों। हम सभी लोग एक मंच पर सिर्फ और सिर्फ राष्ट्रीय लोकदल की मजबूती के लिए काम कर रहे हैं। मतभेद हो सकते हैं, लेकिन दूरी बढ़ाने वाली बातों से बचना चाहिए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि राजनीति में एक ही मंच पर रहने वाले लोगों के बीच मतभेद होना

ANIL KUMAR RLD

📍 पुरकाजी विधानसभा | सामाजिक समरसता सम्मेलन
20 सितंबर 2026 को पुरकाजी विधानसभा में राष्ट्रीय लोकदल के तत्वावधान में आयोजित जनपद स्तरीय सामाजिक समरसता सम्मेलन हमारे लिए केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सर्वसमाज के सम्मान, सामाजिक न्याय और भाईचारे की भावना को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास था।
इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भारत सरकार में मंत्री आदरणीय चौधरी जयंत सिंह जी ने हम सभी को संबोधित किया। कार्यक्रम में 15,000 से अधिक लोगों की सहभागिता रही और बड़ी संख्या में दलित, पिछड़े, किसान, मजदूर एवं सर्वसमाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन और मंच संचालन की जिम्मेदारी मैंने स्वयं निभाई।
दुर्भाग्यवश, कार्यक्रम की सफलता के बाद कुछ आधे अधूरे वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर प्रसारित कर मेरे वक्तव्य को एक विशेष बिरादरी समाज के विरुद्ध प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया।
मैं पूरी स्पष्टता के साथ कहना चाहता हूँ —
जिस दिन मेरे मन में किसी एक बिरादरी के प्रति विरोध या भेदभाव की भावना आ जाएगी, उस दिन मैं राजनीति छोड़ना पसंद करूंगा।
पिछले लगभग 20 वर्षों से मैं सार्वजनिक जीवन में हूँ। विधानसभा और लोकसभा के चुनावों में जनता के बीच रहा हूँ, और मेरा पूरा राजनीतिक जीवन सर्वसमाज के सम्मान, भाईचारे और जनसेवा की भावना के साथ आगे बढ़ा है। आज तक मेरे किसी सार्वजनिक वक्तव्य या आचरण को किसी एक समाज के विरोध के रूप में प्रस्तुत नहीं किया जा सकता।
मेरा उद्देश्य किसी समाज को बांटना नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग को जोड़ना है।
चौधरी जयंत सिंह जी ने उत्तर प्रदेश की कैबिनेट में दलित समाज

स्वाभाविक है। अलग-अलग मुद्दों पर विचारों की अलग-अलग अभिव्यक्ति भी हो सकती है, लेकिन किसी भी ऐसी बात को आगे नहीं बढ़ाया जाना चाहिए, जिससे समाज और संगठन के बीच दूरी पैदा हो।नउन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर किसी बयान या बात को लेकर शुरू हुई चर्चा को अनावश्यक रूप से बढ़ाने के बजाय संगठन और समाज को एकजुट रखने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उनका कहना है कि रालोद के नेता और कार्यकर्ता एक ही उद्देश्य के लिए काम कर रहे हैं और संगठन की मजबूती के लिए आपसी समन्वय जरूरी है।

किसी बिरादरी के प्रति विरोध या भेदभाव हुआ तो राजनीति छोड़ दूंगा

कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने अपनी पोस्ट में बिरादरी और सामाजिक सम्मान को लेकर भी अपनी स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि उनके मन में किसी एक बिरादरी के प्रति विरोध या भेदभाव की भावना नहीं है और न ही वह ऐसी राजनीति में विश्वास रखते हैं।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, ह्लजिस दिन मेरे मन में किसी एक बिरादरी के प्रति विरोध या भेदभाव की भावना आ जाएगी, उस दिन मैं राजनीति छोड़ना पसंद करूंगा।ह्व

सोशल मीडिया विवाद के बीच सामने आया बयान

सामाजिक समरसता सम्मेलन के बाद सोशल मीडिया पर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी थीं। इसी बीच कैबिनेट मंत्री की ओर से जारी किया गया यह स्पष्टीकरण संगठन के भीतर एकजुटता और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला है। उन्होंने अपनी पोस्ट के माध्यम से यह भी साफ करने की कोशिश की कि रालोद के नेताओं के बीच किसी प्रकार के मतभेद को समाज या बिरादरी के विवाद के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। अनिल कुमार ने कहा कि सभी नेता और कार्यकर्ता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद जयंत चौधरी के नेतृत्व में रालोद को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने सामाजिक स्तर पर आपसी सम्मान बनाए रखने और संगठन के स्तर पर एकजुट होकर आगे बढ़ने पर जोर दिया।

अनोखा पक्षी चातक

जो पीता है सिर्फ बारिश का पानी

दुनिया में आपको पक्षियों की बहुत सी प्रजातियां देखने को मिल जाएंगी। जैव विविधता के साथ अलग-अलग इलाकों में अलग-अलग तरह की पक्षी पाई जाती हैं। किसी को दिन में दिखाई नहीं देता तो कोई अपना घोसला नहीं बनाता है। यही नहीं, कुछ पक्षी ऐसे भी हैं, जिसे केवल रात में दिखाई देता है। इस तरह के और भी कई गुणों से मशहूर विश्व में कई ऐसे पक्षी हैं, जो काफी मशहूर हैं। एक ऐसा ही पक्षी भारत में भी पाया जाता है, जो कि धरती पर मौजूद पानी के स्त्रोत का इस्तेमाल नहीं करता है, बल्कि वह बारिश के पानी पर ही आश्रित होता है। इसकी यही खासियत है कि यह सिर्फ बारिश का पानी ही पीता है।

बरसात के पानी पर जिंदा उस पक्षी का नाम- जैकोबिन कोयल यानी चातक है, जो कि धरती पर मौजूद पानी के किसी स्रोत का इस्तेमाल नहीं करता है। इस पक्षी को कई जगहों पर पपीहा भी कहा जाता है। इसकी अनोखी बात यह है कि अगर चातक पक्षी को साफ पानी की झील में भी डाल दिया जाए तो भी यह अपनी चोंच बंद कर लेता है और पानी नहीं पीता है। धरती पर मौजूद सबसे अनोखे जीवों में से एक है, जिसे कितनी भी प्यास क्यों न लग जाए, वह किसी भी तरह का पानी नहीं पीता है। यहां तक कि इकट्ठा किया हुआ बारिश का पानी भी नहीं वो नहीं पीता है।

भारत में कहां पाया जाता है यह पक्षी?

भारत में यह पक्षी मुख्य रूप से उत्तराखंड में पाया जाता है। उत्तराखंड के गढ़वाल में इसे चोली कहते हैं। गढ़वाल के लोगों के अनुसार यह बस आसमान की ओर देखता रहता है। चातक को मारवाड़ी में मघवा और पपीया भी कहते हैं। यह एक लंबी पूंछ वाला पक्षी है, जिसके सिर पर एक कलगी होती है। पक्षी का आकार लगभग मैना के बराबर होता है। इस पक्षी का वैज्ञानिक नाम क्लैमेटर जैकोबिन्स है। बारिश के पानी के बिना भी यह पक्षी कई दिनों तक जीवित रह सकता है। ऐसा कहा जाता है कि जब इस पक्षी को प्यास लगती है तो यह बारिश के देवता को बुलाता है।

दुनिया की इकलौती जगह जिस पर कोई देश नहीं करता है दावा

रेड सी के पास स्थित इस जगह पर ना पानी है और ना ही पेड़-पौधे या कोई जानवर

धरती पर कई ऐसी जगह हैं, जो 'नो मैन्स लैंड' की श्रेणी में आती हैं। अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार, 'नो मैन्स लैंड' दो देशों की सीमाओं के बीच का वो खाली इलाका होता है, जिसे कोई भी देश कानूनी तौर पर नियंत्रित नहीं करता है। हालांकि उस जगह पर कोई भी कानूनी दावा कर सकता है। अफ्रीका में भी एक ऐसी ही जगह है, जिसपर किसी भी देश का अधिकार नहीं है और ना ही कोई देश उसपर अपना अधिकार चाहता है।

इस जगह का नाम है बीर ताविल। 2,060 वर्ग किलोमीटर में फैला यह इलाका मिस्र और सूडान की सीमाओं के बीच है। 20वीं सदी की शुरुआत में यह इलाका तब अस्तित्व में आया था, जब मिस्र और सूडान ने अपनी सीमाएं कुछ इस तरह से बनाईं थी कि ये इलाका दोनों देशों में से किसी का भी नहीं रहा। दरअसल, बीर ताविल एक सूखाग्रस्त इलाका है और यहां की जमीन बंजर है, जिसपर कुछ भी उगाना लोहे के चने चबाने के समान है। यही वजह है कि इस जगह पर कोई भी अपना दावा नहीं करना चाहता। हालांकि इस इलाके ने कई लोगों को अपनी तरफ आकर्षित जरूर किया है।

साल 2014 में अमेरिका के वर्जीनिया के एक किसान ने बीर ताविल में एक झंडा लगा कर खुद को 'उत्तरी सूडान के राज्य' का गवर्नर घोषित किया था। दरअसल, वो चाहते थे कि उनकी बेटी राजकुमारी बने। इसके बाद साल 2017 में मध्यप्रदेश के इंदौर के रहने वाले सुयश दीक्षित ने खुद को 'किंगडम ऑफ दीक्षित' यानी बीर ताविल का राजा घोषित किया था और अपने पिता को यहां का प्रधानमंत्री बनाया था। उन्होंने अपना राष्ट्रीय ध्वज भी बनाया था और उसे बीर ताविल की जमीन पर गाड़कर लहराया भी था।

सुयश ने अपने देश के लिए राष्ट्रीय पशु का भी चुनाव किया था। दरअसल, इस रेगिस्तानी इलाके में उन्हें छिपकली के अलावा और कोई जीव दिखाई नहीं दिया था, इसलिए उन्होंने छिपकली को ही राष्ट्रीय पशु बनाने का विचार किया था।

जमीन को लेकर देशों के बीद विवाद के कई उदाहरण हम देखते हैं। लेकिन एक जगह ऐसी भी है जिस पर कोई भी देश दावा नहीं करना चाहता। इस जगह के समीप स्थित देश सूडान इसे अपना इलाका नहीं मानता। ना ही मिस्र ने इसे अपने कब्जे में लिया है। यहां तक कि दुनिया का कोई भी देश इस जगह को अपने कब्जे में नहीं लेना चाहता।

क्यों इस रेगिस्तानी इलाके पर नहीं है किसी का कोई हक

- 1899 में ग्रेट ब्रिटेन ने सूडान और मिस्र की सीमाएं तय की। मगर उस वक्त इन दोनों ही देशों ने इस जमीन पर अपना अधिकार नहीं मांगा। इस वजह से इसे नो मैन्स लैंड कहा जाता है।
- खुद मिस्त्र और सूडान के बीच भी सीमा बंटवारे का विवाद है, लेकिन वह हालाएब को लेकर है। हालाएब की प्रकृति बीर ताविल के बिल्कुल उलट है। करीब 21 हजार वर्ग किलोमीटर में फैला यह इलाका कुदरती संसाधनों का जखीरा है। इस पर दोनों देश हक जमाते हैं, लेकिन बीर ताविल के नाम पर मुंह फेर लेते हैं। हालांकि, आता यह है मिस्त्र के अंतर्गत ही है। यहां जाने के लिए मिस्र की आर्मी की इजाजत लेनी पड़ती है।
- अब सवाल ये उठता है कि बीर ताविल इलाका सुनसान और लावरिस सा क्यों हैं, क्यों कोई देश इस पर अपना दावा नहीं ठोंकता है। दरअसल, रेड सी के पास स्थित इस जमीन पर रेगिस्तान है। ये इतना वीरान है कि यहां ना ही पानी है ना ही पेड़-पौधे हैं, ना ही जानवर रहते हैं। यहां बेहद गर्म हवाएं चलती हैं और इलाका पूरा सूखा है। इस वजह से यहां किसी का बच पाना लगभग असंभव है।

गैस सिलेंडर पर लिखे कोड का क्या होता है मतलब?

रसोई गैस सिलेंडर पर लिखा कोड, सिलेंडर की एक्सपायरी डेट और टेस्टिंग की तारीख बताता है। यह कोड अक्षर और नंबर के रूप में लिखा होता है। कोड में अक्षरों का मतलब महीना और नंबरों का मतलब साल होता है।

आपने कभी गौर किया है कि आपके घर में आने वाले गैस सिलेंडर पर कुछ अंक और अक्षर लिखे होते हैं? ये कोड यूं ही नहीं लिखे होते हैं, इनका एक खास मतलब होता है। ये कोड सिलेंडर की सुरक्षा और उसकी मरम्मत से जुड़ी जरूरी जानकारी देते हैं।

रसोई गैस सिलेंडर पर लिखा कोड, सिलेंडर की एक्सपायरी डेट और टेस्टिंग की तारीख बताता है। यह कोड अक्षर और नंबर के रूप में लिखा होता है। कोड में अक्षरों का मतलब महीना और नंबरों का मतलब साल होता है। अक्षरों के बाद लिखा नंबर सिलेंडर के एक्सपायर होने वाले साल के बारे में बताता है। जैसे, अगर आपके सिलेंडर पर C-27 लिखा है, तो इसका मतलब है कि आपका रसोई गैस सिलेंडर साल 2027 में जुलाई से सितंबर के बीच में एक्सपायर होगा। इसी तरह A-29 का मतलब है कि सिलेंडर की एक्सपायरी 2029 अप्रैल तक है। गैस सिलेंडर की अधिकतम लाइफ 15 साल होती है। इस दौरान गैस कंपनियां उस सिलेंडर की दो बार जांच करती हैं। पहला टेस्ट 5 साल पूरे होने पर और दूसरा टेस्ट 10 साल बाद किया जाता है। ये परीक्षण विवरण सिलेंडर के ऊपर भी लिखे होते हैं। अगर दोनों तिथियां बीत चुकी हैं, तो उस सिलेंडर को लेने से मना कर देना चाहिए। ऐसा न करने पर विस्फोट का खतरा बढ़ जाता है।

गैस सिलेंडर में एबीसीडी का मतलब क्या होता है?

- गैस सिलेंडर पर लिखे कोड में A, B, C और D का मतलब महीनों से होता है। इन अक्षरों को तीन-तीन महीनों में बांटा गया है।
- A का मतलब जनवरी, फरवरी और मार्च होता है।
- B का मतलब अप्रैल, मई और जून होता है।
- C का मतलब जुलाई, अगस्त और सितंबर होता है।
- D का मतलब अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर होता है।

इस कोड के साथ सिलेंडर पर साल भी लिखा होता है। जैसे, A-24, B-25, C-26 या D-27। इन कोड से यह पता चलता है कि सिलेंडर कब तक वैलिड है। अगर सिलेंडर पर D-27 लिखा है, तो इसका मतलब है कि यह साल 2027 में अक्टूबर से दिसंबर के बीच एक्सपायर हो जाएगा। इस तरह, सिलेंडर पर लिखे कोड से उसकी एक्सपायरी डेट का पता चलता है। गैस सिलेंडर पर ऊपर की तरफ तीन चौड़ी पट्टियां होती हैं। इनमें से एक पट्टी पर ही यह कोड लिखा होता है।

इन बातों पर ध्यान दे सकते हैं

- गैस सिलेंडर के कंधे वाले हिस्से पर गैस का नाम, निर्माता, वजन, दबाव, और आयतन के बारे में जानकारी होती है।
- सिलेंडर पर आपूर्तिकर्ता द्वारा लगाए गए लेबल से भी सिलेंडर की सामग्री का पता चलता है।
- कमर्शियल गैस सिलेंडर आमतौर पर घरेलू गैस सिलेंडर से बड़े होते हैं और इनका वजन भी ज्यादा होता है।
- घरेलू गैस सिलेंडर का वजन 14.2 किलो होता है, जबकि कमर्शियल गैस सिलेंडर का वजन 19 किलो से लेकर 47.5 किलो तक हो सकता है।
- कमर्शियल गैस सिलेंडर पाने के लिए, कमर्शियल गैस कनेक्शन के लिए आवेदन करना होता है। इसके लिए, कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर निकटतम वितरक का पता लगाया जा सकता है। फिर, आवेदन पत्र और जरूरी दस्तावेज जमा करने होते हैं और सुरक्षा जमा राशि का भुगतान करना होता है। इसके बाद, सदस्यता वाउचर और गैस उपभोक्ता कार्ड जारी किया जाता है।

दुनिया का सबसे महंगा और लग्जरी होटल बुर्ज अल अरब

इस दुनिया में छोटी से लेकर बड़ी और सस्ती से लेकर महंगी हर तरह की चीज और जगह मौजूद है। कोई सामान खरीदना हो या फिर किसी जगह जाना हो। हर व्यक्ति का अपना एक बजट होता है इसके हिसाब से वह अपने सारे काम करता है। अलग-अलग बजट के लोगों के हिसाब से अलग-अलग जगह पर सब कुछ उपलब्ध भी होता है। जिन लोगों का बजट कम या मध्यम होता है वह सामान्य तरह की चीज करके खुश रहते हैं और जिनका बजट ज्यादा होता है वह हमेशा लग्जरी चीजें करना पसंद करते हैं। अब जब बात लग्जरी के निकल गई है तो क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया में सबसे महंगी और लग्जरी होटल कहां पर होगी।

लगभग हर शहर में छोटी से लेकर बड़ी होटल उपलब्ध रहती है। सामान्य होटल से लेकर 5 स्टार 7 स्टार हर व्यक्ति अपनी पसंद और हैसियत के हिसाब से इन जगहों पर जाता है। आज हम आपको दुनिया के सबसे महंगे और लग्जरी होटल के बारे में जानकारी देते हैं जो दुबई में मौजूद है।

बुर्ज अल अरब

दुबई एक ऐसी जगह है जो अपनी ऊंची ऊंची और लग्जरी इमारतों के लिए पहचाना जाता है। जब आप यहां पर जाएंगे तो गगनचुंबी इमारतें और यहां मिलने वाली लग्जरी सुविधाएं देख कर हैरान हो जाएंगे। दुनिया का सबसे लग्जरी और महंगा होटल बुर्ज अल अरब है जो दुबई में ही मौजूद है। दुनिया के सबसे महंगे और लग्जरी होटल के रूप में प्रसिद्ध बुर्ज अल अरब से आप समुद्र के बेहतरीन नजारे देख सकते हैं। इस होटल के हर कमरे से दूर तक फैला हुआ नीला समंदर दिखाई देता है। यहां आप रेस्टोरेंट, बार, स्पा,स्विमिंग पूल, फ़िटनेस सेंटर जैसी सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

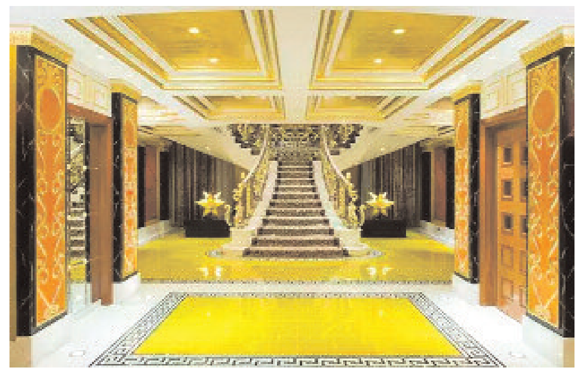

चढ़ी है सोने की परत

यह बात किसी को भी हैरान कर सकती है। लेकिन इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक इस होटल के दरवाजे से लेकर हर खंबे पर सोने की परत चढ़ी हुई है। यही इस होटल को लग्जरी बनाने का काम करती है।

दुबई का आइकॉनिक लैंडमार्क

यह होटल 321 मीटर ऊंची है और समुद्र के अंदर 148 फीट तक गई है। इसका आकार भी काफी खास है और यह दुबई की सबसे आइकोनिक लैंडमार्क में से एक मानी जाती है। दूर से ही यह होटल काफी खूबसूरत नजर आती है। अंदर जाने के बाद यहां की लग्जरी सुविधाएं हैरान करने वाली होती है।

लाखों रुपए है रुकने का खर्च

यह होटल इतना आलीशान है कि यहां जाने के बाद आपको राजा महाराजाओं वाली फीलिंग आने वाली है। यहां एक दिन रुकने का किराया 20 लाख रुपए तक लगता है। लेकिन लाखों रुपए के किराए में आपको जो सुविधा मिलेगी। वो आप जिंदगी में कभी नहीं भूल पाएंगे।

जिलाधिकारी ने वृद्धाश्रम दनकौर का किया औचक निरीक्षण, वृद्धजनों से संवाद कर जानी सुविधाओं की स्थिति

गौतमबुद्धनगर। जिलाधिकारी द्वारा समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुदानित वृद्धाश्रम, दनकौर का मंगलवार को औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने वृद्धाश्रम में निवास कर रहे वृद्धजनों से संवाद करते हुए उन्हें उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं, खान-पान, साफ-सफाई, पेयजल एवं अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने वृद्धजनों से उनकी आवश्यकताओं एवं समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वृद्धजनों की सुविधाओं एवं आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखा जाए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वृद्धाश्रम परिसर की साफ-सफाई, रसोईघर, स्टोर रूम, खान-पान, सीसीटीवी, पेयजल, विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने साफ-सफाई एवं खाद्य सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। स्टोर रूम के निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने वाटर कूलर के पानी की गुणवत्ता की जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था सहित सभी आवश्यक सुविधाओं को सुचारु एवं क्रियाशील रखने के निर्देश दिए तथा कहा कि किसी भी सुविधा में कमी पाए जाने पर उसका तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए। सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत वृद्धाश्रम परिसर दो दिवस में सीसीटीवी स्थापित कराने तथा उसका एक्सेस कलेक्ट्रेट में दिए जाने के निर्देश दिए, जिससे परिसर की निरंतर निगरानी सुनिश्चित की जा सके।

जिलाधिकारी ने वृद्धाश्रम प्रबंधन को वृद्धजनों के स्वास्थ्य, स्वच्छता, खान-पान, सुरक्षा एवं दैनिक आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वृद्धजनों की सेवा एवं सुविधाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए और उनकी समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ समयबद्ध निस्तारण किया जाए। उन्होंने समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वृद्धजनों के कल्याणार्थ संचालित योजनाओं की जानकारी एवं उनका लाभ दिलाने के उद्देश्य से वृद्धाश्रम में शिविर आयोजित कर पात्र वृद्धजनों को योजनाओं से जोड़ा जाए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वृद्धाश्रम के समीप स्थित खाली भूमि पर पड़े कूड़े-कचरे का भी संज्ञान लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कूड़ा-कचरा डाले जाने पर प्रभावी रोक लगाने तथा आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों का समयबद्ध एवं प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा वृद्धाश्रम में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की नियमित निगरानी की जाए, ताकि यहां निवासरत वृद्धजनों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

यूपीआईटीएस-2026 में उत्कृष्ट पवेलियन और स्टॉल हुए पुरस्कृत

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 के समापन अवसर पर इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट के विभिन्न हॉलों में लगाए गए उत्कृष्ट पवेलियन और स्टॉलों को पुरस्कृत किया गया। प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों, औद्योगिक विकास प्राधिकरणों, सार्वजनिक उपक्रमों, बैंकों, निजी कंपनियों, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य प्रतिभागी संस्थाओं ने ट्रेड शो में अपने उत्पादों, योजनाओं, उपलब्धियों और नवाचारों का प्रभावी प्रदर्शन किया। इसके साथ ही आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाली विभिन्न टीमों को भी सम्मानित किया गया। पुरस्कार समारोह ने यूपीआईटीएस-2026 में विभिन्न विभागों, संस्थानों और निजी क्षेत्र के रचनात्मक प्रदर्शन, बेहतर पवेलियन प्रस्तुति और आयोजन को सफल बनाने में सामूहिक योगदान को रेखांकित किया।

हॉल-1 से हॉल-8 तक विभिन्न पवेलियन पुरस्कृत

हॉल-1 में इन्वेस्ट यूपी, उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के पवेलियन को सम्मानित किया गया। हॉल-3 में केंट आरओ सिस्टम्स, उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा), यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट, यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी, एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड और वीवो के स्टॉल/पवेलियन शामिल रहे।

हॉल-4 में गृह (पुलिस) विभाग, ओडीओपी/ओडीओसी, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, परिवहन विभाग, संस्कृति विभाग और आयुष विभाग के पवेलियन पुरस्कृत हुए। सूचना विभाग के पवेलियन में प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं, उपलब्धियों और विभिन्न जनकल्याणकारी पहलों को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया। हॉल-5 में राफे एमफाइबर प्राइवेट लिमिटेड, यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन लिमिटेड, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन के स्टार्टअप पवेलियन और एडवर्ब टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को सम्मान मिला।

हॉल-6 में नगर विकास विभाग, एनटीपीसी लिमिटेड, समाज कल्याण विभाग, बुंदेलखंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया और सिंचाई विभाग के पवेलियन/स्टॉल पुरस्कृत किए गए। हॉल-7 में धर्मपाल सत्यपाल लिमिटेड (डीएस ग्रुप), उत्तर प्रदेश पर्यटन, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, नोएडा प्राधिकरण, ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण, प्रशिक्षण एवं रोजगार/आईटीआई लखनऊ और उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन को सम्मानित किया गया। हॉल-8 में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और शारदा एजुकेशनल ट्रस्ट (शारदा अस्पताल) के स्टॉलों को सम्मान मिला।

हॉल-11 और 12 में भी प्रतिभागियों को सम्मान

हॉल-11 में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड, श्री बैद्यनाथ आयुर्वेद भवन प्राइवेट लिमिटेड और यूपीएसटीसी को पुरस्कृत किया गया। हॉल-12 में उत्तर प्रदेश वन निगम, खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उद्यान विभाग, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, एनआईएफ प्राइवेट लिमिटेड और राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के पवेलियन/स्टॉल सम्मानित हुए।

इंटरनेशनल ट्रेड शो से युवाओं को मिले करियर के नए रास्ते

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का मंगलवार को समापन हुआ तो कारोबार और निवेश के साथ युवाओं के लिए खुली करियर की नई संभावनाएं भी इसकी बड़ी उपलब्धि के रूप में सामने आईं। एक्सपो में आए युवाओं को सिर्फ उत्पादों और कंपनियों की जानकारी नहीं मिली, बल्कि विभिन्न विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम, मेडिकल और फार्मा क्षेत्र के नए अवसर, बैंकिंग व बीमा क्षेत्र में करियर, इंटर्नशिप और कौशल विकास की संभावनाओं से भी परिचित होने का मौका मिला। यही वजह रही कि पांच दिन चले ट्रेड शो में बड़ी संख्या में पहुंचे युवाओं के लिए यह आयोजन 'देखो, जानो और करियर की दिशा चुनो' का मंच भी बन गया।

एक्सपो में 160 से अधिक निजी व सरकारी विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीयकृत व निजी बैंकों तथा इंश्योरेंस कंपनियों ने भागीदारी की। पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और भारतीय स्टेट बैंक सहित बैंकों ने युवाओं को बैंकिंग सेवाओं के साथ इस क्षेत्र में करियर के लिए जरूरी कौशल और अवसरों की जानकारी दी। इंश्योरेंस कंपनियों ने भी युवाओं को इस क्षेत्र में रोजगार की बदलती संभावनाओं से परिचित कराया।

ट्रेड शो आकर पास में ही मिला स्पोर्ट्स जर्नलिज्म का विकल्प: मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय, मेरठ का पवेलियन युवाओं के लिए खास आकर्षण रहा। नई दिल्ली से आई उत्तरा सक्सेना ने बताया कि उन्होंने स्पोर्ट्स जर्नलिज्म को करियर विकल्प के रूप में चुना है, लेकिन यहां आकर पता चला कि घर से कुछ ही दूरी पर मेरठ में स्थित मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय में इससे जुड़ा पाठ्यक्रम उपलब्ध है।

हर बच्चे में भगत सिंह जैसी सोच और हिम्मत होनी चाहिए : मुकेश शर्मा

यूथ आइकन अवार्ड्स 2026 में सामाजिक कार्यकर्ताओं, खिलाड़ियों एवं युवा प्रतिभाओं को किया गया सम्मानित

नोएडा। युवा क्रांति सेना एवं गौरी शिक्षा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में शहीद-ए-आज़म सरदार भगत सिंह जी की 119वीं जयंती के अवसर पर 'शौर्य समर्पण कार्यक्रम' का आयोजन सेक्टर-33, नोएडा स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में किया गया। कार्यक्रम में शहीद भगत सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ-साथ समाज, खेल एवं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली युवा प्रतिभाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं को यूथ आइकन अवार्ड्स से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गौरी शिक्षा फाउंडेशन के अध्यक्ष मुकेश शर्मा, जगद्गुरु सतीशाचार्य जी महाराज एवं न्यायमूर्ति अनिल यादव (बनारस) ने शहीद भगत सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री मदन चौहान एवं सांसद प्रतिनिधि संजय बाली ने भी कार्यक्रम में उपस्थित होकर शहीद को नमन किया।

यूथ आइकन अवार्ड्स 2026 के अंतर्गत सामाजिक क्षेत्र में डॉ. महिपाल सिंह, विजेंदर गोस्वामी, मोनू चौहान एवं सोनू राणा को सम्मानित किया गया। खेल के क्षेत्र में पैरा इंडियन आर्चर पूजा कुमारी एवं तनिष्का, साइक्लिस्ट प्रदीप कुमार, रेयांश वर्मा, बालम सिंह खानी, कुणाल यादव, पर्वतारोही प्रिया कुमारी, टिया बतरा एवं पूनम यादव को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर नोएडा के विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर शहीद भगत सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गौरी शिक्षा फाउंडेशन के अध्यक्ष मुकेश शर्मा ने बच्चों को निडर बनाओ, उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करो और उन्हें बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करो। हर बच्चे में भगत सिंह जैसी सोच और हिम्मत हो। हमारे आसपास के युवाओं पर विश्वास रखो और उनके लिए कुछ करो, यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, हमारे पास प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत है तो सिर्फ उसे सही अवसर देने की। हर बच्चे को आगे बढ़ना होगा और उद्योगपतियों को भी आगे आकर युवाओं के सपनों को पूरा करने में सहयोग करना होगा। चीन को पीछे छोड़कर मेडल टैली में भारत को ऊपर देखना हर युवा का सपना होना चाहिए और हम सभी को मिलकर उनके सपने को साकार करना होगा।

सेना के सलाहकार दीपक शंखधर ने कहा कि युवा क्रांति सेना और गौरी शिक्षा फाउंडेशन जल्द ही मांग उठाएंगे कि नोएडा के सेक्टर-51 मेट्रो स्टेशन का नाम शहीद-ए-आज़म सरदार भगत सिंह जी के नाम पर रखा जाए। इसके साथ ही शहर की प्रमुख सड़कों का नामकरण शहीदों के नाम पर करने, विभिन्न स्थानों पर उनकी प्रतिमाएं स्थापित करने तथा स्कूलों के पाठ्यक्रम में शहीद भगत सिंह जी एवं अन्य महान क्रांतिकारियों की जीवनी और विचारों को शामिल करने की मांग भी की जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान बी.एस. मेमोरियल पब्लिक स्कूल के बच्चों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर शहीद भगत सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में युवा क्रांति सेना के रणपाल अवाना, दीपक शंखधर, अविनाश सिंह, लोकेश चौहान, राजेश अम्बवता, सतीश गुप्ता, अर्जुन प्रजापति, अंकुर शर्मा, प्रशांत यादव, बाबू प्रधान, अनूप चतुर्वेदी, आशीष शर्मा, भव्य वैद सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, युवा, खिलाड़ी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

यूपीआईटीएस में मिले रिस्पॉन्स से उत्तर प्रदेश भ्रमण के प्रति बढ़ती रुचि का संकेत: जयवीर सिंह

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक परंपराओं, ऐतिहासिक धरोहरों, प्राकृतिक संपदा और विविध पर्यटन अनुभवों ने यूपीआईटीएस-2026 में देश-दुनिया का ध्यान आकर्षित किया। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित इस आयोजन में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग का पवेलियन आगंतुकों के लिए महज पर्यटन स्थलों की जानकारी का केंद्र नहीं रहा, बल्कि यात्रा की संभावनाओं, निवेश के अवसरों और पर्यटन क्षेत्र में सहयोग के नए द्वार खोलने वाला प्रभावी मंच बनकर उभरा।

यूपीआईटीएस-2026 के दौरान करीब साढ़े पांच लाख आगंतुकों ने उत्तर प्रदेश पर्यटन के पवेलियन का भ्रमण किया। इस दौरान लगभग 10 हजार मुद्रित यात्रा मार्गदर्शिकाओं और यात्रा कार्यक्रमों की मांग रही। करीब 100 आगंतुकों एवं उद्योग प्रतिनिधियों ने निवेश और सहयोग से जुड़ी संभावनाओं में रुचि दिखाई, जबकि विभागीय अधिकारियों ने लगभग 20 टूर ऑपरेटरों के साथ उत्तर प्रदेश के पर्यटन स्थलों और विविध पर्यटन उत्पादों को देश-दुनिया के पर्यटकों तक पहुंचाने को लेकर विस्तृत चर्चा की।

प्रमुख गंतव्यों के साथ नए पर्यटन अनुभवों पर जोर

पवेलियन में अयोध्या, प्रयागराज और वाराणसी जैसे देश-विदेश में प्रसिद्ध आध्यात्मिक एवं धार्मिक गंतव्यों के साथ-साथ नीब करौरी बाबा यात्रा मार्ग, कन्नौज की सदियों पुरानी इत्र विरासत, वन्यजीव एवं ईको-टूरिज्म को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया। इस प्रस्तुति के माध्यम से उत्तर प्रदेश की पर्यटन क्षमता को केवल चुनिंदा प्रसिद्ध स्थलों तक सीमित न रखते हुए बहुआयामी और अनुभव आधारित पर्यटन के रूप में सामने रखा गया।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अपनी पर्यटन विविधता को अनुभव आधारित यात्रा मार्गों के माध्यम से देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत कर रहा है। यूपीआईटीएस में मिले रिस्पॉन्स से स्पष्ट है कि पर्यटक राज्य के प्रमुख गंतव्यों के साथ-साथ अन्य जिलों और नए पर्यटन अनुभवों को जानने तथा देखने में भी रुचि ले रहे हैं। विभाग का प्रयास है कि इस रुचि को प्रदेश के अधिक से अधिक जिलों तक पहुंचाया जाए, स्थानीय उद्यमिता को प्रोत्साहन मिले और पर्यटन के माध्यम से व्यापक आर्थिक अवसरों का सृजन हो।

डिजिटल माध्यम से यात्रा योजना को मिला नया आयाम

पर्यटन पवेलियन में डिजिटल तकनीक के प्रभावी उपयोग ने भी आगंतुकों को आकर्षित किया। क्यूआर कोड आधारित डिजिटल सामग्री को करीब 500 लोगों ने एक्सेस किया। इसके माध्यम से आगंतुकों को विभिन्न पर्यटन स्थलों और यात्रा मार्गों से जुड़ी जानकारी डिजिटल रूप में उपलब्ध हुई। मुद्रित यात्रा मार्गदर्शिकाओं के साथ डिजिटल सामग्री ने संभावित पर्यटकों को भविष्य की यात्राओं की योजना बनाने के लिए उपयोगी और व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराई।

निवेशकों और पर्यटन उद्योग के लिए खुली संभावनाएं

पवेलियन में पर्यटन क्षेत्र से जुड़े निवेश और सहयोग के अवसरों को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया। हॉस्पिटैलिटी परियोजनाओं, गंतव्य विकास, पर्यटक सुविधाओं और अनुभव आधारित पर्यटन से संबंधित संभावनाओं पर निवेशकों एवं उद्योग प्रतिनिधियों के साथ संवाद हुआ। सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से पर्यटन अवसंरचना और सेवाओं के विस्तार में संभावित सहयोगियों को उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी गई।

आयोजन के दौरान प्राप्त निवेश एवं सहयोग संबंधी पूछताछ और प्रस्तावों को आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित टीमों को भेजा गया है। इससे यूपीआईटीएस में उत्पन्न कारोबारी रुचि को प्रदेश में पर्यटन परियोजनाओं और नई साझेदारियों में परिवर्तित करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

पर्यटन, संस्कृति एवं धार्मिक कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि पर्यटन पवेलियन ने एक साथ आगंतुक सहभागिता केंद्र और पर्यटन व्यापार मंच की भूमिका निभाई। करीब 10 हजार यात्रा कार्यक्रमों का वितरण, डिजिटल माध्यमों से जुड़ाव, निवेश संबंधी पूछताछ तथा टूर ऑपरेटरों के साथ हुई चर्चाओं ने आगे की कार्ययोजना के लिए उपयोगी आधार तैयार किया है।

हार्वर्ड से जुड़े वैश्विक नेतृत्व कार्यक्रम तक युवाओं की पहुंच बढ़ाएगा वाईएसएस फाउंडेशन-एएलआईएफ सहयोग

नोएडा। भारत के युवाओं को वैश्विक नेतृत्व, कौशल विकास और करियर के अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से वाईएसएस फाउंडेशन और एस्पायरिंग लीडर्स इंडिया फाउंडेशन (एएलआईएफ) ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। साझेदारी के तहत पात्र युवाओं तक एस्पायर लीडर्स कार्यक्रम की पहुंच और जागरूकता बढ़ाने के साथ नेतृत्व विकास, करियर तैयारी, कौशल विकास, मार्गदर्शन और नेटवर्किंग के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाएगा।

एस्पायर लीडर्स कार्यक्रम हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तरुण खन्ना और प्रोफेसर करीम लखानी द्वारा स्थापित किया गया था। छह सप्ताह के इस पूर्णतः वित्तपोषित ऑनलाइन वैश्विक नेतृत्व कार्यक्रम में नेतृत्व शिक्षा, विशेषज्ञ मार्गदर्शन, परामर्श, वैश्विक नेटवर्किंग और करियर विकास के अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं। कार्यक्रम में संवाद कौशल, करियर तैयारी, डिजिटल परिवर्तन एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता, व्यावसायिक आत्मविश्वास और सामाजिक प्रभाव जैसे विषय भी शामिल हैं। वाईएसएस फाउंडेशन की युवा कौशल एवं स्टार्टअप इकाई की निदेशक शीतल शर्मा के नेतृत्व में युवाओं को कौशल, नवाचार, करियर मार्गदर्शन और उद्यमिता के अवसरों से जोड़ने पर भी जोर दिया जाएगा।

वाईएसएस फाउंडेशन के संस्थापक एवं निदेशक सचिन गुप्ता ने कहा कि यह सहयोग युवाओं को सार्थक सीखने और नेतृत्व के अवसरों से जोड़ने तथा उनके कौशल और आत्मविश्वास को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एएलआईएफ के भारत निदेशक अमन जकार ने कहा कि दोनों संस्थाओं के नेटवर्क के माध्यम से अधिक विद्यार्थियों और उभरते नेतृत्वकर्ताओं तक सीखने, जुड़ने और आगे बढ़ने के अवसर पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

समझौते पर 29 सितंबर को नोएडा में दोनों संस्थाओं के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर सचिन गुप्ता, शीतल शर्मा और कार्तिक इंदोरिया सहित दोनों संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सेक्टर बीटा-1 के विकास कार्यों में तेजी, आरडब्ल्यूए ने अधिकारियों से की बैठक; 1-2 माह में काम पूरा कराने का आश्वासन

नोएडा। सेक्टर बीटा-1 की बुनियादी समस्याओं और लंबे समय से लंबित पड़े विकास कार्यों को लेकर आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने प्रशासनिक और प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की। आरडब्ल्यूए प्रतिनिधिमंडल ने एडीएम अजीत सिंह और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से मुलाकात की। इस बैठक के दौरान सेक्टर में वर्तमान में चल रहे और आगे के लिए प्रस्तावित विकास कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मौजूद अधिकारियों ने आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों को पूरा भरोसा दिलाया कि सेक्टर के प्रमुख कार्यों को अगले एक-दो माह में पूरा कराने का पूरा प्रयास किया जा रहा है।

सेक्टर बीटा-1 की आरडब्ल्यूए अध्यक्ष संगीता शर्मा, महासचिव हरेन्द्र भाटी, कोषाध्यक्ष विपिन भाटी (एडवोकेट) और सचिव ओम प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने एडीएम अजीत सिंह से मुलाकात की। इस महत्वपूर्ण बैठक में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के डीजीएम विजय रावल, वरिष्ठ प्रबंधक राजेश निम, राजेश गौतम, ज्ञानेंद्र यादव, सौरभ भारद्वाज, मैनेजर संध्या सिंह और स्वतंत्रता वर्मा समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने बताया कि 22 सितंबर को जिलाधिकारी मेधा रूपम ने सेक्टर बीटा-1 का स्थलीय निरीक्षण किया था। इस निरीक्षण के दौरान सेक्टर की तमाम समस्याओं को देखते हुए जिलाधिकारी ने प्राधिकरण और प्रशासनिक अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए थे। आरडब्ल्यूए के अनुसार, इसके बाद एक सप्ताह के भीतर ही कई विकास कार्यों पर मौके पर काम शुरू हो गया है और चल रहे कार्यों की रफ्तार में भी तेजी आई है।

सुरक्षा, सड़क और सीवर से जुड़े मुद्दों पर चर्चा: सेक्टर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए चारों तरफ बाउंड्री वॉल अथवा एमएस रेलिंग लगाने की प्रक्रिया को जल्द ही शुरू किए जाने की जानकारी दी गई। इसके अलावा, वन विभाग की क्षतिग्रस्त बाउंड्री वॉल की मरम्मत और नए निर्माण के लिए भी टेंडर प्रक्रिया को जल्द ही पूरा किए जाने की बात कही गई। सेक्टर की सर्विस रोड के निर्माण एवं मरम्मत के लिए टेंडर पहले ही हो चुका है। अधिकारियों ने इसे पूरी प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया। सेक्टर में दशकों पुरानी सीवर लाइन की समस्या के समाधान के लिए अब प्राधिकरण स्तर पर ई-निविदा प्रक्रिया शुरू किए जाने की जानकारी दी गई है। इसके साथ ही नियमित सफाई, कूड़ा उठाने, पार्कों के रखरखाव, पेड़-पौधों की छंटाई और सिंचाई के लिए एक विशेष अभियान चलाने की बात भी कही गई है।

इंडिया एक्सपो मार्ट बना 'नए उत्तर प्रदेश' की आर्थिक ताकत का शोकेस

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट (आईईएमएल) में उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) के चौथे संस्करण का मंगलवार शाम समापन हो गया। वर्ष 2023 में शुरू हुआ यह आयोजन अब उत्तर प्रदेश के उद्योग, उद्यमिता, निर्यात और वैश्विक कारोबार को एक मंच पर लाने वाले प्रमुख व्यापारिक आयोजनों में अपनी पहचान बना चुका है। वर्ष 2003 में स्थापित इंडिया एक्सपो मार्ट पिछले चार वर्षों में यूपी के उत्पादों और उद्यमियों को देश-दुनिया के खरीदारों, निवेशकों और कारोबारी प्रतिनिधियों से जोड़ने का महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरा है।

उत्तर प्रदेश की बदलती आर्थिक तस्वीर के बीच इंडिया एक्सपो मार्ट अब केवल प्रदर्शनी स्थल नहीं, बल्कि वैश्विक व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण ट्रेड प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित हुआ है। प्रदेश में निवेश, निर्यात और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए विकसित एक्सप्रेसवे, एयर कनेक्टिविटी, औद्योगिक पार्क, लॉजिस्टिक्स और आधुनिक ट्रेड इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ ऐसे प्लेटफॉर्म उत्तर प्रदेश के उत्पादों और उद्यमियों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

2003 में रखी नींव, 2026 में बना वैश्विक व्यापार का बड़ा मंच

इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड का गठन 12 अप्रैल 2001 को हुआ। वर्ष 2003 में ग्रेटर नोएडा स्थित परिसर की आधारशिला रखी गई और 2006 में इसका उद्घाटन हुआ। शुरुआत में स्थायी मार्ट और प्रदर्शनी अवसंरचना के माध्यम से भारतीय निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों तक पहुंच उपलब्ध कराने का उद्देश्य रखा गया। समय के साथ यहां स्थायी शो-रूम, बड़े प्रदर्शनी हॉल, बिजनेस मीटिंग स्पेस, हॉस्पिटैलिटी और आयोजन संबंधी सुविधाएं विकसित होती गईं। आज यह परिसर विभिन्न क्षेत्रों के उद्योगों को अपने उत्पाद प्रदर्शित करने और कारोबार के नए अवसर तलाशने का मंच उपलब्ध कराता है।

योगी सरकार के 'ब्रांड यूपी' को वैश्विक मंच

उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले वर्षों में ओडीओपी, निर्यात प्रोत्साहन, एमएसएमई, स्टार्टअप, निवेश और रोजगार को आर्थिक विकास के प्रमुख आधारों के रूप में आगे बढ़ाया है। इस पूरी रणनीति में ऐसे ट्रेड प्लेटफॉर्म की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है, जहां यूपी के उत्पाद सीधे देश-दुनिया के खरीदारों तक पहुंच सकें। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) की शुरुआत वर्ष 2023 में हुई। इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित यह आयोजन प्रदेश के उद्यमियों, निर्यातकों, कारीगरों और उत्पादकों को वैश्विक बाजार से जोड़ने का बड़ा माध्यम बन गया है। इसके जरिए उत्तर प्रदेश के ओडीओपी, हस्तशिल्प, टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि उत्पादों, मैन्युफैक्चरिंग और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और निवेशकों के सामने प्रस्तुत किया जा रहा है।

यूपीआईटीएस ने बढ़ाया ग्लोबल कनेक्ट

वर्ष 2025 के यूपीआईटीएस में 2,200 से अधिक प्रदर्शकों और 80 से अधिक देशों की भागीदारी दर्ज की गई। आयोजन के दौरान 288 एमओयू हुए, जिनका कुल घोषित मूल्य लगभग 89 करोड़ रुपये था। 2026 में यूपीआईटीएस का विस्तार और व्यापक हुआ। चौथे उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में 2,400 से अधिक प्रदर्शक, 90 देशों की भागीदारी और 550 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदारों ने इसे प्रदेश के बढ़ते वैश्विक व्यापार संपर्क का बड़ा मंच बना दिया है। इस आयोजन में उत्तर प्रदेश के उत्पादों के साथ-साथ छह साझेदार देशों- वियतनाम, जापान, सिंगापुर, रूस, ऑस्ट्रिया और बेलारूस की भागीदारी भी अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बढ़ते दायरे को दर्शाती है।

'लोकल से ग्लोबल' तक पहुंच रहा यूपी

योगी सरकार की नीतियों में स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार उपलब्ध कराने पर विशेष जोर रहा है। यूपीआईटीएस इसी दिशा में एक व्यावहारिक प्लेटफॉर्म बनकर सामने आया है। इंडिया एक्सपो मार्ट के स्थायी मार्ट में 31 जुलाई 2026 तक 1,800 शो-रूम और 774 निर्यातकों की मौजूदगी दर्ज की गई। इससे पूरे वर्ष खरीदारों और विक्रेताओं के बीच संपर्क बनाए रखने की व्यवस्था मजबूत होती है। मार्ट सोर्सिंग डेज जैसे आयोजनों के जरिए खरीदार प्रमुख प्रदर्शनियों के बाहर भी उत्पादों और आपूर्तिकर्ताओं से जुड़ सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

5 दिवसीय यूपीआईटीएस 2026 में साइन हुए 6,500 करोड़ के 4,400 एमओयू, 15,500 करोड़ के संभावित कारोबार का अनुमान, 5.99 लाख फुटफॉल के साथ समापन

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) 2026 के चौथे संस्करण का मंगलवार को निवेश, कारोबार और वैश्विक भागीदारी के नए कीर्तिमानों के साथ समापन हुआ। 25 से 29 सितंबर तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित इस पांच दिवसीय मेगा आयोजन ने प्रदेश के उत्पादों, एमएसएमई और निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मजबूत उपस्थिति प्रदान की। आयोजन के दौरान लगभग 680 मिलियन अमेरिकी डॉलर, यानी करीब ?6,500 करोड़ मूल्य के 4,400 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अतिरिक्त, ट्रेड शो के दौरान प्राप्त कारोबारी पूछताछ के आधार पर लगभग ?15,500 करोड़ के संभावित कारोबार का अनुमान लगाया गया।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशंस (स्नढ्ढश्वह्र) के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष कुल 41,500 बी2बी बैठकें दर्ज की गईं। इनमें से 13,500 बैठकें रिवर्स बायर-सेलर मीट (ऋक्चस्रू) क्षेत्र में हुई, जबकि मुख्य प्रदर्शनी क्षेत्र में लगभग 28,000 कारोबारी संवाद दर्ज किए गए। इन बैठकों के माध्यम से देश-विदेश के खरीदारों ने प्रदेश के उद्यमियों और निर्माताओं के साथ दीर्घकालिक व्यावसायिक साझेदारियों की रूपरेखा पर सीधे काम किया। पांच दिनों में ट्रेड शो में कुल 5,98,693 विजिटर्स और बिजनेस बायर्स की उपस्थिति दर्ज की गई, जिसमें 1,74,990 घरेलू बिजनेस बायर्स और 4,23,703 सामान्य विजिटर्स शामिल रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप आयोजित यूपीआईटीएस इस वर्ष कारोबार और भागीदारी, दोनों ही दृष्टि से अपने पिछले तीन संस्करणों की तुलना में अब तक का सबसे व्यापक संस्करण बनकर उभरा। पिछले वर्ष (2025) की तुलना में प्रत्येक प्रमुख कारोबारी मानक में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। 2025 में दर्ज 31,650 बी2बी बैठकों के मुकाबले इस वर्ष यह संख्या 41,500 तक पहुंची, जो 31.12 प्रतिशत की वृद्धि है। आरबीएसएम क्षेत्र में विदेशी खरीदारों के साथ बैठकों में 123.1 प्रतिशत की तेज वृद्धि दर्ज की गई और यह संख्या 6,050 से बढ़कर 13,500 हो गई। वहीं, मुख्य प्रदर्शनी क्षेत्र में बैठकों में 9.38 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हस्ताक्षरित एमओयू की संख्या 3,900 से बढ़कर 4,400 हो गई, जो 12.82 प्रतिशत की वृद्धि है। सबसे उल्लेखनीय बढ़ोतरी एमओयू के अनुमानित मूल्य में दर्ज की गई, जो ?2,680 करोड़ (425 मिलियन डॉलर) से 142.54 प्रतिशत बढ़कर ?6,500 करोड़ (680 मिलियन डॉलर) हो गया। कारोबारी पूछताछ में भी 24 प्रतिशत की वृद्धि के साथ संभावित कारोबार ?12,500 करोड़ से बढ़कर ?15,500 करोड़ होने का अनुमान है।

इस वर्ष ट्रेड शो की अंतरराष्ट्रीय पहुंच भी पहले से कहीं अधिक व्यापक रही। जहां पिछले संस्करण में रूस एकमात्र पार्टनर देश था, वहीं इस वर्ष रूस, ऑस्ट्रिया, जापान, सिंगापुर, बेलारूस और वियतनाम सहित कुल छह देशों ने पार्टनर कंट्री के रूप में भागीदारी की। विदेशी प्रतिनिधिमंडलों ने विशेष रूप से प्रदेश के मैन्युफैक्चरिंग, आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक्सटाइल और एग्री-फूड प्रोसेसिंग क्षेत्रों में रुचि दिखाई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन कुज़ीन (ह्रष्ठह्रष्ट)' योजना पूरे आयोजन के दौरान देशी और विदेशी खरीदारों के बीच प्रमुख आकर्षण बनी रही। सेलिब्रिटी शेफ से जुड़े पाक अनुभवों ने इस पहल को एक नया आयाम दिया। पांचों दिनों ओडीओसी हॉल में जबरदस्त चहल-पहल रही, जहां आगंतुकों ने क्षेत्रीय व्यंजनों, पारंपरिक रेसिपी और स्थानीय खाद्य उद्यमों को करीब से जाना। मिली प्रतिक्रिया ने यह दर्शाया कि किसी जिले की पाक विरासत केवल सांस्कृतिक पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि फूड एंटरप्रेन्योरशिप, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, हॉस्पिटैलिटी, टूरिज्म, ब्रांडिंग और रिटेल जैसे क्षेत्रों में नए अवसर भी पैदा कर सकती है। सेलिब्रिटी शेफ हरपाल सिंह सोखी और अन्य प्रसिद्ध शेफ की मास्टर क्लासेज में आगंतुकों और प्रदर्शकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें पाक-कौशल, लाइव डेमोंस्ट्रेशन और मनोरंजन का आकर्षक संगम देखने को मिला।

प्रदेश के 75 जिलों के पारंपरिक शिल्प, हथकरघा उत्पाद, पीतल उत्पाद, कालीन, चमड़ा उद्योग और विशिष्ट कृषि उत्पादों को वैश्विक बाजार तक सीधी पहुंच मिली। एमएसएमई और स्थानीय कारीगरों को अंतरराष्ट्रीय कंपनियों से सीधे ऑर्डर मिलने के साथ आयोजन का कारोबारी स्वरूप अधिक व्यावहारिक और परिणामोन्मुख साबित हुआ। समग्र रूप से यह आयोजन प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक ठोस और महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित हुआ। पांच दिवसीय यात्रा की शुरुआत 25 सितंबर को माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा उद्घाटन के साथ हुई, जिसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपस्थित रहे।

एक बूंद खून से 10 मिनट में 75 प्रकार के टेस्ट संभव होंगे

नोएडा। यूपी के युवाओं ने एक ऐसी मशीन बनाई है, जिसके माध्यम से एक बूद रक्त से 75 से अधिक जांचें की जा सकेगी। इस मशीन के लिए ना तो अस्पताल और न ही लैब की जरूरत है। इसे कार में रखकर शहर से गांव या किसी दूर-दराज इलाके तक लेकर जांच की जा सकती है। मशीन से बीपी और शुगर से लेकर ईसीजी, फेफड़ों, आंख-कान तक की जांच समेत रक्त से जुड़ी कई विशेष जांच संभव है।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में प्रदर्शित डॉक्टर ऑन ड्यूटी इसी सोच को हकीकत में बदलने की कोशिश है। करीब तीन लाख रुपये की यह मशीन स्वास्थ्य सेवाओं को अस्पताल की चारदीवारी से निकालकर मरीज के दरवाजे तक पहुंचाने का मॉडल है। यूपी के युवाओं ने भविष्य में होने वाली बीमारियों से बचाने में सक्षम इस मशीन को बनाया है। एमडी इंटरनल मेडिसिन और डॉक्टर्स ऑन ड्यूटी के फाउंडर एवं सीईओ डॉ. श्रेय श्रीवास्तव कहते हैं कि मशीन को इस तरह विकसित किया गया है कि प्राथमिक स्तर पर होने वाली कई महत्वपूर्ण जांच एक ही जगह की जा सकें। इसमें ब्लड प्रेशर, शुगर, बॉडी एनालिसिस, ईसीजी और लंग्स फंक्शन टेस्ट के साथ आंख, नाक और कान की जांच की सुविधा है। सिंगल ड्रॉप ब्लड टेस्ट समेत कुल 75 जांच करीब 10 मिनट में की जा सकती हैं। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसका पोर्टेबल होना है। इसे कार में रखकर आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाया जा सकता है। यानी जिस गांव में अस्पताल या डायग्नोस्टिक सेंटर नहीं है, वहां जांच की सुविधाएं पहुंचाने के लिए पूरी लैब खड़ी करने की जरूरत नहीं होगी। मशीन बिजली के साथ बैटरी और सोलर पावर से भी संचालित की जा सकती है।

महंगी जांच का बोझ घटेगा: इस मॉडल के जरिए अस्पतालों और डायग्नोस्टिक सेंटर में होने वाली कई जांच की तुलना में बेहद कम लागत पर प्राथमिक जांच संभव हो सकती है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का विपक्ष पर बड़ा हमला, राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर साधा निशाना

नोएडा। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 के समापन समारोह के दौरान केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने विपक्षी दलों और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ऊपर बहुत तीखा राजनीतिक हमला बोला है।

केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने आरोप लगाया है कि लंबे समय तक सत्ता से बाहर रहने की स्थिति में विपक्ष लगातार देश को अस्थिर करने की कोशिश में जुटा हुआ है। एसआईआर का जिक्र करते हुए केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने बताया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद जिन लोगों के नाम छूट गए हैं या फिर हटे हैं, उन सभी को निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपने नाम जुड़वाने का पूरा अवसर मिलता है। इसके बावजूद विपक्ष चुनाव आयोग और देश के सुप्रीम कोर्ट को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने चुनावी प्रक्रिया से जुड़े विषयों को लेकर विपक्ष के ऊपर राजनीति करने का भी गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं और उद्यमियों को विकास के नए अवसरों की हमेशा से बहुत ज्यादा जरूरत होती है तथा सभी राजनीतिक दलों को हमेशा विकास से जुड़े तमाम जरूरी मुद्दों पर केवल सकारात्मक चर्चा ही करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत देश की आर्थिक और सामरिक क्षमता में लगातार हो रहे विस्तार का बहुत बड़ा असर देश के भीतर उद्योग, रोजगार, निर्यात और वैश्विक स्तर पर देश की भूमिका के ऊपर बहुत गहराई से पड़ रहा है।

कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तंज: उत्तर प्रदेश की राजनीति को लेकर केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर सीधा निशाना साधा है। उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के इस गठबंधन को अपने शब्दों में 'ठगबंधन' करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी अकेले चुनाव लड़ने का बिल्कुल भी साहस नहीं कर सकते हैं और सीटों के बंटवारे के लिए वह पूरी तरह से अपने सहयोगी दलों पर निर्भर बने हुए हैं। केंद्रीय मंत्री ने देश के युवाओं से राजनीतिक गतिविधियों और देश के विकास से जुड़े तमाम मुद्दों के प्रति हमेशा सजग रहने का कड़ा आह्वान किया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी देश के अंदर हो रहे आर्थिक और औद्योगिक बदलावों को बिल्कुल भी स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। वह विभिन्न प्रकार के मुद्दों के जरिए आम जनता के बीच भ्रम की स्थिति पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के अंदर बुनियादी ढांचे, रक्षा उत्पादन, निर्यात, निवेश और औद्योगिक विकास के बड़े क्षेत्रों में लगातार बदलाव हो रहे हैं, जबकि विपक्ष केवल सरकार की नीतियों पर लगातार सवाल उठाने का काम कर रहा है।

कोरोना वैक्सीन को लेकर भी घेरा: केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कोरोना महामारी के दौर में वैक्सीन को लेकर भी विपक्ष की पूरी भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि टीकाकरण अभियान के दौरान विपक्ष के कुछ नेताओं ने वैक्सीन को लेकर तरह-तरह के सवाल उठाए थे और इससे आम लोगों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हुई थी। इसके बावजूद देश के भीतर बहुत बड़े स्तर पर टीकाकरण अभियान को सफलतापूर्वक चलाया गया था। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव का नाम लेते हुए सीधे आरोप लगाया कि वह जो खुद वैक्सीन लगवा रहे थे, वही दूसरी तरफ आम लोगों के बीच इसे लेकर भ्रम पैदा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महामारी के दौर में सरकार के प्रयासों पर सवाल उठाने के बजाय लोगों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण और स्वास्थ्य संबंधी दिशा-निर्देशों के आधार पर पूरी तरह जागरूक किया जाना बेहद जरूरी था। उन्होंने कहा कि भारत देश ने वैक्सीन के निर्माण और टीकाकरण के कुल क्षेत्र के भीतर अपनी भारी क्षमता का बहुत बड़ा प्रदर्शन किया था और भयंकर महामारी के उस दौर के दौरान बहुत ही बड़े स्तर पर स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़ा हुआ एक बहुत बड़ा अभियान भी चलाया गया था।

फोर्टिस ने किया नोएडा का पहला सफल हृदय प्रत्यारोपण, 56-वर्षीय मरीज को मिला नया जीवन

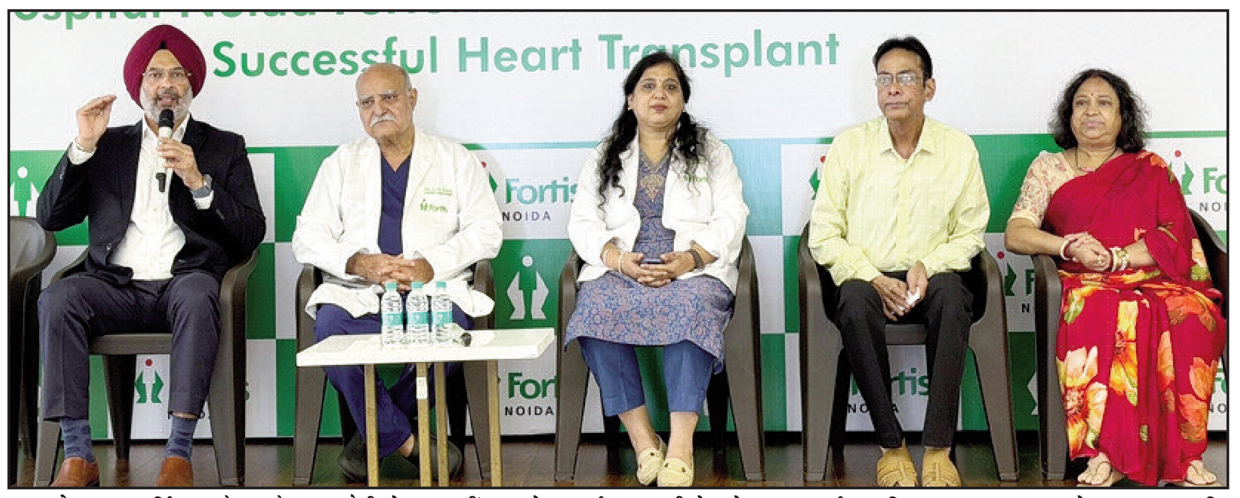

नोएडा। कार्डियाक केयर के क्षेत्र में शानदार उपलब्धि अपने नाम दर्ज कराते हुए, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश और नोएडा क्षेत्र में पहला सफल हृदय प्रत्यारोपण कर, 56-वर्षीय मरीज तपस कुमार डे को नया जीवनदान दिया है। इस शानदार उपलब्धि ने एक बार फिर अस्पताल की एक्पर्ट सर्जिकल दक्षता, चौबीसों घंटे क्लीनिकल तत्परता, और प्रशासनिक स्तर पर बेहतरीन तालमेल का परिचय दिया है। डॉ अजय कौल, चेयरमैन - कार्डियाक साइंसेज़, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा के नेतृत्व में डॉक्टरों की मल्टीडिसीप्लीनरी टीम ने इस हार्ट ट्रांसप्लांट सर्जरी को पूरा किया।

मरीज श्री डे पिछले कई वर्षों से क्रोनिक हार्ट फेलियर से पीड़ित थे, जिसकी वजह से उन्हें बार-बार अस्पताल में भर्ती कराना पड़ता था और उन्हें सांस फूलने की गंभीर तकलीफ थी, जो कि दवाओं से नियंत्रित नहीं हो रही थी। ऐसे में यदि उनका तुरंत हार्ट ट्रांसप्लांट नहीं किया जाता तो उनके बचने की संभावना केवल 10% ही थी। उन्हें ट्रांसप्लांट की प्रतीक्षा सूची में रखा गया था और इस बीच उनकी हालत स्थिर रखने के लिए डॉक्टरों ने उन्हें दवाओं पर रखा था, हालांकि बिना डोनर हार्ट के उनके बचने की संभावना काफी कम थी।

इस बीच, पंचकुला में एक डोनर हार्ट उपलब्ध हुआ लेकिन उसे नोएडा तक पहुंचाना भी किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं था। डोनर हार्ट को 2 से 3 घंटे के भीतर प्रत्यारोपित करना होता है, और इसे सुनिश्चित करने के लिए ट्रैफिक पुलिस, डॉक्टरों, ट्रांसप्लांट टीमों तथा नोटो (ह्लह्रञ्जह्र) के बीच भरपूर तालमेल जरूरी होता है। इसे ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश तथा हरियाणा पुलिस के सहयोग एवं तत्परता से एक ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण किया गया। डोनर हार्ट को गाजियाबाद स्थित हिंडन एयरपोर्ट तक हवाई मार्ग से पहुंचाया गया और गाजियाबाद एवं गौतम बुद्ध नगर ट्रैफिक पुलिस की सहायता से एक खास ग्रीन कॉरिडोर तैयार किया गया। इसमें हवाईअड्डा प्राधिकरणों तथा जिला प्रशासन का भी सहयोग लिया गया, तब कहीं जाकर फोर्टिस नोएडा तक की दूरी मात्र 16 मिनट में तय करना मुमकिन हुआ।

हर बीतने वाला पल डोनर अंग (इस मामले में हृदय) की उपयोगिता पर असर डालता है, ऐसे में सर्जिकल टीम को डोनर हार्ट के फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा में पहुंचते ही तत्काल ऑपरेट करने के लिए तैयार रहना था। श्री डे को ओ.टी. में लाया गया और उन्हें डोनर हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए तैयार किया गया। अस्पताल में डोनर हार्ट पहुंचते ही, डॉक्टरों की टीम ने मरीज के रोगी हृदय को निकाला, जो काफी खराब हालत में था। इस बीच, डोनर हार्ट को सावधानीपूर्वक लगाया गया और मरीज की प्रमुख हृदय धमनियों के साथ इसे जोड़ा गया। मरीज के हृदय में रक्तप्रवाह की बहाली होना बेहद महत्वपूर्ण उपलब्धि था और डॉक्टरों की टीम ने पूरी निगरानी में इसे काम को किया। इस प्रत्यारोपित हृदय में रक्त प्रवाह और धड़कनें चालू होने तक पूरी सावधानीपूर्वक मरीज पर नज़र रखी गई। सर्जिकल टीम की दक्षता के चलते ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया एक घंटे में पूरी की गई।

लेकिन हृदय प्रत्यारोपित करने पर केवल पहली बाधा ही पार होती है। श्री डे की मेडिकल हिस्ट्री और उनकी गुर्दों की परेशानी, उच्च रक्तचाप तथा हृदय की काफी गंभीर हालत की वजह से उन्हें तत्काल स्पेश्यलाइज़्ड इंटेंसिव केयर मैनेजमेंट में रखा गया। स्पेश्यलिस्ट टीम द्वारा चौबीसों घंटे मॉनीटरिंग ने उनके रक्तप्रवाह को स्थिर किया, आर्गेन रिकवरी में मदद की और समय पर उचित दवाओं आर्गेन रिजेक्शन से बचाव कर मरीज की सुगमतापूर्वक रिकवरी सुनिश्चित की।

प्रत्यारोपित हृदय लगने की प्रक्रिया के बाद श्री तपस कुमार डे ने कहा, 'जिंदगी का यह उपहार मिलना मेरे लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है। मैं डोनर परिवार का हृदय से आभारी हूं जिनके परोपकार ने मुझे एक बार फिर अपना जीवन का सफर जारी रखने का मौका दिया। ऐसे समय में जबकि मैं और मेरा परिवार पूरी उम्मीद खो चुका था, डॉक्टरों की टीम ने अपना फर्ज निभाया और मुझे इतना कीमती उपहार दिया।'

डॉ अजय कौल, चेयरमैन - कार्डियाक साइंसेज़, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा ने कहा, 'श्री डे का हृदय इतना कमजोर पड़ चुका था कि उस पर किसी भी दवा या प्रक्रिया का असर नहीं हो सकता था, ऐसे में नया हृदय ही उन्हें जिंदा रखने का एकमात्र उपाया था। जैसे ही पंचकुला में डोनर हार्ट उपलब्ध हुआ, हर मिनट कीमती हो चुका था और उसे मृतक के शरीर से निकालकर नोएडा में ऑपरेशन थियेटर तक पहुंचाना बहुत ही चुनौतीपूर्ण काम था। मुझे बेहद प्रसन्नता है कि यह सर्जरी सही ढंग से हुई और अब श्री डे स्वास्थ्यलाभ कर रहे हैं। हमारी टीम के लिए, यह केवल सर्जिकल सफलता नहीं है, बल्कि इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि अब नोएडा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मरीजों को हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए दूसरे शहरों तक नहीं जाना पड़ेगा।'

मोहित सिंह, रीजनल डायरेटर, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा ने कहा, 'पश्चिमी उत्तर प्रदेश और नोएडा में पहला सफल हृदय प्रत्यारोपण हमारे अस्पताल तथा इस क्षेत्र में मरीजों के लिए किसी गर्वीली उपलब्धि से कम नहीं है। यह केवल हमारे डॉक्टरों और क्रिटकल केयर स्टाफ, ट्रैफिक पुलिस और उत्तर प्रदेश, हरियाणा, और पंजाब एयरपोर्ट अधिकारियों के बीच समन्वय तथा टीमवर्क के चलते ही संभव हो पाया है जिन्होंने डोनर हार्ट को समय पर अस्पताल पहुंचाने में तत्परता का परिचय दिया। साथ ही, उस परिवार की हिम्मत तथा परोपकारिता की भावना भी सराहनीय है जिन्होंने अपने प्रियजन के अंगों को, दुःख की इस घड़ी में भी दान करने का बड़ा फैसला लिया।

संक्षिप्त समाचार

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में छाया आयुष विभाग का स्टॉल, मिला सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार

नोएडा। इंडियन एक्सपो मार्ट एंड सेंटर में आयोजित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के चतुर्थ संस्करण में उत्तर प्रदेश आयुष विभाग के स्टॉल को हॉल-4 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन स्टॉल का पुरस्कार मिला है। इस बड़ी उपलब्धि के जरिए प्रदेश में आयुष चिकित्सा व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण, अनुसंधान, नवाचार और वेलनेस टूरिज्म के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का शानदार अवसर मिला है।

आयुष विभाग के उप निदेशक डॉ. राम कृपाल, गौतमबुद्ध नगर के क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. वंदना रानी, गाजियाबाद के क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. अशोक राणा और जिला होम्योपैथी अधिकारी डॉ. प्रीति सिंघल ने स्टॉल पर आने वाले सभी अतिथियों और आगंतुकों का स्वागत किया। इन अधिकारियों ने आगंतुकों को उत्तर प्रदेश में आयुष चिकित्सा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की पूरी जानकारी दी।

प्रदर्शनी और उपचार के उपाय: स्टॉल पर विभिन्न आयुष चिकित्सा पद्धतियों, सुरक्षित एवं मानकीकृत औषधि निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण, अनुसंधान एवं नवाचार के साथ आयुर्वेद, योग और पंचकर्म से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदर्शित की गई। आयुर्वेद के वैश्वीकरण की संभावनाओं और उत्तर प्रदेश को वेलनेस टूरिज्म के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को भी बहुत प्रमुखता के साथ प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा, गुणवत्तापूर्ण, साक्ष्य-आधारित और अनुसंधानपरक आयुर्वेदिक उपचार को बढ़ावा देने की योजनाओं की जानकारी भी दी गई। स्टॉल पर मौजूद चिकित्सकों ने वहां आने वाले आगंतुकों की नाड़ी परीक्षा कर उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी दिया। लोगों को आयुर्वेदिक आहार-विहार, ऋतुचर्या और दिनचर्या के माध्यम से एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में व्यावहारिक जानकारी मुहैया कराई गई।

टीम की सक्रिय सहभागिता: प्राप्त जानकारी के अनुसार, जनपद गौतमबुद्धनगर के सभी चिकित्साधिकारियों और कर्मचारियों ने इस ट्रेड शो में बहुत सक्रिय सहभागिता की। पूरी टीम ने स्टॉल के सफल संचालन, आगंतुकों के मार्गदर्शन और विभागीय गतिविधियों के प्रभावी प्रदर्शन में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विभाग का साफ तौर पर यह कहना है कि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन स्टॉल का यह पुरस्कार आयुर्वेद एवं होम्योपैथी विभाग, गौतमबुद्धनगर की टीम की समन्वित कार्यशैली और शानदार प्रस्तुति का सीधा परिणाम है।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से सब्जी विक्रेता की मौत

नोएडा। सेक्टर-39 थानाक्षेत्र में सोमवार देर रात तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने रेहड़ी लेकर घर जा रहे सब्जी विक्रेता को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। संभल के बहजोई निवासी सोमवीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका 32 वर्षीय भाई मंगल सिंह बरौला में परिवार के साथ रहता था। वह रेहड़ी पर सब्जी बेचता था। सोमवार रात सब्जी बेचने के बाद वह घर लौट रहा था। इसी दौरान आरक्यूबी मॉल के पास पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने उनकी रेहड़ी में टक्कर मार दी।

टक्कर लगने से मंगल सिंह सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी रेहड़ी भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया। इसके बाद मृतक का अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। वाहन के नंबर के आधार पर पुलिस आरोपी चालक तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

ई-रिक्शा से बैटरी चुराकर बेचने वाला गिरोह पकड़ा

नोएडा। रेकी करने के बाद सुनसान जगहों पर खड़े ई-रिक्शा की बैटरी चुराने वाले गिरोह के दो बदमाशों को सेक्टर-113 थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी की पांच बैटरी, घटना में इस्तेमाल ई-रिक्शा और दो चाकू बरामद किए गए हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि सोमवार रात को पुलिस टीम सेक्टर-112 में गश्त कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध ई-रिक्शा दिखाई दिया। पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो चालक और पीछे बैठा व्यक्ति भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया। तलाशी में दोनों के पास से एक-एक चाकू बरामद हुआ।

पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे नोएडा और आसपास के इलाकों में घूमकर सड़क किनारे खड़े ई-रिक्शा से बैटरी चोरी करते हैं। चोरी की बैटरी को कबाड़ियों को कम कीमत पर बेच देते हैं और उससे मिली रकम अपने शौक पूरे करने में खर्च करते हैं। आरोपियों की पहचान सोरखा निवासी 19 वर्षीय विक्की कुमार और हरदोई निवासी 22 वर्षीय सुमित के रूप में हुई है।आरोपियों ने हाल में भी नोएडा में ई-रिक्शा से बैटरी चोरी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने दोनों के पास से जो चोरी की बैटरियां बरामद की हैं, उनमें से दो बैटरी को शहर के अलग-अलग हिस्से से चुराया गया था। बरामद ई-रिक्शा के बारे में पता किया जा रहा है कि यह चोरी का है या नहीं। विक्की कुमार मूलरूप से बिहार के मधुबनी का रहने वाला है। दोनों नौकरी करने नोएडा आए थे। नौकरी नहीं मिली, तो दोनों चोरी की वारदात करने लगे।

ट्रेड शो में युवा वन्यजीव व वनस्पति संपदा से जुड़े

ग्रेटर नोएडा। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के पांचों दिन वन विभाग का आउटलेट युवाओं के आकर्षण का केंद्र बना रहा। अंतिम दिन भी यहां पहुंचे युवा उत्तर प्रदेश की वन्यजीव और वनस्पति संपदा को करीब से जानने में जुटे रहे।

मेरठ की छात्रा सुनैना ने कहा कि ट्रेड शो में वन विभाग के आउटलेट पर आकर उसे पहली बार प्रदेश की वन संपदा के बारे में इतनी जानकारी मिली। सोनभद्र, ललितपुर, लखीमपुर और बहराइच में संचालित 22 वन धन केंद्रों के बारे में जानना उसके लिए बिल्कुल नया अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि ट्रेड शो से अपने ही प्रदेश के बारे में बहुत सी ऐसी बातें यहां आकर पता चलीं, जिनकी पहले जानकारी नहीं थी। नोएडा की ओजस्वी ने कहा कि ट्रेड शो में दूसरे आउटलेट जहां कारोबार और उत्पादों की जानकारी दे रहे थे, वहीं वन विभाग के आउटलेट ने उसे प्रकृति से जोड़ा। यहां आकर लगा कि यूपी सिर्फ उद्योगों और बड़े शहरों का प्रदेश नहीं है। यहां वन्यजीवों और पेड़-पौधों की भी इतनी बड़ी दुनिया है। मेरठ के छात्र रवि कुमार ने बताया कि बबूल, सागौन, खैर और अर्जुन जैसे पेड़ उनके आसपास दिखाई देते हैं, लेकिन उनके महत्व और संरक्षण की जानकारी उन्हें यहां आकर मिली। उन्होंने कहा कि रोज दिखाई देने वाले पेड़ों को अब वह अलग नजरिए से देखेंगे। पांच दिन तक चले प्रदर्शन में मेरठ, लखनऊ और प्रयागराज क्षेत्र की वन संपदा को भी अलग-अलग तरीके से सामने रखा गया। युवाओं को बताया गया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ क्षेत्र में बबूल, सागौन, खैर और अर्जुन जैसी प्रजातियां प्रमुखता से मिलती हैं, जबकि प्रदेश के दूसरे हिस्सों में वनस्पतियों की अलग विविधता देखने को मिलती है।

श्रीरामलीला महोत्सव की तैयारियां जोरों पर, मुरादाबाद के श्रीजानकी कला मंच के कलाकारों द्वारा भव्य प्रस्तुतीकरण होगा

नोएडा । श्रीराम मित्र मंडल,नोएडा द्वारा रामलीला मैदान,सी-ब्लॉक,सेक्टर-62 में 11 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक होने वाले श्रीरामलीला महोत्सव-2026 की तैयारियां जोरों से चल रही हैं।श्रीरामलीला महोत्सव आयोजन समिति के महासचिव डॉ?मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि श्रीरामलीला मंचन के भव्य प्रस्तुतिकरण के लिये श्रीजानकी कला मंच के लगभग 60 कलाकार प्रतिदिन मुरादाबाद में मंचन की तैयारी व रिहर्सल कर रहे हैं। इस वर्ष फिल्मों व धारावाहिकों में कार्य करने वाले कई कलाकारों द्वारा रामलीला मंचन होगा। निर्देशन की भूमिका में संजीव कुमार होंगे।

भगवान राम की भूमिका में आईटीआई प्रशिक्षित अनुज सक्सेना,लक्ष्मण की भूमिका में स्नातक रोहित सैनी,भरत की भूमिका में एमए पास जोशी पंडित,शत्रुघ्न की भूमिका में बीकॉम सनी सिंह, माता सीता की भूमिका में कोरियोग्राफर परी शर्मा,रावण की भूमिका में आईटीआई प्रशिक्षित तुषार सिंह, हनुमान जी की भूमिका में बीटेक संतोष आर्या,कैकेयी की भूमिका में एम कॉम कनिष्पा, सुमित्रा की भूमिका में स्नातक प्रीति,कौशल्या की भूमिका में स्नातक प्रीत ठाकुर,भगवान शंकर की भूमिका में आईटीआई प्रशिक्षित रोहित, केवट की भूमिका में एम कॉम अनुज भारद्वाज, विभीषण की भूमिका में दसवीं पास कुश गुप्ता,मेघनाथ की भूमिका में स्नातक विशेष त्यागी,बाली की भूमिका में इंजीनियर मंजीत, राजा जनक की भूमिका में बीकॉम संजीव त्यागी,कामदेव और नारद जी की भूमिका में मॉडल हर्ष त्यागी,सुग्रीव की भूमिका में स्नातक दीपक चौधरी, अंगद की भूमिका हर्ष त्यागी,मारीच की भूमिका बारहवीं पास राज शर्मा, सुशेन वैद्य की भूमिका एलएलबी सुदेश शर्मा, विश्वामित्र की भूमिका स्नातक संजय शर्मा,जामवंत की भूमिका शिक्षक मोनू गुप्ता, दशरथ की भूमिका आईटीआई इंजीनियर संजीव,ताड़का की भूमिका रोहित सैनी,सुग्रीव स्नातक दीपक चौधरी,जामवंत स्नातक मोनू गुप्ता, विश्वामित्र स्नातक संजय शर्मा, पार्वती बारहवीं पास मंजू,अहिल्या स्नातक गुड़िया,सुलोचना एम फार्मा नेहा शर्मा,मंदोदरी बारहवीं पास सीमा सिंह,सूर्पणखा स्नातक गीता ठाकुर,व्यासजी स्नातक सुरेश गुप्ता और वाणासुर की भूमिका व्स्नातक दीपक गुप्ता निभायेंगे। ट्रेड शो में युवा वन्यजीव व वनस्पति संपदा से जुड़े
ग्रेटर नोएडा। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के पांचों दिन वन विभाग का

संक्षिप्त समाचार

विकास कालिया गैंग के 2 बदमाश गिरफ्तार, दिल्ली में सदर बाजार-नबी करीम शोभायात्रा में की थी फायरिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। सदर बाजार–नबी करीम शोभायात्रा के दौरान सितंबर में हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने विकास कालिया गिरोह से जुड़े दो आरोपितों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपितों को गोली लगी है। कार्रवाई स्पेशल स्टाफ ने की ।पुलिस के अनुसार, स्पेशल स्टाफ ने कार्रवाई के दौरान दोनों आरोपियों को पकड़ा। इस दौरान पुलिस और आरोपितों के बीच फायरिंग हुई, जिसमें दोनों को गोली लगी। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। दोनों आरोपितों की

तलाश सितंबर के मध्य में सदर बाजार–नबी करीम शोभायात्रा के दौरान हुई फायरिंग की घटना के सिलसिले में की जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, दोनों विकास कालिया गिरोह से जुड़े हैं। विकास कालिया को सदर बाजार थाने, उत्तरी जिले का बैड कैरेक्टर बताया गया है।

सीबीआई ने एक्साइज इंस्पेक्टर को पकड़ा; घर से मिले 1.5 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मैरिज होम, बैंक्वेट हाल और फार्म हाउस में शराब परोसने की अनुमति और निगरानी व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। आबकारी विभाग के कुछ निरीक्षकों की मिलीभगत से कई आयोजन स्थलों पर नियमों की अनदेखी कर शराब परोसे जाने की छूट दी जाती है। इसके बदले संचालकों से नियमित रूप से रकम ली जाती है। मोटी रिश्वत पर बाहर से लाई गई शराब के मामलले भी छूट जाते हैं। पश्चिमी दिल्ली में एक बैंक्वेट हाल संचालक से कथित रूप से नियमित रकम मांगने के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने आबकारी विभाग के एक निरीक्षक और एक निजी व्यक्ति को पकड़ा है। जांच के दौरान निरीक्षक प्रेम कुमार के यहां डेढ़ करोड़ रुपये की नकदी बरामद हुई है। जांच एजेंसी इस बात का पता लगाने में जुटी है कि रकम की वसूली केवल एक क्षेत्र तक सीमित थी या इसके तार विभाग के अन्य अधिकारियों और दूसरे क्षेत्रों से भी जुड़े हैं। यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब दिल्ली सरकार अवैध शराब के कारोबार पर सख्ती का दावा कर रही है। अप्रैल से अगस्त 2026 के बीच आबकारी विभाग ने अवैध शराब के संबंध में 725

प्राथमिकी दर्ज करने और 730 लोगों की गिरफ्तारी की जानकारी दी है। मैरिज होम और फार्म हाउस में शराब परोसने के लिए निर्धारित नियमों और लाइसेंस की शर्तों का पालन जरूरी है। ऐसे में सीबीआइ की कार्रवाई के बाद यह जांच का विषय है कि किन आयोजन स्थलों पर नियमों का उल्लंघन हुआ और वहां तैनात अधिकारियों ने क्या कार्रवाई की। आबकारी विभाग के कुछ निरीक्षकों पर दलालों के माध्यम से मैरिज होम, बैंक्वेट हाल और फार्म हाउस संचालकों से कथित तौर पर उगाही करने के आरोप लग रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, जिन प्रतिष्ठानों से कथित तौर पर नियमित वसूली नहीं हो पाती, वहां किसी प्रकार की गतिविधि होने पर सूचना इन दलालों के माध्यम से तुरंत संबंधित निरीक्षकों तक पहुंचाई जाती है। इसके बाद वहां छापेमारी की कार्रवाई और फिर सौदेबाजी का खेल शुरू होता है। एक मामलें में 15 लाख रुपये तक की रकम मांगे जाने का आरोप है। दक्षिणी दिल्ली के एक फार्म हाउस में कुछ समय पहले इसी तरह की हुई थी एक छापेमारी। वहीं, आबकारी विभाग में तैनाती को लेकर कुछ पुलिस निरीक्षकों के बीच भी कथित तौर पर रुचि रहती है। विभाग में तैनाती को प्रभावशाली मानने वाले अधिकारियों की ओर से इसके लिए अपनी पहुंच और प्रभाव का इस्तेमाल किए जाने की चर्चा है।

दिल्ली के पार्कों में शाम के बाद सुरक्षा होगी कड़ी, 300 का सुरक्षा ऑडिट पूरा; बढ़ेगी रोशनी और गश्त

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पार्कों में शाम के बाद सुरक्षा को लेकर उठने वाली चिंताओं के बीच डीडीए ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। एलजी तरनजीत सिंह संधू के निर्देश पर डीडीए के पार्कों का सुरक्षा आडिट कराया जा रहा है। अब तक करीब 300 पार्कों का आडिट पूरा हो चुका है और शेष 375 पार्कों की जांच इसी सप्ताह पूरी करने का लक्ष्य है। आडिट में सुरक्षा गार्ड, रात की गश्त, सीसीटीवी, रोशनी, प्रवेश–निकास, बाड़ और चारदीवारी की स्थिति की जांच की जा रही है। जरूरत वाले पार्कों में रात की पाली में अतिरिक्त गार्ड तैनात किए गए हैं। टार्च और सुरक्षा उपकरणों से लैस बाइक से गश्त की जा रही है, जबकि वरिष्ठ अधिकारी

रात में औचक निरीक्षण कर रहे हैं। अंधेरे स्थानों की पहचान कर वहां अतिरिक्त रोशनी लगाई जा रही है। डीडीए ने पुलिस के साथ समन्वय बढ़ाते हुए सुरक्षा गार्डों को संबंधित बीट अधिकारी के संपर्क में रहने और संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना देने के निर्देश दिए हैं। जहां बाड़ या चहारदीवारी में कमी मिली है, उसे भी दूर किया जा रहा है। सीसीटीवी और प्रवेश–निकास व्यवस्था को मजबूत करने की प्रक्रिया भी चल रही है। डीडीए ने स्पष्ट किया है कि पार्कों के निर्धारित समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है। निर्धारित समय में सभी लोग पार्कों का इस्तेमाल कर सकते हैं। पार्कों में महिला–पुरुष या किसी अन्य आधार पर प्रवेश प्रतिबंधित नहीं है। सूचना बोर्डों पर सूर्यास्त के बाद रोशनी वाले मुख्य रास्तों का इस्तेमाल करने की सलाह दी जा रही है। डीडीए के अनुसार महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगों समेत सभी आगंतुकों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर इंतजाम किए जा रहे हैं।

दिल्ली से नहीं हटेंगे टोल नाके, 2 महीने में शुरू होगा एमएलएफएफ सिस्टम

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए हर साल करोड़ों रुपये खर्च करने वाली दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार टोल से लगने वाले ट्रैफिक जाम को खत्म करने के लिए आगे नहीं आ रही हैं, जिसके चलते शहर के नौ प्रमुख टोल नाकों को बंद करने का निर्णय अधर में लटका हुआ है।

एमसीडी ने यह प्रस्ताव रखा था कि यदि कोई एजेंसी उसे 900 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व और हर साल पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ भरपाई कर दे, तो वह सभी 156 टोल नाके बंद करने को तैयार है, लेकिन इस वित्तीय घाटे की भरपाई के लिए न तो दिल्ली सरकार और न ही केंद्र सरकार ने रुचि दिखाई है।

इसके बाद अब एमसीडी दिल्ली के टोल नाकों पर मल्टी लेन फ्री फ्लो (स्स्स्र) सिस्टम को लागू करने की दिशा में आगे बढ़ गई है। एमसीडी के अनुसार, वह अगले दो माह में इस व्यवस्था को पूरी तरह से लागू कर देगी।

इससे वाहनों के प्रवेश पर टोल वसूली में मानवीय हस्तक्षेप कम होगा, कम से कम उन स्थानों पर जहां जाम लगता है। यहां लगे ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरों में वाहन बिना रुके टोल आनलाइन चुकता करके निकल सकेंगे।

लेकिन, यह पहली बार नहीं है जब इस तरह के दावे किए गए हैं। क्योंकि 2018 में जब टोल नाकों पर नकद टोल वसूली की बजाय (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन) तकनीक स्थापित की गई थी, तब भी यही दावा किया गया था कि टोल नाकों पर अब जाम नहीं लगेगा। लेकिन, फिर भी टोल नाकों पर जाम खत्म नहीं हुआ।

अब तक क्या-क्या हुआ है: 23 अक्टूबर 2018 को 13 टोल नाकों को टैग युक्त किया गया।

1 जुलाई 2019 से आठ टोल नाकों पर वाहनों का प्रवेश अनिवार्य किया गया।

15 अगस्त 2019 से 13 टोल नाकों पर वाहनों का प्रवेश अनिवार्य किया गया।

30 जून 2021 को 124 टोल नाकों पर टैग से प्रवेश अनिवार्य किया गया।

कई हैं चुनौतियां और व्यवहारिक बनाने की है जरुरत

दिल्ली की 1511 अनधिकृत कॉलोनियों में मालिकाना हक की फीस 75% घटी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में 1511 अनधिकृत कालोनियों में 20 लाख से अधिक संपत्ति मालिकों को मालिकाना हक देने की बात है लेकिन आलम यह है कि एक प्रतिशत लोग भी इसके लिए आगे नहीं आ रहे हैं।

आलम यह है कि सरकार इन कालोनियों के संपत्ति मालिकों को इसके प्रोत्साहित करने के लिए बार- बार संशोधन करके प्रक्रिया सरल कर रही है बावजूद इसके लोग इसका लाभ लेने में रूचि नहीं दिखा रहे हैं।

इसलिए लोगों को रिझाने के लिए एमसीडी और डीडीए मालिकाना हक देने के लिए लगने वाले शुल्क में 75 प्रतिशत तक की कटौती की है। ऐसे में एमसीडी को एक बार फिर इसके लाभार्थियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद जागी है। महापौर प्रवेश वाही ने बताया कि यूनिफाइड बिल्डिंग बायलाज (यूबीबीएल) के तहत लगने वाले शुल्क के साथ परमिट शुल्क,

सुधार शुल्क और लैबर सेस लिया जाता है। इसी प्रकार एमसीडी मलबा निस्तारण के साथ, कंपलसेटरी रेगुलेटरी चार्ज, डेवलपमेंट चार्ज और आइटी व प्रशासनिक शुल्क देना पड़ता था।

जो कि न्यूनतम एक लाख से ज्यादा तक बैठता था। इसलिए एमसीडी और डीडीए ने मिलकर अपने लगने वाले शुल्क में 75 प्रतिशत तक की कटौती की है। जिसके बाद से एमसीडी को उम्मीद है कि लाभार्थियों की संख्या में इजाफा होगा। यह शुल्क 31 अक्टूबर तक आने वाले आवेदनकर्ताओं के लिए ही लागू होंगे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में पीएम उदय योजना लागू की गई थी। 2026 में केंद्र सरकार ने नियमों में संशोधन करके इसकी प्रक्रिया पूरी करने की जिम्मेदारी एमसीडी को दे दी। पीएम उदय योजना तहत 37 हजार लोगों ने लाभ लिया था। जबकि एमसीडी के पास आई योजना में मात्र दो ही लाभार्थी नए जुड़ पाएं हैं। कुल सात लोगों ने आवेदन किया था। इसमें से पांच आवेदन दस्तावेजों में कमी के कारण रद हो गए। दिल्ली नियमतीकरण नीति के तहत 1511 अनधिकृत कालोनियों के संपत्तियों को नियमतीकरण करके संपत्ति मालिकों को मालिकाना हक दिया जाना है लेकिन लोग इसलिए इसमें रूचि नहीं ले रहे हैं क्योंकि लोगों के अवैध निर्माण और अवैध कालोनियों को विशेष कानून के तहत दर्जा प्राप्त है। ऐसे में जो लोग इस योजना के भागी नहीं बनेंगे तो उनकी संपत्ति पर कोई फर्क नहीं होगा। जबकि कराने वाले को शुल्क देना होगा। जबकि दिल्ली में तेजी से बढ़ रही आबादी में अब समस्या यह है कि एक ही संपत्ति बिल्डर फ्लैट सिस्टम के चलते चार से पांच संपत्ति मालिकों के नाम से हो गई है।

थप्पड़ विवाद: सड़क की गुणवत्ता से शुरू हुआ मामला थाने से प्रदर्शन तक पहुंचा

नईदिल्ली, एजेंसी। तिलक नगर में सड़क निर्माण की गुणवत्ता की जांच के दौरान रविवार को हुए विवाद के बाद सोमवार को मामला सड़क से थाने और फिर सियासी प्रदर्शन तक पहुंच गया। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा पर आप कार्यकर्ता साहिब सिंह को थप्पड़ मारने के विरोध में आम आदमी पार्टी (आप) ने लगातार दूसरे दिन मंत्री के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। आप प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज और तिलक नगर विधायक जरनैल सिंह कार्यकर्ताओं के साथ विकासपुरी थाने की ओर रवाना हुए। पुलिस ने थाने से करीब 100 मीटर पहले अग्रसेन भवन रोड स्थित पेट्रोल पंप के सामने बैरिकेड लगाकर उन्हें रोक दिया। इसके बाद आप नेता और कार्यकर्ता सड़क पर ही

बैठ गए। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। इससे पहले आप संयोजक अरविंद केजरीवाल सोमवार शाम तिलक नगर पहुंचे। उन्होंने रविवार को जिस स्थान पर सड़क की गुणवत्ता को लेकर विवाद हुआ था, वहां पहुंचकर सड़क का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि नई बनी सड़क हाथ से उखड़ रही है और सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए प्रवेश वर्मा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। केजरीवाल के पहुंचने से पहले ही आउटर रिंग रोड के उक्त हिस्से को पुलिस ने बैरिकेड लगाकर घेर दिया था। वहां बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। केजरीवाल करीब पांच मिनट मौके पर रुकने के बाद वहां से चले गए। गौरतलब है कि रविवार को करीब एक करोड़ रुपये की लागत से बनी सड़क की गुणवत्ता जांचने के दौरान प्रवेश वर्मा और जरनैल सिंह आमने–सामने आ गए थे।

प्रवेश वर्मा ने आरोप लगाया था कि कि मौके पर मौजूद आप कार्यकर्ताओं ने उनके परिवार के खिलाफ अपशब्द कहे और काम में बाधा डाली। उन्होंने जरनैल सिंह पर पीडब्ल्यूडी के काम में कमीशन मांगने का भी आरोप लगाया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, सोमवार तक विवाद से संबंधित पांच शिकायतें मिली थीं। इनमें साहिब सिंह की एक, पीडब्ल्यूडी कर्मचारियों की ओर से जरनैल सिंह व अन्य के खिलाफ दो और भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से दो शिकायतें शामिल हैं। शिकायतें विकासपुरी और तिलक नगर थानों में दी गई हैं।

डीयू में महिला सुरक्षा पर छात्राओं का मार्च, 'बिना डर पढ़ें और चलें' की उठाई आवाज; प्रशासन से मांगे ठोस कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। डीयू में छात्राओं की सुरक्षा का मुद्दा एक बार फिर जोर पकड़ रहा है। सोमवार को मिरांडा हाउस से विद्यार्थियों और छात्राओं ने महिला सुरक्षा मार्च निकाला। मार्च के दौरान छात्राओं ने विश्वविद्यालय परिसर में सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल उपलब्ध कराने, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने तथा शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने की मांग उठाई। मार्च में डूसू सचिव रिया छावड़ी समेत विभिन्न कालेजों के छात्र प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। एबीवीपी के मार्च में शामिल छात्राओं ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में छात्राओं को बिना किसी डर के पढ़ाई और आवाजाही का माहौल मिलना चाहिए। सुरक्षा व्यवस्था केवल किसी घटना के बाद सक्रिय होने के बजाय नियमित रूप से प्रभावी रहनी चाहिए। विद्यार्थियों ने शिकायतों के लिए जवाबदेह और त्वरित व्यवस्था बनाने पर भी जोर दिया। डूसू अध्यक्ष यश डबास ने कहा कि महिला सुरक्षा केवल किसी एक घटना तक सीमित मुद्दा नहीं है। छात्राओं की सुरक्षा और सम्मान से जुड़े विषयों को लगातार विश्वविद्यालय प्रशासन के सामने उठाया जाएगा। उन्होंने सुरक्षित परिसर, शिकायतों के त्वरित निस्तारण और बेहतर सुरक्षा व्यवस्था के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। सचिव रिया छावड़ी ने कहा कि छात्राओं को विश्वविद्यालय में बिना भय के पढ़ने, आने–जाने और अपनी बात रखने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा को लेकर सभी मामलों में समान संवेदनशीलता के साथ आवाज उठाई जानी चाहिए। मार्च के दौरान छात्र नेताओं ने पिछले समय में सामने आए छात्राओं की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मामलों का भी उल्लेख किया। छात्र प्रतिनिधियों ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन को सुरक्षा व्यवस्था की नियमित समीक्षा कर छात्राओं के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक परिसर सुनिश्चित करना चाहिए।

सर्दियों में खुले में कचरा जलाने की घटनाएं 3 गुना बढ़ीं, छोटे शहरों में प्रति व्यक्ति प्रदूषण सबसे ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली और एनसीआर समेत देश के अन्य शहरों में सर्दियों के दौरान खुले में कचरा जलाने की समस्या अधिक गंभीर हो जाती है। वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूआरआइ) इंडिया द्वारा किए गए जमीनी अध्ययन में सामने आया है कि गर्मियों की तुलना में सर्दियों में खुले में कचरा जलाने की घटनाएं और उनसे होने वाला प्रदूषण करीब तीन गुना बढ़ जाता है। पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने वाले गैरसरकारी अनुसंधान संगठन डब्ल्यूआरआइ का कहना है कि निम्न सामाजिक-आर्थिक स्थिति वाले इलाकों में यह समस्या अधिक गंभीर है। टियर-2 शहरों के ऐसे इलाकों में सर्दियों के दौरान एक वर्ग किमी दायरे में रोजाना कचरा जलाने की 84 तक घटनाएं दर्ज की गईं। वर्ष 2019 से 2026 के बीच 11 शहरों में किए गए इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने तय मार्गों पर पैदल और वाहनों से जाकर कचरा जलाने की घटनाओं का प्रत्यक्ष सर्वेक्षण किया। कचरे का वजन, उसकी संरचना और उससे होने वाले पीएम 2.5 व पीएम 10 उत्सर्जन का आकलन किया गया।

शहरों को आबादी के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटकर अध्ययन किया गया। इनमें 10 शहर राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के प्रदूषण मानकों पर खरा नहीं उतरने वाले शहर हैं। अध्ययन का एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि टियर-2 यानी

मध्यम शहरों में कुल जलाए जाने वाले कचरे की मात्रा सबसे ज्यादा मिली, जबकि टियर-3 यानी छोटे शहरों में कचरा जलाने की घटनाओं का घनत्व और प्रति व्यक्ति उत्सर्जन सबसे अधिक रहा। यानी छोटे शहरों में कचरे के ढेर छोटे होने के बावजूद उनका प्रदूषणकारी असर ज्यादा हो सकता है। कचरे में प्लास्टिक और कागज की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा रही। दोनों मिलकर जलाए जाने वाली सामग्री का करीब 25 प्रतिशत तक हिस्सा हैं। यह कचरे को स्रोत पर अलग करने की व्यवस्था में कमी की ओर भी इशारा करता है। कचरा जलाने के कारण भी शहरों के आकार के साथ बदल जाते हैं। छोटे शहरों में मच्छरों से बचाव के लिए कचरा जलाने की धारणा प्रमुख कारणों में रही। वहीं बड़े और मध्यम शहरों में कचरा संग्रहण व्यवस्था की कमी तथा कलेक्शन जोन से बाहर फेंका गया कचरा प्रमुख वजहों में शामिल रहा।

सरकार ने आईसीसीआर से किया समझौता; विदेशों में दिखेगी प्रतिभा

दिल्ली के कलाकारों को मिलेगा ग्लोबल मंच

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की कला, संस्कृति और यहां की प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच देने के लिए दिल्ली सरकार और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आइसीसीआर) के बीच समझौता हुआ है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में हुए समझौते के तहत दोनों संस्थाएं सांस्कृतिक और शैक्षणिक क्षेत्र में मिलकर काम करेंगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस समझौते से विकास के साथ दिल्ली की विरासत, कला और संस्कृति को भी आगे बढ़ावा मिलेगा। समझौते के तहत दिल्ली के स्थानीय और युवा कलाकारों को अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सवों और आइसीसीआर के कार्यक्रमों में भाग लेने के अवसर मिलेंगे। सरकार प्रदर्शन कला, साहित्य, मूर्तिकला, वस्त्र, वास्तुकला, पाक कला और हस्तशिल्प सहित विभिन्न क्षेत्रों के कलाकारों की पहचान करेगी। इन कलाकारों का एक व्यापक आंकड़ा तैयार कर आइसीसीआर के साथ साझा

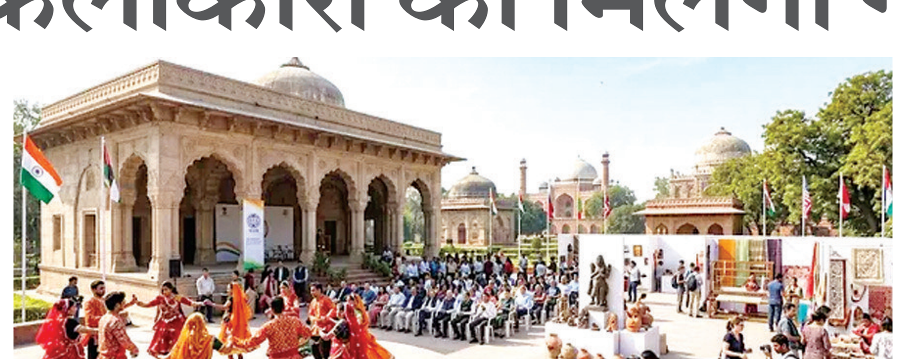

किया जाएगा। समझौते के तहत आइसीसीआर से जुड़े विदेशी छात्रों के लिए दिल्ली में अध्ययन शिविर और परिचयात्मक यात्राएं आयोजित की जाएंगी। इसके माध्यम से दिल्ली के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के साथ यहां के प्रमुख शिक्षण संस्थानों की जानकारी भी विदेशी छात्रों तक पहुंचाई जाएगी। इससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

विदेशी कलाकारों और विद्वानों के कार्यक्रम

दिल्ली में विदेशी कलाकारों और विद्वानों के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भारत और विदेश के कलाकारों के लिए कला प्रदर्शनियां, प्रशिक्षण शिविर, कार्यशालाएं और विचार–विमर्श कार्यक्रम भी होंगे। एक–दूसरे की कला और संस्कृति को समझने का अवसर मिलेगा ।विदेश में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दिल्ली के कलाकारों और सांस्कृतिक दलों की भागीदारी के लिए सरकार यात्रा, परिवहन और वीजा से जुड़े खर्च वहन करेगी। आइसीसीआर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कलाकारों की प्रस्तुतियों और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में सहयोग करेगा।

दिल्ली-अंबाला रेलमार्ग पर बढ़ेगी ट्रेनों की रफ्तार, बिछेंगी तीसरी-चौथी लाइन; 5983 करोड़ होंगे खर्च

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली–अंबाला रेलमार्ग दिल्ली को उत्तर भारत से जोड़ने वाला एक महत्त्वपूर्ण रेलखंड है। इसका पर्यटन के साथ–साथ सामरिक महत्त्व भी है। इस महत्त्वपूर्ण रेलमार्ग पर क्षमता से लगभग 66 प्रतिशत अधिक ट्रेनें चलती हैं, जिससे ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित होती है। इसके समाधान के लिए दो अतिरिक्त रेल लाइन बिछाने का काम शीघ्र शुरू होने की उम्मीद है। इसके लिए निविदा जारी कर दी गई है और अगले वर्ष निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ–साथ माल ढुलाई में तेजी आएगी और पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। इस रेलखंड से शताब्दी, राजधानी और वंदे भारत सहित प्रतिदिन डेढ़ सौ से अधिक ट्रेनें इस मार्ग से गुजरती हैं। इसके साथ ही मालगाड़ियों का भी परिचालन होता है। ट्रेनों की संख्या अधिक होने के कारण कई बार उन्हें आउटर या छोटे स्टेशनों पर रोकना पड़ता है। दिल्ली से श्रीनगर तक ट्रेन कनेक्टिविटी उपलब्ध हो जाने से आने वाले दिनों में ट्रेनों और मालगाड़ियों की संख्या और बढ़ेगी। यदि आवश्यकता के अनुरूप आधारभूत ढांचे का विकास नहीं किया गया, तो परेशानी बढ़ेगी, क्योंकि अभी भी अक्सर ट्रेनें विलंब से चलती हैं।

भारत का सर्फिंग अभियान बिना पदक के समाप्त

ताहारा । भारत ने मंगलवार को एशियन गेम्स 2026 में अपना पहला सर्फिंग अभियान बिना किसी पदक के समाप्त किया। किशोर कुमार अनबरसु आखिरी भारतीय थे, जो पुरुषों के शॉर्टबोर्ड क्वार्टर-फाइनल में बाहर हो गए। सर्फिंग ने एशियन गेम्स में आइची-नागोया 2026 में अपना डेब्यू किया और भारत ने ताहारा के पैसिफिक लॉन्ग बीच पर पुरुषों और महिलाओं के शॉर्टबोर्ड कॉम्पिटिशन में चार सदस्यीय समूह उतारा। 18 साल के भारतीय सर्फर किशोर का रन आखिरी आठ में फिलीपींस के टोबी एस्पेजोन से 8.53-5.37 की हार के साथ खत्म हुआ। टोबी ने अपनी दो वेव्स में 5.50 और 3.03 का स्कोर किया, जबकि किशोर सिर्फ 3.00 और 2.37 ही बना सके। सर्फिंग में, किसी कॉम्पिटिटर का स्कोर उसकी सबसे ज्यादा स्कोर वाली दो वेव्स का टोटल होता है, जिसमें हर वेव को 10.00 में से आंका जाता है, जिससे अधिकतम स्कोर 20.00 होता है। किशोर ने तीसरे राउंड में चीन के मा वेनसोंग को 9.76-8.80 से हराकर क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाई थी। उन्होंने अपने ओपनिंग-राउंड हीट में भी 9.33 पॉइंट्स के साथ टॉप किया था। भारत के दूसरे मेन्स शॉर्टबोर्ड एंट्रेंट, शिवराज बाबू, दूसरे राउंड में इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के दावूद खादिर को 8.96-3.60 से हराकर आगे बढ़े। शिवराज का कैंपेन तीसरे राउंड में खत्म हो गया, जहां वह फिलीपींस के जयुआर्ड एल्सिसो से 11.50-7.83 से हार गए। विमेंस शॉर्टबोर्ड में, कमाली प्रकाश और सुगर शांति गायेन भी तीसरे राउंड में बाहर हो गईं। कमाली इंडोनेशिया की जैस्मीन मिशेल स्टुडर से 1.64-5.93 से हार गईं, जबकि सुगर तीसरे राउंड में जापान की मिनामी नोनाका से 14.60-5.17 से हार गईं।

भारत ने मालदीव में एशियन सर्फिंग चैंपियनशिप 2024 के जरिए पुरुष और महिला, दोनों कैटेगरी में एशियन गेम्स के कोटे हासिल किए, जहाँ उन्होंने कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप में अपना पहला टीम सिल्वर मेडल भी जीता।

रजत पदक जीतकर लौटीं मीराबाई चानू का दिल्ली में भव्य स्वागत : बोलीं–

देश के लिए मेडल जीतना सपना था

निशियो । जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में 49 किग्रा महिला वेटलिफ्टिंग में जीता ऐतिहासिक सिल्वर मेडल कोच विजय शर्मा के साथ इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचीं

स्टार वेटलिफ्टर हवाई अड्डे पर खेल प्रेमियों और समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों और तिरंगे के साथ किया जोरदार स्वागत

जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारत का परचम लहराने के बाद स्टार वेटलिफ्टर साइखोम मीराबाई चानू मंगलवार को स्वदेश लौट आईं। महिलाओं के 49 किलोग्राम वर्ग वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक रजत पदक (सिल्वर मेडल) जीतने के बाद मीराबाई चानू अपने मुख्य कोच विजय शर्मा के साथ दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर पहुंचीं। एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, खेल मंत्रालय के प्रतिनिधि और उनके प्रशंसक मौजूद रहे।

स्वदेश वापसी पर मीडिया से बातचीत करते हुए मीराबाई चानू ने अपनी खुशी जाहिर की और इस पदक को अपने वर्षों के संघर्ष का परिणाम बताया।

संक्षिप्त समाचार

पारुल चौधरी ने जीता दूसरा 'ब्रॉन्ज'

नागोया, । भारत की पारुल चौधरी ने 'एशियन गेम्स 2026' में दूसरा ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया है। पारुल ने महिलाओं की 5000 मीटर फाइनल रेस 15 :14.61 के समय के साथ पूरी करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले, पारुल महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज में तीसरे स्थान पर रही थीं। बहरीन की विनफ्रेड यावी ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि जापान की नोजोमी तनाका ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। पारुल ने

रेस के आखिरी हिस्से में जबरदस्त तेजी दिखाते हुए कजाकिस्तान की नोराह तानुई को पछाड़कर तीसरा स्थान हासिल किया। शुरुआत में तेज रफ्तार के बावजूद, भारतीय एथलीट ज्यादातर समय आगे चल रहे ग्रुप के काफी करीब बनी रहीं। तानुई ने शुरुआत में बढ़त बनाई और शेष धावकों से काफी आगे निकल गईं, जबकि यावी पीछा करने वाले ग्रुप में शामिल हो गईं। शुरुआत में पारुल और उनकी साथी सीमा कुमारी बीच में चल रही थीं, जबकि तानुई लगातार अपनी रफ्तार बढ़ाती रहीं। यावी ने आधे रास्ते के बाद अंतर कम करना शुरू किया और धीरे-धीरे खिताब के लिए चुनौती देने की स्थिति में आ गईं। जब रेस अपने निर्णायक दौर में पहुंची, तो पारुल मेडल की दौड़ में बनी रहीं, जबकि सीमा पीछे छूट गईं। आखिरकार, यावी ने आखिरी लैप में बढ़त बना ली और अपनी रफ्तार बढ़ाई, जबकि तनाका बहरीन की धावक के साथ बने रहने की कोशिश करती रहीं।

भारतीय मूल की बोधना ने इतिहास रचा

11 साल की उम्र में बनीं सबसे युवा महिला ग्रैंडमास्टर

नई दिल्ली । भारतीय मूल की 11 वर्षीय बोधना शिवानंदन ने चेस में इतिहास रच दिया है। बोधना ने उज्बेकिस्तान के समरकंद में 46वें चेस ओलंपियाड में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करते हुए अपना तीसरा और अंतिम वुमन ग्रैंडमास्टर (डब्ल्यूजीएम) नॉर्म हासिल किया। इसके साथ बोधना इतिहास में वुमन ग्रैंडमास्टर का खिताब जीतने वालीं सबसे युवा खिलाड़ी बन गईं। इंग्लैंड की महिला टीम के लिए टॉप बोर्ड पर खेलते हुए बोधना ने टीम की अगुवाई की। उन्होंने छह गेम जीते और 8.0/11 का स्कोर

हासिल किया, जिससे इंग्लैंड महिला वर्ग में 15वें स्थान पर रहा। बोधना बोर्ड 1 पर टूर्नामेंट की 13वीं सबसे बेहतरीन खिलाड़ी रहीं। इससे पहले, सबसे युवा वुमन ग्रैंडमास्टर का रिकॉर्ड रूस की ग्रैंडमास्टर कैटरीना लैग्नो के नाम पर था, जिन्होंने 12 साल की उम्र में खिताब जीता था। उनके अलावा, चीन की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन होउ यिफान ने भी 12 साल की उम्र में यह खिताब जीता था। शिवानंदन की शतरंज यात्रा 'कोविड-19 लॉकडाउन' के दौरान शुरू हुई थी। पिता के दोस्त ने भारत लौटते समय कुछ बैग बोधना के परिवार को दिए थे, जिसमें एक शतरंज बोर्ड भी था। इसी शतरंज बोर्ड ने बोधना की दिलचस्पी को बढ़ाया। उस समय उन्होंने खुद ही इस खेल के दांव-पेंच सीखने शुरू किए थे। शिवानंदन ने यूरोपियन स्कूल्स चैंपियनशिप 2022 में सभी 24 मुकाबले जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था, जिसके एक साल बाद वह किसी ग्रैंडमास्टर के खिलाफ प्रतिस्पर्धी मुकाबले में हार न मानने वालीं सबसे युवा खिलाड़ी बनीं।

मुक्केबाज पंघाल फाइनल में

एशियन गेम्स: नरेंद्र ने जीता ब्रॉन्ज मेडल

नरेंद्र अपना सेमीफाइनल मुकाबला ओरलबे से 0-5 के एकमत फैसले से हार गए

निशियो । एशियन गेम्स में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। अंकुश पंघाल ने पुरुषों के 80 किग्रा सेमीफाइनल में फजलिद्दीन एर्किनबोव को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। अंकुश ने सेमीफाइनल में एर्किनबोव पर 4-1 से शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की। अंकुश पहले राउंड के आखिर में 1-4 से पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने अपने अच्छे पंचों के साथ करीबी मुकाबले में दूसरा राउंड 3-2 से जीत लिया। तीसरे राउंड में भी भारतीय मुक्केबाज दोनों बॉक्सरों में बेहतर रहे। उन्होंने तीसरा राउंड 5-0 से जीता। पांच में से चार जजों ने अंकुश के पक्ष में वोट दिया और उन्होंने 4-1 से जीत हासिल की। चारों ने 29-28 का फैसला दिया, जबकि एक जज ने उनके खिलाफ 28-29 का फैसला दिया।

नरेंद्र अपना सेमीफाइनल मुकाबला ओरलबे से 0-5 के एकमत फैसले से हार गए। ओरलबे ने अपने जोरदार मुक्कों से बाउट पर दबदबा बनाया, जबकि नरेंद्र ने अच्छा खेला, लेकिन वर्ल्ड चैंपियन को नीचे नहीं गिरा सके।

ओरलबे ने पहला राउंड 5-0 से जीता और उनके मुक्के अच्छे लगे। दूसरे राउंड में भी उन्होंने अपना दबदबा बनाए रखा। उनके जोरदार हमलों ने नरेंद्र को मुश्किल में डाल दिया। कजाख मुक्केबाज ने तीसरे राउंड में डिफेंसिव रवैया अपनाया और भारतीय मुक्केबाज पर 5-0 से जीत हासिल की।

इस बीच, अंकुश, अमित पंघाल (49 किग्रा) के 2018 जकार्ता गेम्स में गोल्ड जीतने के बाद एशियाड फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष बॉक्सर बन गए हैं। यह मौजूदा गेम्स में बॉक्सिंग में भारत का दूसरा पक्का सिल्वर मेडल था।

परवीन हुड्डा मुक्केबाजी के 65 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंचीं

निशियो । भारत की बॉक्सर परवीन हुड्डा मंगलवार को यहां निशियो जिम्नेजियम में चीन की ली शू को 5-0 से हराकर एशियन गेम्स में महिलाओं के 65 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंच गईं। परवीन ने आखिरी दो राउंड में खासतौर पर अपना दबदबा बनाया। उन्होंने पहला राउंड 3-2 के करीबी अंतर से जीता। इस दौरान परवीन ने सावधानी बरतते हुए काउंटर पंच मारे। परवीन ने दूसरे राउंड में अपने हिट्स से दबदबा बनाया, जबकि चीनी बॉक्सर ने भी कुछ पंच मारे। इसके बावजूद, परवीन ने राउंड 5-0 से जीत लिया। भारतीय बॉक्सर तीसरे राउंड में एक बार फिर बेहतर रहीं। उन्होंने सटीक पंच मारे और तीसरा राउंड 5-0 से जीत लिया। सभी पांच जजों ने उनके पक्ष में वोट दिया, जिसमें से तीन ने उन्हें 29-28 और दो ने 30-27 का फैसला दिया। परवीन अब 65 किग्रा के फाइनल में पहुंच गई हैं, जहां उनका सामना गोल्ड मेडल के लिए चीनी ताइपे की चेन निएन-चिन से होगा। यह मुकाबला कड़ा और रोमांचक होगा। निएन-चिन मौजूदा ओलंपिक और वर्ल्ड ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हैं। उन्होंने 2023 एशियन गेम्स में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता है। भारत के अंकुश पंघाल और नरेंद्र भी मंगलवार को अपने-अपने सेमीफाइनल में उतरेंगे। दोनों मुक्केबाज फाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेंगे। भारत ने एशियन गेम्स में मुक्केबाजी में छह मेडल पक्के कर लिए हैं। सोमवार को कपिल पोखरिया, प्रिया घनघस और लवलीना बोरगोहेन ने अपने-अपने मुकाबले जीते। प्रिया ने क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान की मिजगोना समदोवा पर 5-0 से एकतरफा जीत के बाद महिलाओं की 60 किग्रा कैटेगरी में मेडल पक्का कर लिया।

शपथ पुरुषों के ट्रैप इंडिविजुअल फाइनल में पहुंचे

नागोया । ट्रैप शूटर शपथ भारद्वाज ने 117 पॉइंट्स के साथ क्वालीफिकेशन में आठवें स्थान पर रहने के बाद पुरुषों के ट्रैप शूटिंग इंडिविजुअल में फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। हांगझोऊ 2023 में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले कायनन चेनाई 115 पॉइंट्स के साथ 16वें और अहवर रिजवी 107 पॉइंट्स के साथ 32वें स्थान पर रहे। दोनों फाइनल से चूक गए। शपथ इंडिविजुअल क्वालीफिकेशन में 117 पॉइंट्स के साथ संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर रहे और कतर के मोहम्मद अल-रुमाही और कजाकिस्तान के अलीशेर ऐसालबायेव के साथ तीन-तरफा शूट-ऑफ में शामिल हुए, जिसमें फाइनल में दो जगह दांव पर थीं। फिर उन्होंने आखिरी दो जगहों के लिए एक नर्वस तीन-तरफा शूट-ऑफ में जीत हासिल की और अल-रुमाही को हराकर मेडल राउंड में अपनी जगह पक्की की। इस बीच, शपथ, कायनन और अहवर की ट्रैप मेन्स टीम 339 के टोटल स्कोर के साथ छठे

एशियन गेम्सः, टीम मेडल से चूकी

स्थान पर रहने के बाद मेडल से चूक गई।

इससे पहले, नीरू ढांडा, आशिमा अहलावत और मनीषा कीर की विमेंस ट्रैप टीम ने मंगलवार को विमेंस ट्रैप टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता, जिससे शूटिंग में देश के मेडलों की संख्या 13 हो गई। तीनों ने 125-शॉट के क्वालीफिकेशन राउंड के तीन दिनों के बाद कुल 328 का स्कोर बनाया और सिल्वर के लिए कुवैत की चुनौती पर जीत हासिल की। चीन ने 346 के टोटल स्कोर के साथ गोल्ड जीता, जबकि कुवैत ने 325 के साथ ब्रॉन्ज जीता।

नीरू ने क्वालीफिकेशन में 118 के साथ संयुक्त रूप से टॉप पर रहने के बाद इंडिविजुअल फाइनल के लिए भी क्वालीफाई किया। आशिमा और मनीषा ने क्रमशः 106 और 104 का स्कोर किया और 16वें और 23वें स्थान पर रहने के बाद फाइनल से चूक गईं।

शूटिंग में 13 मेडल में से भारत के पास सिर्फ एक गोल्ड है, जो मिक्स्ड 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट से आया है।

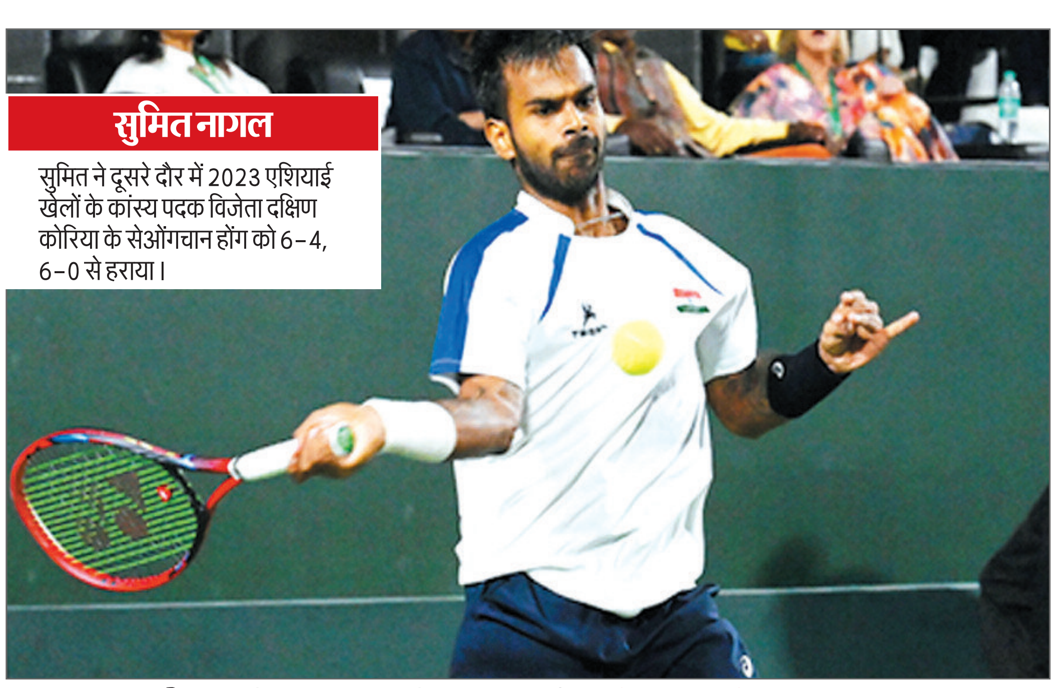

सुमित नागल

सुमित ने दूसरे दौर में 2023 एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता दक्षिण कोरिया के सेओंगचान होंग को 6-4, 6-0 से हराया।

नागल और दक्षिणेश्वर सिंगल्स के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

नागोया । एशियाई खेलों में मंगलवार को सुमित नागल और दक्षिणेश्वर सुरेश ने टेनिस के पुरुष सिंगल्स के दूसरे दौर के मैचों में शानदार जीत हासिल की और प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सुमित ने दूसरे दौर में 2023 एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता दक्षिण कोरिया के सेओंगचान होंग को 6-4, 6-0 से हराया, जबकि सुरेश ने इंडोनेशिया के गुनावान त्रिस्मुवंतारा पर कड़े मुकाबले में 7-5, 7-6 (2) से जीत दर्ज की। मौसम की खराबी के कारण सोमवार को सुमित और हांग का मैच रोक दिया गया जबकि पहले सेट में सुमित 3-2 से आगे थे। कोरियाई खिलाड़ी ने वापसी की और मंगलवार को फिर से शुरू होने पर पहले आठ अंक जीते क्योंकि सुमित पहले मैच में 3-4 से पीछे था। हालांकि, सुमित ने सेट और बाद में मैच अपने नाम करने के लिए लगातार नौ गेम जीते। सुमित एटीपी मास्टर्स 1000 इंडियन वेल्स क्वालीफाइंग राउंड में हांग से 6-2, 2-6, 6-7 (4) से हार गए थे। नागल ह्योन चुंग से 6-2, 4-6, 5-7 से हार गए जबकि वह एकल स्पर्धा में सूनवू क्वोन से 1-6, 2-6 से हार गए। एशियाई खेलों में अगले दौर में नागल का मुकाबला उज्बेकिस्तान के सर्गेई फोमिन से होगा।

यशवीर को सिल्वर, रोहित ने जीता ब्रॉन्ज

मेंस जैवलिन थ्रो में भारत का 'डबल धमाल'

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में सोमवार को पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में भारत ने दो मेडल हासिल किए। यशवीर सिंह ने देश के लिए सिल्वर मेडल जीता, जबकि रोहित यादव ने ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा किया। इस प्रतियोगिता का गोल्ड मेडल श्रीलंका के रुमेश थारंगा ने हासिल किया। नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में भारत के यशवीर सिंह ने 85.72 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरा स्थान अपने नाम किया। यशवीर ने अपने छठे प्रयास में 85.72 मीटर की दूरी तय की। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास 85.14 मीटर था। रोहित ने पहले प्रयास में 83.56 मीटर, दूसरे में 82.99 मीटर, तीसरे में 82.42 मीटर और चौथे प्रयास में 84.31 मीटर की दूरी तय की। उनका का पांचवां प्रयास 85.14 मीटर रहा था, जिसके बाद उन्होंने अंतिम प्रयास में सबसे अधिक दूरी तय की। वहीं, रोहित यादव ने 84.35 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ देश के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता। रोहित ने अपने तीसरे प्रयास में यह दूरी तय की थी। रोहित ने पहले प्रयास में 77.25 मीटर, दूसरे में 82.40 मीटर, तीसरे में 84.35 मीटर, चौथे में 82.16 मीटर और पांचवें प्रयास में 82.15 मीटर का थ्रो किया। हालांकि, उनका छठा प्रयास फाउल रहा। श्रीलंका के रुमेश थारंगा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। रुमेश ने अपने चौथे प्रयास में 88 मीटर की दूरी को पार कर लिया था, जिसके बाद छठे और अंतिम प्रयास में 88.55 मीटर की दूरी तय करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। थारंगा ने पहले प्रयास में 73.53 मीटर दूरी तय की, जिसके बाद अगले प्रयास में 83.34 मीटर दूर भाला फेंका।